शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in रांची,रविवार 25 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 06, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~4~~ ● वर्ष : 2, अंक : 137 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	24.9
जमशेदपुर	31.8	24.4
डालटनगंज	32.2	24.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नयी दिल्ली। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है. धवन (38) ने कहा कि उन्होंने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच से क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से सभी तीन प्रारूपों में टीम का प्रतिनिधित्व किया और वह संतुष्ट व्यक्ति के रूप में संन्यास ले रहे हैं. जीवन में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है. इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं. मैं अपने दिल में इस सुकून के साथ संन्यास ले रहा हूं कि मैंने भारत के लिए इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेला. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले. उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें 44.11 की औसत से 6,793 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 40.61 की औसत से 2,315 रन बनाए. -पेज 10 भी देखें

देश में हर 16 मिनट में एक रेप!

27.4%

मात्र मामलों में ही बलात्कारियों को मिलती है सजा, रेप के मामलों में राजस्थान-उत्तराखंड आगे, झारखंड भी पीछे नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। कोलकाता

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म-हत्याकांड मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. ये मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. डॉक्टर्स लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. भारत में रेप और बलात्कार कोई नई बात नहीं है, ये एक गंभीर सामाजिक समस्या है जो लगभग हर वक्त कहीं न कहीं सुर्खियों में बनी रहती है.

संडे खास

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में भारत में हर दिन 86 रेप के मामले सामने आए, यानी हर 16 मिनट में एक बलात्कार का केस दर्ज हुआ. वहीं हर तीन दिन में दो महिलाओं की रेप के बाद हत्या कर दी गई. रेप, जिसे अक्सर यौन उत्पीड़न के रूप में जाना जाता है. ये एक जघन्य अपराध है जो तब होता है जब कोई पुरुष किसी महिला के साथ उसकी बिना सहमति के जबरदस्ती यौन संबंध बनाता है. इसमें शारीरिक बल का इस्तेमाल करना, धमकी देना या किसी भी अन्य तरह का दबाव बनाना भी शामिल हो सकता है. यह तब भी हो सकता है जब कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाता है जो कानूनी तौर पर हां कहने या सहमति देने की स्थिति में नहीं है. अगर कोई पुरुष किसी महिला के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध या उसकी सहमति के बिना यौन गतिविधि में संलग्न होता है, तो वह बलात्कार का दोषी है. ये भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 के खंड एक से सात द्वारा परिभाषित किया गया है. - शेष पेज 07 पर

देश में रेप के मामलों का क्या है आंकड़ा

भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले साल-दर-साल बढ़ते ही जा रहे हैं. एनसीआरबी के अनुसार, 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 371,503 मामले दर्ज किए गए थे. इसके बाद अगले साल 2021 में 428,278 और 2022 में 445,256 मामले सामने आए. यानी कि तीन साल में करीब 20 फीसदी अपराध बढ़ गया. साल 2022 में कुल 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं रिपोर्ट की गई और कुल 31,516 केस रजिस्टर किए गए. राज्यवार आंकड़ा देखा जाए तो 2022 में राजस्थान में सबसे ज्यादा 5408 महिलाओं के साथ रेप जैसा घिनौना अपराध हुआ और यहां कुल 5399 रेप के केस दर्ज किए गए. राजस्थान के बाद उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ऐसे दो राज्य हैं जहां तीन हजार महिलाओं के साथ ऐसा अपराध हुआ. इसके अलावा महाराष्ट्र (2911), हरियाणा (1787), असम (1478), ओडिशा (1464), झारखंड (1298), छत्तीसगढ़ (1246), पश्चिम बंगाल (1112) में सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ रेप का मामला सामने आया.

आबादी के हिसाब से देखा जाए तो उत्तराखंड में सबसे ज्यादा बलात्कार के मामले हुए. रेप के मामले में उत्तराखंड का सबसे ज्यादा 15.4 क्राइम रेट है. इसका मतलब है कि एक लाख की आबादी पर 15.4 महिलाओं का बलात्कार हुआ. उत्तराखंड के बाद चंडीगढ (13.9), राजस्थान (13.8), हरियाणा (12.7), दिल्ली (12.3), लक्षद्वीप (12.1) का रेप मामले में सबसे ज्यादा क्राइम रेट है.

किस उम्र की महिलाएं ज्यादा शिकार होती हैं?

2022 की एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 18 से 30 साल के बीच की महिलाएं सबसे ज्यादा (21,063) शिकार यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं. इनके अलावा 30 से 45 साल के बीच की 8644 महिलाओं ने बलात्कार के मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई. उम्र के हिसाब से महिलाओं के यौन उत्पीड़न के ये रहे आंकड़े...

6 साल से कम	32
6 से 12 साल के बीच	88
12 से 16 साल के बीच	370
16 से 18 साल के बीच	527
18 से 30 साल के बीच	21063
30 से 45 साल के बीच	8644
45 से 60 साल के बीच	1171
60 से ऊपर	87

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

आबादी के हिसाब से बने नीतिः राहुल गांधी

प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है, जो हकीकत है. जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए. यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती, तो जरूरतमंदों को इसका लाभ नहीं मिलेगा और नीति बनाने का मतलब नहीं है. केंद्र सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा पूंजीपतियों और 30% लोगों के लिए है. संविधान यह कहता है कि सभी एक समान हैं और सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए.

बुल्डोजर न्याय अस्वीकार्य है, बंद हो: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में बुल्डोजर न्याय अस्वीकार्य है और ये बंद होना चाहिए. उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब एमपी में थाने पर पथराव की घटना के एक आरोपी की कोठी को बुल्डोजर से तोड़ दिया गया. प्रियंका ने कहा, अगर कोई अपराध का आरोपी है, तो उसका अपराध एवं उसकी सजा सिर्फ कोर्ट तय कर सकती है. आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना- यह न्याय नहीं है.

असम रेप मामले के मुख्य आरोपी की मौत

गुवाहाटी। असम में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का मुख्य आरोपी शुक्रवार देर रात पुलिस हिरासत से कथित रूप से फरार हो गया और उसने नगांव जिले के धींग में एक तालाब में छलांग लगा दी जिससे उसकी मौत हो गई. इस बीच आरोपी के गांव के लोगों ने उसकी लाश कब्रिस्तान में दफनाने से रोक दिया है और कहा है कि कोई भी शवयात्रा में शामिल नहीं होगा.

हजारीबागः सीएम की दहाड़, सरकार का काम विपक्षियों को पच नहीं रहा

हमारा लक्ष्य हर परिवार को मिलें एक लाख रुपए महीना

प्रमुख संवाददाता। हजारीबाग/रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा है कि हमारी सरकार इतना बेहतरीन काम कर रही है, लेकिन इन विपक्षियों को ये पच नहीं रहा है. ये लोग हमारे खिलाफ अपनी बैद्धिक ताकत का इस्तेमाल करते हैं. अमीर वकील, जज, बड़े-बड़े अफसर इनके यार-दोस्त हैं. गरीब को झूठे केस-मुकदमे में फंसा कर उसके कामों में रोड़ा डालते हैं. हम ऊपर चढ़ने का कोशिश करते हैं, तो हमारी टांग खींचने की कोशिश की जाती है. विपक्षी दल छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, असम से नेताओं को बुला कर यहां हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई-अगड़ा-पिछड़ा करके जहर घोलने का काम कर रहे हैं.

सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को हजारीबाग के नगवां स्थित सिंदूर मैदान में मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना कार्यक्रम में बोल रहे थे. कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की 13.94 लाख महिलाओं के खाते में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि ट्रांसफर की गई. हेमंत ने कहा कि हम बस ये जानना चाहते हैं कि यहां जो महिलाएं आई हैं सात जिलों से, कि आपको यह मंईयां सम्मान योजना अच्छी लगी है या नहीं. मात्र 14-15 दिनों में 42 लाख से अधिक महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जोड़ा गया है. बहुत तेजी से राज्य की 21 से 49 साल की महिलाएं इससे जुड़ रही हैं, यह काबिले-तारीफ है.

बूढ़े-बुजुर्गों को भी दे रहे हैं पेंशन : सीएम ने कहा कि बूढ़े-बुजुर्गों को भी हम पेंशन दे रहे हैं. राज्य में 35 लाख से अधिक बूढ़े-बुजुर्गों को पेंशन मिल रही है. आप इससे अंदाजा लगाइए कि किसी घर में तीन महिलाएं हैं, तो साल में 36 हजार खाते में जाएगा. साथ में दो बूढ़ा-बूढ़ी हैं, तो 24 हजार उसका भी. यानी कुल मिलाकर 60 हजार रुपया जा रहा है, एक-एक घर में. हमको नहीं लगता है कि झारखंड का कोई घर ऐसा बचा होगा, जहां सरकार की योजना नहीं पहुंची है.

हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मान राशि वितरित करते मुख्यमंत्री और अन्य अतिथि.

बोले सीएम

- छत्तीसगढ़, एमपी-असम के नेता झारखंड में आकर घोल रहे जहर
- विपक्षियों के अमीर वकील, जज, बड़े-बड़े अफसर हैं यार-दोस्त
- गरीब को झूठे केस केस में फंसाकर उसके काम में डालते हैं रोड़ा
- मुख्यमंत्री मंईयां योजना से अब तक 42 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी
- झारखंड के हर घर तक पहुंची सरकार की कल्याणकारी योजनाएं

आधी आबादी हमारे साथ खड़ी है

राज्य की आधी आबादी सरकार बनने से लेकर आज तक हमारे साथ खड़ी है. उसी को अपने पैरों पर खड़ा करने का संकल्प हमने लिया है. इसलिए बेटी के जन्म से लेकर मरने तक कुछ न कुछ योजना हम लेकर आए हैं. किसानों की ऋण माफी की बात करें, महिलाओं को सम्मान देने की बात करें या बूढ़ा-बुजुर्ग को लाठी पकड़ाने की बात करें या आने वाली पीढ़ी के लिए को मार्गदर्शन करने की योजना हो उन सबको सावित्रीबाई फुले योजना से आच्छादित किया है.

आप लोग अपने बेटे-बेटी को पढ़ाइए

सीएम ने कहा, अब बेटियों की शादी आप जल्दी मत कीजिए. आप अपने बेटे-बेटी को पढ़ाइए. उनको पढ़ाने का खर्चा सरकार उठाएगी. गुरुजी क्रेडिट कार्ड हमने लागू की है, जिससे हम गरीब बच्चों को 15 लाख रुपए बिना किसी गारंटी के हम बैंक से दिलवाएंगे. आने वाले समय में हम हर घर में एक-एक लाख रुपया पहुंचाने का कोशिश करेंगे.

विपक्षी व्यापारियों की सुरक्षा में लगे रहे

हेमंत सोरेन ने कहा, राज्य अलग होने के बाद विपक्षियों ने जो सरकार चलाई, वो सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान न देकर व्यापारियों की सुरक्षा में लगे रहे. अपने व्यापारियों का लाखों-करोड़ों माफ करने का पैसा इनके पास था. यहां के लोगों को न राशन मिला, न पैसा, न रोजगार. 2019 से पहले जब डबल इंजन की सरकार थी. हाथ में राशन कार्ड लेकर भात-भात करके लोग मरता था. कोरोना जैसी महामारी आई, सब कुछ बंद हो गया. ऐसी स्थिति में भी हमने एक भी व्यक्ति को भूखा नहीं मरने दिया.

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की 13.94 लाख बहनों के खातों में पहुंची राशि

हेमंत सोरेन ने कहा कि महान वीरों की भूमि उत्तरी छोटानागपुर के रामगढ़, हज़ारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद एवं बोकारो की 13 लाख 94 हज़ार बहनों के खातों में सम्मान राशि सीधे तौर पर पहुंचाई गई. इस मद में एक अरब 39 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गी है. छह महीने विलंब हुए इस योजना एवं सम्मान राशि को आप तक पहुंचाने में. लेकिन पिछले 20 दिनों के रिकॉर्ड समय में हमने यह कामयाबी हासिल की. कहा कि मैं झारखंड सरकार के सभी साथी कर्मी, विभिन्न बैंकों के सभी साथी कर्मी, प्रज्ञा केंद्रों के साथी कर्मी, पंचायत, प्रखंड, जिलों के सभी सम्मानित जन प्रतिनिधि के साथ उत्तरी छोटा नागपुर की बहनों का आभार प्रकट करता हूं. अब अगले माह से हर महीने की 15 तारीख़ को सम्मान राशि बहनों के खाते में अपने आप पहुंचनी शुरू हो जाएगी.

शुरू से ही परेशानियों में घिरे रहे

सीएम ने कहा कि हमलोग शुरू से ही परेशानियों से घिरे रहे हैं. राज्य का खजाना खाली था. ऐसी विपरीत परिस्थिति में भी राज्य को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का काम हमने किया. भाजपा के लोगों ने 18-20 साल राज किया. ये लोग मेरे पीछे षडयंत्र रचते रहे. झूठे आरोप में इन लोगों ने कोर्ट कचहरी करके मुझे जेल में डाल दिया. वहां 5-6 महीना रहने के बाद आज हम आपके बीच खड़े हैं. ये लोग को लगता है आदिवासी कमजोर और मूर्ख होता है. इनकी गलतफहमी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने दूर कर दिया. हमारे ऊपर लगे आरोप झूठ निकले और आज हम कोर्ट के आदेश से आपके सामने खड़े हैं.

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई!

अंशुमान तिवारी

विश्व के सबसे संभावनामय कार बाजार में ग्राहक ही लापता हो गए. दास्तां यूं बदल गई ! कार डीलरों के पास 73000 करोड़ रुपए की कारें शो रूम और गोदामों में पड़ी हैं. अर्थात तीन पीएम ग्राम सड़क योजनाओं से ज़्यादा की राशि फंसी है. कार डीलर 30 दिन का स्टॉक (इन्वेंटरी) रखते हैं, अब 70 दिन की इन्वेंटरी हो रही. डीलर बैंक कर्ज़ लेकर कंपनियों को कार का भुगतान करते हैं. सो बैंक भी फंसे.

डीलरों का संगठन फाडा कह रहा है कि कार कंपनियों ने अपना स्टाक, डीलरों के सर मढ़ दिया, बिक्री है नहीं. कार कंपनियां कह रहीं -डीलर कुछ ज़्यादा ही शिकायत कर रहे.

अप्रैल - जून के बीच बिक्री केवल 3.0 प्रतिशत बढ़ी. जुलाई में 2.5 प्रतिशत घट गई. सुज़ुकी, टाटा, हुंडई सबको झटका लगा. डिस्काउंट देने के बावजूद. साल 2023-24 में आटोमोबाइल निर्यात भी करीब 5.5 प्रतिशत घट गया. जून की तिमाही में निर्यात सुधरा है मगर इतना नहीं कि राहत मिले.

भारत छोटी कारों का बाज़ार था, महंगाई बढ़ने और कमाई घटने से बाज़ार सिमट गया. जब बाइक खरीदना मुश्किल है तो कार की कौन सोचे. बीते बरस एक बडे कार निर्माता ने छोटी कारों के बाजार को श्रद्धांजलि दे दी थी. बचीं मझोली-महंगी कारें, कोविड वाली मांग निबट ली, तो फिर यहां भी सन्नाटा.

टिप्पणी

महंगा कर्ज़, आटोमोबाइल पर टैक्स पर टैक्स और फिर ईंधन की ऊंची क़ीमतें ग्राहक कहां से आएं? उदारीकरण के बाद कार उद्योग ऐसे दिन पहली बार देख रहा है कि उत्पादन में कटौती की नौबत है.

देश में कार वाले कम हैं. 1000 लोगों पर 24 कारें, दुनिया में 1000 लोगों पर 314 के औसत से बहुत कम. मगर थोड़ी-सी कारों के बिकने न बिकने से तय होता है उपभोक्ता बाज़ार में मौज है या मायूसी ! क्यों कि.. भारत की पूरी मैनुफैक्चरिंग एक तरफ़ और ऑटोमोबाइल एक तरफ. कुल मैन्यूफ़ैक्चरिंग में ऑटोमोबाइल का हिस्सा 49 प्रतिशत है. जीडीपी में 7.1 प्रतिशत और 3.7 करोड़ रोजगार, ऐसा सरकारी आर्थिक समीक्षा बताती है.

स्टील से लेकर रबर तक असंख्य उद्योग और बीमा से बैंकिंग तक कई सेवायें कारों के पहियों पर चलती हैं. अब आप इस विशाल उपमहाद्वीपीय अर्थव्यवस्था में पोखर सी मैन्यूफैक्चरिंग को बिसूरिये जो मुट्ठी भर कार ग्राहकों की मोहताज़ है या फिर महंगे कर्ज, भारी टैक्स और पेट्रोल डीजल की कीमतों को लानतें भेजिए, मगर उपभोक्ता बाज़ार के उत्सव सूचक उद्योग की उदासी बड़ी संगीन हो चली है.

आह कार, वाह कार !
हैरां थे अपने अक्स पे घर के तमाम लोग
शीशा चटख गया तो हुआ एक काम और - दुष्यंत.

नोटः लेखक आर्थिक मामलो के वरिष्ठ पत्रकार और मनी नाइन के संपादक हैं और यह टिप्पणी उनके सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से ली गई है.

सरकारी कर्मियों को यूपीएस पर मुहर

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है. नई पेंशन स्कीम में सुधार की मांग पर ध्यान देते हुए सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दे दी है. इसका उद्देश्य सरकारी कर्मियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन देना है. नई पेंशन स्कीम में सुधार को लेकर डॉ. सोमनाथ कमेटी का गठन किया गया था. इस कमेटी ने विस्तार से चर्चा के बाद रिपोर्ट पेश की. दरअसल, शनिवार को केंद्रीय कैबिनेट ब्रीफिंग के बारे में जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देते हुए कहा कि कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. जिसमें यूनिफाइड पेंशन स्कीम का ऐलान भी शामिल है. -शेष पेज 07 पर

विश्लेषण

यह बंदी खतरे की घंटी है

चंद्रमौलि

बीते 21 अगस्त को भारत बंद कराया गया. यह बंद हुआ या नहीं, कहां हुआ कहां नहीं, जहां हुआ उसका कारण क्या था, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है. इस बंद को देश के विपक्षी दलों का समर्थन था. सत्ता पक्ष के भी कुछ उत्साही नेताओं ने इसमें छौंक लगायी थी. लेकिन ऐसी कौन-सी घटना हो गयी थी जिसके लिए भारत बंद की जरूरत आन पड़ी. मीडिया की खबरों की पड़ताल से पता चला कि यह बंद सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ था. वह फैसला यह था कि दलितों और आदिवासियों को मिल रहे आरक्षण में भी वर्गीकरण किया जाए. यानी इनके आरक्षण के कोटे में भी कोटा तय किया जाए. ताकि आरक्षण की मलाई चाट रही जातियों और कुनबों को बाहर कर आरक्षण से वंचित जमातों को आरक्षण की सुविधा दी जा सके. इस फैसले में सैद्धांतिक और तार्किक रूप से कुछ भी गलत नहीं था.

पिछड़ों को मिल रहे आरक्षण में भी तो मलाईदार परत तय की गई है. जब यह किया गया, तब तो कोई भारत बंद नहीं हुआ. कहीं कोई कोहराम नहीं मचा. फिर इस बार उद्वेलन की क्या जरूरत थी ? इसके दो कारण हैं. पहला यह कि आरक्षण के मजे लूट रही दलित और आदिवासी जातियों के एक वर्ग के हाथ में न केवल समाज का नेतृत्व है, वे दबंग हैं, साधन संपन्न हैं और इस समाज के वंचित तबके के पास अपना हक मांगने या जताने के लिए न कोई संगठन है, न नेता. दूसरा कारण यह है कि लोकसभा चुनाव के समय से ही आरक्षण को एक शिगूफा बना दिया गया है.

यह मान लिया गया है कि इससे मोदी सरकार डरेगी. इसलिए जब भी मौका मिले, उसे डराया जाना चाहिए. लेकिन क्या इसके लिए भारत बंद जैसे आयोजन के जरिए बदअमनी फैलाने का प्रयास आवश्यक था और वह भी सुप्रीम कोर्ट के एक निर्दोष फैसले को आधार बना कर. अगर यह सिलसिला चल पड़ा, तो कहां जाकर रुकेगा, यह सोच कर ही सिहरन पैदा होती है.

1986 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा महिला शाहबानो को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था. इस फैसले के खिलाफ कठमुल्लों ने आसमान सिर पर उठा लिया था. उस समय संविधान ठेंगे पर रख दिया गया था. तब मुख्य न्यायाधीश वाईबी चंद्रचूड़ के पुतले फूंके गये थे, वह भी उसे जूते की माला पहना कर. मुंबई में तो दंगे के हालात पैदा हो गये थे. यह प्रदर्शन तब थमा, जब बाला साहब ठाकरे ने ऐलान कर दिया कि इन लोगों को कराची लाहौर भेजना होगा. यही हालत पूरे देश में थी. फिर क्या था, सेक्युलरिज्म की सरकार कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद में कानून बना कर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट दिया था. तब आरिफ मोहम्मद खान ने इसके विरोध में मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया था. इस बार भी उसकी पुनरावृत्ति हुई है, लेकिन दूसरे तरीके से. एक तो सुप्रीम ने एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर तय करने का कोई आदेश नहीं दिया था. इस बाबत उसने फैसला जरूर दिया था, लेकिन वह मात्र ऑब्जर्वेशन था या अधिक से अधिक सिफारिश थी. इसे भी सरकार ने अपने कैबिनेट नोट से मानने से इंकार कर दिया था. वह शायद जानती थी कि इस पर बवाल होगा और हमला उसी पर होगा.

तथ्य यह भी है कि गंठबंधन की सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना पड़ रहा है. यही वजह है कि लेटरल इंट्री वाले मामले में भी सरकार ने विज्ञापन रद्द कर दिया है. हालांकि लेटरल इंट्री का विरोध कर रही कांग्रेस ने मनमोहन सिंह, मोंटेक सिंह अहलूवालिया, रघुराम राजन, एमके झा से लेकर नंदन नीलकेणि तक अनेक नियुक्तियां इसी तरीके से की थी. लेकिन इस समय आरक्षण मंकी पॉक्स की तरह जानलेवा हो गया है. -शेष पेज 07 पर

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कब किस अपराध में लागू होगा ये कानून

जाति का जिक्र किए बिना अपमान एससी-एसटी ऐक्ट के दायरे में नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एससी या एसटी समुदाय से संबंधित मामले में अहम फैसला सुनाया है. शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति का अपमान या अपमान करना, बिना उसकी जाति, जनजाति या अस्पृश्यता की अवधारणा के बारे में संकेत दिए बिना, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट, 1989 के कड़े प्रावधानों के तहत अपराध नहीं होगा.

जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने यह फैसला ऑनलाइन मलयालम समाचार चैनल के संपादक शाजन सकारिया को अंतरिम जमानत देते हुए दिया. सकारिया को एससी/एसटी समुदाय से संबंधित सीपीएम विधायक पीवी श्रीनिजन को माफिया डॉन कहने के लिए एससी/एसटी अधिनियम के तहत बुक किया गया था. साथ ही उन्हें ट्रायल कोर्ट और केरल हाईकोर्ट द्वारा पूर्व गिरफ्तारी जमानत से वंचित कर दिया गया था. -शेष पेज 07 पर

सुप्रीम कोर्ट ने मानी दलीलें

कोर्ट ने संपादक की ओर से एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा और गौरव अग्रवाल के तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य का हर जानबूझ कर अपमान या डराना जाति-आधारित अपमान की भावना पैदा नहीं करेगा. हमारे विचार में, यहां तक कि प्रथम दृष्टया भी कुछ भी ऐसा नहीं है, जो इंगित करता हो कि अपीलकर्ता ने यूट्यूब पर वीडियो डाल करके, एससी/एसटी के खिलाफ दुश्मनी, घृणा या बुरा मानस की भावनाओं को बढ़ावा दिया या बढ़ाने का प्रयास किया. वीडियो का एससी या एसटी से कोई लेना-देना नहीं है. उनका लक्ष्य सिर्फ शिकायतकर्ता (श्रीनिजन) अकेले थे.

ब्रीफ खबरें

ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि बढ़ाने का आदेश

रांची। भू राजस्व विभाग ने पारंपरिक ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है. हालांकि इस प्रस्ताव को पिछले दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति मिल चुकी थी. जारी आदेश के अनुसार अब मानकी परगनैत को 6000 रुपये प्रतिमाह, ग्राम प्रधान को 4000 प्रति माह, डाकुआ, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम, नायकी, गौड़ेत,मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी पुजारी, पड़हा राजा, घटवाल और ताकेदार को प्रतिमाह 2000 रुपये दिये जाएंगे.

आसपा (का.) के प्रदेश सचिव बने परवेज

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी में सभी सियासी

पार्टी लग गए हैं. शनिवार को आजाद समाज पार्टी (का.) ने रांची के रहने वाले मशहूर समाजसेवी परवेज शहजाद को प्रदेश सचिव सह रांची जिला प्रभारी मनोनीत किया गया है. इससे पहले भी परवेज शहजाद राजनीतिक पार्टी में बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. परवेज शहजाद को लेटर सौंपा गया. लेटर में लिखा है कि आजाद समाज पार्टी(का.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर और प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा की अनुशंसा पर आपको प्रदेश सचिव मनोनीत किया है. सचिव मनोनीत होने पर परवेज शहजाद ने कहा की हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा और पार्टी के सभी नेताओं का शुक्रिया अदा करते हैं. पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, उस पर में खरा उतरने का काम करूंगा.

लोजपा (आर) की बैठक आज, भाग लेंगे चिराग

रांची। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) अब झारखंड में भी अपना राजनीतिक दायरा बढ़ाना चाहती है. पार्टी की रविवार को रांची में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी. इस बैठक में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ-साथ हरियाणा व अगले वर्ष बिहार विधानसभा के चुनाव की रणनीति पर अहम निर्णय लिए जाने की संभावना है. इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है, एक बार फिर चिराग पासवान को सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुना जायेगा.

मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना के लिए गाइडलाइन जारी

सभी सरकारी अस्पताल होंगे अपग्रेड, बढ़ेंगी सुविधाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के सभी सरकारी अस्पताल अपग्रेड होंगे. साथ ही मरीजों के लिए सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी. इसके लिए मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना का गाइडलाइन जारी कर दी गयी है. योजना के तहत राज्य में मौजूद सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के साथ संबद्ध अस्पताल शामिल होंगे. जिला व अनुमंडलीय हॉस्पीटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का पुनर्विकास क्रमबद्ध तरीके से किया जाएगा. योजना का लक्ष्य इन अस्पतालों को आधुनिक बुनियादी ढांचे के रूप में विकसित करना है. आवश्यक सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए इसे सुसज्जित और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में परिवर्तित करना है, जो आबादी की विविध चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो.

गाइडलाइन के अनुसार ये होंगे काम

- बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जायेगा.
- नए स्वास्थ्य मानकों के अनुसार अस्पताल भवनों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण किया जायेगा.
- मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नए उपकरण उपलब्ध कराये जाएंगे.
- हॉस्पीटल तक सड़क का निर्माण कराया जायेगा.
- मरीजों और उनके परिजनों के लिए अलग-अलग कमरे होंगे.
- आउट पेसेंट सेवा, परामर्श कक्ष, मेडिकल इमेजिंग, इमरजेंसी, बर्न यूनिट, डायलिसिस यूनिट, सीसीयू, ऑपरेशन थियेटर और लेबर रूम को अपग्रेड किया जाएगा.
- सुरक्षा के दृष्टिकोण से आपातकालीन निकास और अग्निशमन व्यवस्था को अपग्रेड किया जाएगा.
- पुराने व टूटे भवनों को ध्वस्त कर नए भवन बनाए जायेंगे.
- मेडिकल कचरा के निपटारे के लिए संयंत्र लगाये जायेंगे.

मरीजों को मिलेंगी सुविधाएं

- ऑक्सीजन की सप्लाई पाइप लाइन से होगी.
- मरीजों, कर्मचारियों और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए फायर अलार्म सिस्टम, स्प्रिंकलर और आपातकालीन निकास की व्यवस्था.
- रोगियों, आगंतुकों और आपातकालीन वाहनों के लिए सुविधाजनक पहुंच के साथ पार्किंग.
- दिव्यांगों के लिए बाधामुक्त पहुंच की होगी सुविधा.

झामुमो से दूर होने वाले कई नेता सियासी पीच पर हुए हिट विकेट

रवि भारती। रांची

झामुमो से किनारा करने वाले कद्दावर नेता राजनीति की सियासी पिच पर हिट विकेट हो गए. इसके बाद उन्हें मजबूत ठिकाना नहीं मिल पाया. झामुमो से राजनीतिक सफर की शुरूआत करने वाले सिर्फ अर्जुन मुंडा और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ही चल पाए. अर्जुन मुंडा सीएम पद तक पहुंचे. फिर केंद्रीय मंत्री की भी जिम्मेवारी संभाली. वहीं 2014 में विद्युतवरण महतो ने झामुमो का दामन छोड़ बीजेपी के हो गए थे. वे भाजपा के टिकट पर जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं. इसके अलावा कृष्णा मार्डी, सूरज मंडल, दुलाल भुईंया, कुणाल षाड़ंगी और सीता सोरेन का राजनीति करियर दांव लग गया.

कुणाल षाड़ंगी को नहीं मिली मजबूत जमीन

कुणाल षाड़ंगी को अब तक

मजबूत जमीन नहीं मिल पाई है. झामुमो से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी. 2014 में झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ जीत हासिल की. उस समय उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता दिनेशानंद गोस्वामी को मात दी थी. 2019 में भाजपा का दामन था. भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं पाए. फिलहाल वे झामुमो में आने की जुगाड़ में हैं.

सियासी पिच पर टिक नहीं पाए कृष्णा मार्डी

कृष्णा मार्डी झामुमो के कद्दावर

नेताओं में शुमार थे. सरायकेला वे 1985 व 1990 में दो बार विधायक बने. 1991 में सांसद भी बने. 1992 में झामुमो से किनारा कर नया दल झामुमो (मार्डी) बनाया. साथ में नौ विधायक को भी साथ ले गए, लेकिन फायदा नहीं मिला. मजबूत जमीन की तलाश में 2006 में भाजपा दामन थामा. वहां बात नहीं बनी. 2008 में आजसू में गए. यहां भी टिक नहीं पाए. 2013 में कांग्रेस का दामन था. फिर 2014 में कांग्रेस को अलविदा कह दिया.

झामुमो छोड़ने के बाद हार गईं सीता सोरेन

सीता सोरेन जामा से झामुमो के

टिकट पर विधायक थीं. जमा से साल 2019 में तीसरी बार चुनाव जीता था. लोकसभा चुनाव 2024 में उन्होंने झामुमो छोड़ दी और भाजपा ज्वाइन कर ली. मगर, उनका झामुमो छोड़ना रास नहीं आया. इस लोकसभा चुनाव में उन्होंने दुमका से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा मगर वह हार गईं. अब उनका राजनीतिक करियर दांव पर है.

सफलता को तरसे, पहचान के मोहताज हुए मंडल

झामुमो से किनारा करने के बाद

सूरज मंडल सफलता को तरस गए. वे 1980 से 1991 तक बिहार विधानसभा के सदस्य रहे. 1991 में गोड्डा से सांसद बने. झामुमो से निकाले जाने के बाद सूरज मंडल का सितारा गर्दिश में आ गया. इसके बाद वह सफलता को तरस गए. अब सूरज मंडल ने राजनीतिक सफलता के लिए काफी हाथ पैर मार रहे हैं. मगर, कहीं कोई फायदा नहीं होता नजर नहीं आ रहा.

अब चंपाई सोरेन बना रहे नया दल

झामुमो से किनारा कर नया दल बनाने की घोषणा चंपाई सोरेन ने की है.

फिलहाल उन्होंने अब तक न तो झामुमो से इस्तीफा दिया है और न ही मंत्री पद से. उन्होंने एक सप्ताह के अंदर नया दल बनाने की बात कही है, लेकिन राजनीति गलियारों में इस बाच की चर्चा जोरों से हो रही है कि झामुमो में सियासत सीखने के बाद इससे जितने भी नेता अलग हुए सब का सियासी समंदर में बेड़ा गर्क ही हो गया. झामुमो छोड़ने के बाद जनता ने इन्हें नकार दिया. इक्का-दुक्का नेता ही ऐसे निकले जो दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीति चमका पाए और एक सियासी मुकाम हासिल किया.

कहीं भी सेट नहीं हो पाये दुलाल भुईयां

झामुमो से किनारा करने के बाद दुलाल भुईयां सियासी पिच पर अब तक

सेट नहीं हो पाए हैं. 1995, 2000 और 2005 में जुगसलाई से झामुमो के टिकट पर विधायक बने थे. साल 2005 में विधायक बनने के बाद झामुमो ने उन्हें मंत्री भी बनाया. मगर, साल 2009 के विधानसभा चुनाव में वह आजसू के रामचंद्र सहिस से चुनाव हार गए. इसके बाद, झामुमो छोड़कर झाविमो का दामन थामा. 2014 में चुनाव से पहले वह भाजपा में आ गए. भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया. फिर वे कांग्रेस के साथ हो लिए. फिलहाल वे सक्रिय राजनीति में दिखाई नहीं दे रहे.

केबीसी में भी छाये रहे पूर्व सीएम चंपाई सोरेन

रांची। केबीसी(कौन बनेगा करोड़पति) के एपिसोड में भी चंपाई सोरेन छाये रहे. 23 अगस्त को सोनी टीवी चैनल में प्रसारित एपिसोड में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हॉट सीट में बैठी पटना की निशा राज से सवाल पूछा, फरवरी 2024 चंपाई सोरेन ने किस राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इस पर ऑप्शन दिए गए थे सिक्किम, राजस्थान, उत्तराखंड और झारखंड. निशा राज से सही जवाब देकर 20 हजार रुपये जीते.

जेल में मोबाइल के इस्तेमाल बंद हो, तो लगे संगठित अपराध रोक

सौरव सिंह। रांची

झारखंड के जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक के बाद ही संगठित अपराध पर लगाम लग पायेगी. पूरे झारखंड में 31 जेल हैं. जिनमें सात सेंट्रल, 17 जिला और छह अनुमंडल कारा है. एक ओपेन जेल हजारीबाग में है. इन जेल में कई छोटे-बड़े अपराधी बंद है. जो जेल में रहकर कारोबारियों से रंगदारी मांगने का काम कर रहे हैं. जेल में बंद अपराधी रंगादारी नहीं देने पर हत्या जैसे घटनाओं को अंजाम भी दिला रहे हैं. समय-समय कई हत्या और रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसके कनेक्शन जेल से जुड़े थे. वहीं जेल में जो जैमर लगे हैं, वो 2जी नेटवर्क पर ही प्रभावी है. वहीं अपराधी 4जी और 5जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर मोबाइल ऐप से व्यापारियों और अपने गुर्गों से लगातार संपर्क में हैं. जैमर को जब तक अपग्रेड नहीं किया जायेगा, तब तक इस पर लगाम नहीं लगेगा. कुछ दिन पहले एटीएस की टीम ने सिमडेगा जेल में छापेमारी कर अमन साहू गिरोह के अपराधी के पास से मोबाइल भी बरामद किया था.

जेल कर्मियों से इनकी होती है जबरदस्त सांठगांठ : सबसे हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि यह सभी गिरोह के लोग झारखंड के विभिन्न जेलों में बंद हैं. लेकिन जेल में बंद रहने के बावजूद इनके आतंक का सिक्का अभी भी चल रहा है. जेल के अंदर इन्हें वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो जेल के बाहर रहने पर भी मिलते हैं. समय-समय पर इन गैंगस्टर्स की जेल के अंदर से तस्वीरें और वीडियो भी वायरल होती है, जिनमें यह जेल में पार्टी करते हुए नजर आते हैं. दरअसल यह सब कुछ इसलिए हो रहा है, क्योंकि जेल कर्मियों से इनकी जबरदस्त सांठगांठ होती है. समय-समय पर जिला प्रशासन की तरफ से जेल के अंदर छापेमारी भी होती है, लेकिन उस समय कुछ भी नहीं मिलता है. क्योंकि प्रशासन की छापेमारी से पहले ही मोबाइल से लेकर तमाम तरह की वस्तुएं छिपा दी जाती हैं.

जैमर अपग्रेड से लगेगा ब्रेक : जब तक झारखंड के सभी जिलों में जैमर अपग्रेड का काम पूरा नहीं होगा, तब तक जेल के अंदर से अपराधियों के सल्तनत को खत्म कर पाना बेहद मुश्किल है. जेलों में सभी प्रकार के मोबाइल नेटवर्क को बंद करने के लिए अत्याधुनिक जैमर लगाने का काम अब तक फाइलों में ही सिमटा हुआ है. नतीजतन जेल के अंदर से ही कुख्यात अपराधी से लेकर छोटे-छोटे अपराधी जेल के बाहर अपने गुर्गो से घटनाओं को अंजाम दिलवा रहे हैं.

सात आपराधिक गिरोह पुलिस के लिए चुनौती

- अमन साहू गिरोह (जेल में) : रांची, लातेहार, रामगढ़ और हजारीबाग
- प्रिंस खान गिरोह (फरार) : धनबाद, बोकारो
- विकास तिवारी गिरोह (जेल में) : रामगढ़
- अमन श्रीवास्तव गिरोह (जेल में) : रामगढ़, हजारीबाग
- सुजीत सिन्हा गिरोह (जेल में) : लातेहार और पलामू
- अखिलेश सिंह गिरोह (जेल में) : जमशेदपुर और सरायकेला
- सुधीर दुबे गिरोह (जेल में) : जमशेदपुर और सरायकेला
- डब्लू सिंह गिरोह (फरार) : पलामू

3.50 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को मिलेगा फायदा

स्वास्थ्य बीमा के लिए 200 करोड़ स्वीकृति

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के 3.50 लाख सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों के स्वास्थ्य बीमा के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है. यह राशि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दी गई है. इस राशि से राज्य में या राज्य के बाहर के अस्पतालों में सरकारी कर्मियों के इलाज की व्यवस्था की जायेगी. उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार ने सरकारी कर्मियों की स्वास्थ्य बीमा कराने का फैसला लिया है. दो अक्टूबर से इस योजना का लाभ कर्मियों को मिलेगा.

दो अक्टूबर से शुरू होगी योजना

इसके लिए सरकार ने टाटा एआईजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी से एग्रीमेंट किया है. योजना के तहत सभी सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों को पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त होगा.

इस योजना में आयुष्मान भारत योजना के तहत चिन्हित किए गए अस्पताल भी शामिल होंगे. स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने पर सरकारी कर्मियों को 1000 रुपये की जगह 500 रुपये चिकित्सा भत्ता मिलेगा. इस हिसाब कर्मियों को सालाना 12 हजार रुपये की जगह 6000 रुपये ही चिकित्सा भत्ता मिलेगा. शेष राशि बीमा योजना के प्रीमियम में एडजस्ट की जाएगी. बताते चलें कि इस योजना के लिए 25 अक्तूबर 2014 में ही संकल्प जारी किया गया था, लेकिन पिछले 10 सालों से यह योजना लंबित रही थी.

एनटीपीसी के निदेशक जदली ने संभाला कार्यभार

रांची। अनिल कुमार जदली ने शनिवार को एनटीपीसी के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला है. उन्होंने 1993 में एनटीपीसी से अपने करियर शुरू की थी. अनिल कुमार जदली एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में कंपनी से जुड़े और वर्तमान में वह मानव संसाधन कार्य के शीर्ष पद पर हैं. उन्होंने गढ़वाल विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर (पीजी) किया है. एमडीआई, गुड़गांव से मानव संसाधन प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त की है. उन्हें ईएससीपी-ईएपी (पेरिस, बर्लिन और ट्यूरिन) से प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण इनपुट भी मिला है. उनका तीन दशकों का करियर काफी शानदार रहा है. लगभग एक दशक तक लाइन फंक्शन में काम करने के बाद 2004 में उन्होंने एचआर फंक्शन में काम करना शुरू किया था.

अनिल कुमार जदली

एसएसपी राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित, झामुमो कार्यकर्ता की तरह कर रहे काम

हेमंत सोरेन या तो माफी मांगे, या जनता को पांच साल का हिसाब दे: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सोरेन या तो माफी मांगे या राज्य की जनता को पांच साल का हिसाब दें. युवा आक्रोश रैली ने राज्य के लाखों युवाओं-बेरोजगारों को नौकरी और रोजगार का हक दिलाने की लड़ाई शुरू कर दी है. हेमंत सरकार ने पांच लाख युवाओं को नौकरी दी और ना ही राजनीति से संन्यास लिया. हेमंत सोरेन को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए.

बाबूलाल मरांडी ने रांची के एसएसपी पर आरोप लगाया है कि वह राजनीति पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर काम कर रहे हैं. शुक्रवार को आक्रोश रैली में जो कुछ भी हुआ है, उसे तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है. पुलिस ने निहत्थे महिलाओं, युवाओं पर अंधाधुंध पत्थर बरसा कर उन्हें जख्मी कर उकसाने का प्रयास किया. सरकार के इशारे पर ही आंसू गैस के

गोले छोड़े गए. अफसरों को यह समझना चाहिए कि सत्ता तो आती-जाती रहती है, सत्ताधारी के गुडबुक में आने के लिए इस तरह की कार्रवाई ठीक नहीं.

रांची में बंग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठः मरांडी ने आगे लिखा है कि रांची जिले में हो रहे आतंकी गतिविधियों, बांग्लादेशी मुसलमानों के घुसपैठ, आदिवासियों पर अत्याचार और निर्दोष लोगों की हत्याओं पर चुप रहने वाले एसएसपी का राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह बयान देना स्पष्ट करता है, सरकार ने युवाओं के आक्रोश को दबाने के लिए पूरी मशीनरी लगा दी है.

आज रांची आएंगे हिमंता बिस्व सरमा

रांची। असम के सीएम सह बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा रविवार को रांची पहुंचेंगे. यहां वे भाजपा कार्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे. बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनायेंगे. साथ ही जिलों से आनेवाले पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे.

हाईकोर्ट की खबरें

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी करार दिये गये मार्टिन तिर्की को बीस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने मार्टिन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर मार्टिन को छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. पोक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने यह फैसला सुनाया है. कोर्ट ने मार्टिन को 21 अगस्त को दोषी करार दिया था. घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने नगड़ी थाना में 2019 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

बिपिन की अर्जी पर 27 को सुनवाई

रांची। जमीन घोटाला मामले में आरोपी बिपिन सिंह की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में 27 अगस्त को सुनवाई होगी. बिपिन ने शुक्रवार को अपनी जमानत के लिए गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की है.

चेक बाउंस में निर्दोष करार शैलेंद्र के खिलाफ दायर अपील खारिज

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने चेक बाउंस के आरोप में निर्दोष करार दिये गये शैलेंद्र कुमार को बरी किये जाने के फैसले को बरकरार रखा है. जेएमएफसी (ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास) की कोर्ट ने दीपक कुमार पोद्दार द्वारा दर्ज केस की सुनवाई करते हुए शैलेंद्र कुमार को निर्दोष करार दिया था. इस फैसले को चुनौती देते हुए दीपक कुमार पोद्दार ने प्रधान न्यायायुक्त की कोर्ट में अपील दाखिल की थी. लेकिन कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी. दरअसल दीपक पोद्दार ने यह आरोप लगाया था कि कोरोना काल में उन्होंने शैलेंद्र को सात लाख रुपये दिये थे. शैलेंद्र ने बाद में सात लाख के एवज में दीपक पोद्दार को चेक दिये, जो बाउंस कर गये. लेकिन दीपक पोद्दार कोर्ट में यह साबित नहीं कर पाये कि शैलेंद्र द्वारा दिये गये चेक के बदले उन्हें नगद में भुगतान नहीं हुआ. शैलेन्द्र कुमार की ओर से अधिवक्ता कुशल अग्रवाल ने बहस की.

हेमंत सोरेन की याचिका पर 30 को सुनवाई

रांची। ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) द्वारा लिये गये संज्ञान और समन जारी करने के आदेश के खिलाफ़ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. झारखंड हाईकोर्ट इस मामले में अब 30 अगस्त को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई हो रही है. यह मामला शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन समयाभाव के कारण इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी.

क्लासिफाइड

दो मेडिकल कॉलेजों के लिए 348 पद का होगा सृजन

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक समिति की बैठक में मिली मंजूरी
- कोडरमा और चाईबासा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की होंगी 100-100 सीटें

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्र प्रायोजित योजना के तहत कोडरमा और चाईबासा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जानी है. इन दोनों कॉलेजों में शैक्षणिक कार्य के लिए 348 पदों के सृजन की स्वीकृति दे दी गई है. दोनों मेडिकल कॉलेजों में एक-एक प्रिंसिपल सहित 174-174 पद सृजित किए गए हैं. इसमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, अस्सिटेंट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट और ट्यूटर के पद शामिल हैं. मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है. कोडरमा और चाईबासा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100-100 सीटें होंगी.

किस कॉलेज के किस प्रमुख विभाग में कितने शिक्षक पद सृजित

विभाग	कोडरमा	चाईबासा
एनाटोमी	06	06
फिजियोलॉजी	06	06
बायोकेमेस्ट्री	06	06
पैथोलॉजी	10	10
माइक्रोबायोलॉजी	06	06
फारमाक्लोजी	05	05
पीएमटी	04	04
पीएसएस	08	08
मेडिसीन	20	20
टीबी एंड चेस्ट	04	04
स्किन	04	04
साइकेट्री	04	04
पिड्याट्रिक	11	11
सर्जरी	20	20
ऑर्थोपेडिक्स	10	10
ईएंडटी	05	05
आई	04	04
गायनी	10	10
रेडियोडायग्नोसिस	05	05
रेडियोथेरेपी	04	04
एनेथेसिया	14	14
फिजिकल मेडिसीन	04	04
डेनेस्टी	04	04

योग शिक्षकों ने पारिश्रमिक बढ़ाने की रखी मांग, केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। रांची

आयुष आरोग्य मंदिर में कार्य कर रहे योग शिक्षकों ने अपने पारिश्रमिक को बढ़ाने की मांग रखी है. इसके लिए शनिवार को उन्होंने केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा. केंद्रीय मंत्री से मिलकर योग प्रशिक्षकों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. कहा गया कि योग प्रशिक्षक की बहाली 2019 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड रांची के आलोक में हुई थी, जिसमें प्रत्येक सत्र के लिए 250 पारिश्रमिक के रूप में दिया जा रहा है. यह राशि आज भी उतनी ही है. केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि मांग को आयुष मंत्री के समक्ष रखेंगे. मौके पर आनंद रंजन, मनोज कु. उपाध्याय, शत्रुघ्न कुमार, संदीप कु.ठाकुर, रूपेश कुमार, नूपुर कुमारी, पूनम प्रसाद, दीप्ति तिवारी आदि शामिल थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, रविवार 25 अगस्त 2024 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ | वर्ष : 2, अंक : 137 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जेब पर असर: एक सितंबर से होने जा रहे आपके लिए छह बड़े बदलाव

अगस्त का महीना समाप्त होने में अब कुछ ही दिन बचा है. ऐसे में नए महीने से कई बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं, जो आम लोगों की जेब पर सीधे असर डालते हैं. सितंबर महीने से भी ऐसे ही कुछ खास बदलाव होने वाले हैं, जो आपकी जेब पर असर डालेंगे. इन बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम से लेकर क्रेडिट कार्ड के नियम शामिल हैं. आइए जानते हैं सितंबर महीने में कौन-कौन से बदलाव हो सकते हैं और इसका आपकी जेब पर कितना असर होगा?

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

1 एलपीजी सिलेंडर के दाम

अक्सर देखा जाता है कि हर महीने की एक तारीख को सरकार एलपीजी के दाम में बदलाव करती है. कामर्शियल गैस सिलेंडर से लेकर रसोई गैस के दाम में बदलाव देखा जाता है. ऐसे में इस बार भी एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव की उम्मीद की जा रही है. पिछले महीने कामर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 8.50 रुपए बढ़े थे, जबकि जुलाई में इसके दाम में 30 रुपए की कमी आई थी.

2 सीएनजी-पीएनजी रेट

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के साथ ही ऑयल मार्केट कंपनियों की तरफ से हवाई ईंधन यानी एयर टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और सीएनजी-पीएनजी (सीएनजी-पीएनजी) के दाम में भी संशोधन करती हैं. इस कारण पहली तारीख को इनकी कीमत में बदलाव देखा जा सकता है.

3 फर्जी कॉल से जुड़ा नियम

एक सितंबर से फर्जी कॉल और मैसेज पर लगाम लग सकती है. ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे फर्जी कॉल और फर्जी मैसेज पर लगाम कसें. इसके लिए ट्राई ने एक सख्त गाइडलाइन जारी की है. ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियां जैसे जियो, एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया, बीएसएनएल से कहा है कि 30 सितंबर तक 140 मोबाइल नंबर सीरीज से शुरू होने वाली टेलीमार्केटिंग कॉल और कमर्शियल मैसेजिंग को ब्लॉकचेन बेस डीएलटी यानी डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दें. इससे उम्मीद जताई जा रही है कि 1 सितंबर से फर्जी कॉल पर रोक लग जाएगी.

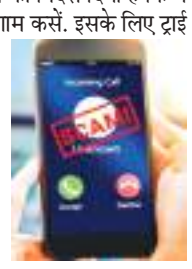

4 क्रेडिट कार्ड से जुड़ा नियम

एक सितंबर से एचडीएफसी बैंक यूटिलिटी ट्रांजेक्शन पर रिवॉर्ड प्वाइंट की लिमिट तय करने जा रहा है, जिसके तहत कस्टमर्स इन ट्रांजेक्शन्स पर हर महीने सिर्फ 2,000 पॉइंट्स तक ही पा सकते हैं. थर्ड पॉर्टी ऐप से एजुकेशनल पेमेंट करने पर एचडीएफसी बैंक कोई रिवॉर्ड नहीं देगा. सितंबर 2024 से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक क्रेडिट कार्ड पर देय न्यूनतम राशि को कम कर देगा. पेमेंट की तारीख भी 18 से घटाकर 15 दिन कर दिया जाएगा. इसके अलावा, एक बदलाव-1 सितंबर 2024 से यूपीआई और बाकी प्लेटफार्म पर पेमेंट के लिए रु पे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को बाकी पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों के समान ही रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे.

5 महंगाई भत्ता

सितंबर में केंद्र सरकार के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा ऐलान होने की संभावना है. उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्मचारियों के लिए 3 फीसदी महंगाई भत्ते में इजाफा कर सकती है. अभी सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता 50 फीसदी दिया जा रहा है, जबकि 3 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह 53 प्रतिशत हो जाएगा.

6 फ्री आधार कार्ड अपडेट

फ्री में आधार कार्ड अपडेट करने की आखिरी तारीख 14 सितंबर तय की गई है. इसके बाद आप आधार से जुड़ी कुछ चीजों को फ्री में अपडेट नहीं करा पाएंगे. 14 सितंबर के बाद आधार अपडेट करने के लिए शुल्क देना होगा. हालांकि पहले फ्री में आधार अपडेट कराने की लास्ट डेट 14 जून 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 14 सितंबर 2024 किया गया था.

ब्रीफ खबर

पोटका से सुबोध सिंह सरदार ने पेश की दावेदारी

जमशेदपुर । पोटका विधानसभा सीट से 2009 में चुनाव लड़ चुके कांग्रेस पार्टी के सुबोध सिंह सरदार ने चौथी बार उक्त सीट से अपनी दावेदारी पेश की. शुक्रवार को जिला मुख्यालय तिलक पुस्तकालय पहुंचकर उन्होंने कार्यालय प्रभारी संजय सिंह को अपना बायोडाटा सौंपा. इससे पहले 2014 में भी उन्होंने दावेदारी जतायी थी. लेकिन पार्टी ने उन्हें दरकिनार कर दुखनी माई सरदार को टिकट दे दिया.

यूसिल के नए तकनीकी निदेशक को दी बधाई

जादूगोड़ा । यूसिल अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनोरंजन महाली की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने नए तकनीकी निदेशक मनोज कुमार से शनिवार को मुलाकात की व गुलदस्ता भेंट कर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी की बधाई व शुभकामनाएं दी. इस प्रतिनिधिमंडल में संघ के अध्यक्ष केअलावा,सुरजीत सोरेन व मिर्जा सोरेन भी शामिल थे.

डिमना घाटी से हटेगा पुलिस का चेकिंग प्वाइंट

जमशेदपुर । एमजीएम थाना अंतर्गत डिमना गोकुल नगर के पास डिमना घाटी में चेकिंग प्वाइंट लगाने से बोड़ाम एवं पटमदा क्षेत्र के ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक मंगल कालिंदी ने एसएसपी किशोर कौशल से मुलाकात की. उन्होंने चेकिंग प्वाइंट को स्थानांतरित करने की मांग की. एसएसपी ने कहा कि चेकिंग प्वाइंट को वहां से हटाकर अंबेडकर नगर में लगाया जाएगा.

आदित्यपुर में भाजपाइयों का प्रदर्शन, पुतला फूंका

आदित्यपुर । शुक्रवार को आक्रोश रैली में पुलिस की कार्रवाई के विरुद्ध भाजपाइयों ने आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया. यह कार्यक्रम प्रदेश एवं जिला कमेटी के निर्देश पर किया गया.

डुमरिया में भाजपा ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

डुमरिया । आक्रोश रैली के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के उपर झारखंड सरकार द्वारा किये गये कारवाई के विरोध में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया. डुमरिया बस स्टैंड में मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की गई. मौके पर मंडल अध्यक्ष किशोर गिरी, सांसद प्रतिनिधि बसंत मदिना आदि उपस्थित थे.

जन्माष्टमी की तैयारी को लेकर मंदिर में बैठक

आदित्यपुर । श्रीश्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 6 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार शाम एसएन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई.मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह उपस्थित थे.

सारंडा में भी बांग्लादेशी घुसपैठ की आहट

आदिवासी युवती से विवाह कर अपने भाई के साथ गांव में ही बसा गैर आदिवासी राजमिस्त्री

शैलेश सिंह । किरीबुरु

बांग्लादेशी होने के शक में ग्रामीणों में नाराजगी, गांव छोड़ने का दिया आदेश

प्रदेश के पश्चिमी सिंहभूम जिले में भी बांग्लादेशी घुसपैठ की आहट सुनाई देने लगी है. इसे लेकर सारंडा के एक गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है. दरअसल, सारंडा स्थित छोटानागरा पंचायत अन्तर्गत बाईहातु गांव की आदिवासी युवती से पश्चिम बंगाल से आया एक गैर आदिवासी राजमिस्त्री शादी कर गांव में रहने लगा है. ग्रामीणों को शक है कि वह बांग्लादेशी घुसपैठिया है. इससे पूरे आदिवासी समाज व आसपास के गांवों के ग्रामीणों में भारी नाराजगी है. इस मामले को लेकर बीते दिनों गांव में बैठक हुई. बैठक में उक्त व्यक्ति को गांव छोड़कर जाने का आदेश भी दिया गया है. इसके बावजूद वह व्यक्ति गांव से जा नहीं रहा है.

ग्रामीणों ने बताया कि पहले राजमिस्त्री अकेले आया था. अब युवती से शादी करने के बाद अपने एक भाई को भी बुला लाया है. उस राजमिस्त्री का आचरण कैसा है, वह पहले से कहीं शादी-शुदा अथवा बांग्लादेशी तो नहीं है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है. ग्रामीणों का कहना है कि अनेक ऐसी घटनाएं सुनने को मिल रही है कि बाहरी व गैर आदिवासी कुछ लोग विशेष योजना के तहत आदिवासी युवती से शादी कर उसी गांव में बसकर आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं. सारंडा में भी अब ऐसा प्रयास किया जा रहा है.

ग्रामीणों के अनुसार जब उसने युवती से शादी कर ही ली है तो उसे बतौर अपनी पत्नी के रूप में अपने पैतृक गांव ले जाए, न कि ससुराल में घर जमाई बनकर रहे. यह मामला अंदर ही अंदर काफी तूल पकड़ता जा रहा है. यह घटना छोटानागरा थाना पुलिस, मनोहरपुर प्रखंड प्रमुख, सारंडा के विभिन्न गांवों के मानकी-मुंडाओं के संज्ञान में हैं. कहीं यह बड़ा व गंभीर मामला न बन जाये, जिससे प्रशासनिक व विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है.

रविवार को ग्रामसभा में होगा अंतिम फैसला

प्रखंड प्रमुख गुरुवारी देवगम.

इस संबंध में मनोहरपुर की प्रखंड प्रमुख सह बाईहातु गांव निवासी गुरुवारी देवगम ने बताया कि यह घटना सही है. बीते दिनों गांव में बैठक कर उस व्यक्ति को गांव छोड़ने का आदेश ग्रामीणों ने दिया था, लेकिन उसने गांव नहीं छोड़ा. अब अपने एक रिश्तेदार को भी ससुराल में लाकर रखा हुआ है. इस मामले को लेकर पुनः बाईहातु गांव में 25 अगस्त को ग्रामसभा की बैठक होगी. उसमें अंतिम फैसला ग्रामसभा लेगी.

श्रीकृष्ण व राधा बने बाल गोपाल :

जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शनिवार को घाटशिला के गोपालपुर स्थित किडजी प्री स्कूल में बच्चों ने जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया. सारे बच्चे राधा कृष्ण के वेशभूषा में स्कूल पहुंचे थे. छोटे-छोटे बाल गोपाल तथा राधा रानी देखने में काफी आकर्षक लग रहे थे.

सर्च के चौथे दिन भी नहीं मिला विमान का सुराग

दिल्ली से आई जीडीसीए की तीन सदस्यीय टीम ने की चांडिल डैम में विमान के लापता होने की जांच

- नेवी की टीम में पांच तकनीकी विशेषज्ञों के साथ 15 गोताखोर शामिल

संवाददाता । चांडिल

जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार को उड़ान भरने के बाद लापता हुए विमान पांचवें दिन भी नहीं मिला. लापता विमान की तलाश शनिवार को तीसरे दिन भी इंडियन नेवी की टीम ने चांडिल डैम में किया. नेवी की टीम आधुनिक मशीनों के माध्यम से भी लापता हुए विमान की तलाश कर रही है.

इंडियन नेवी की टीम द्वारा गुरुवार से शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन में अबतक टीम के हाथ खाली है. वहीं इसके पूर्व एनडीआरएफ, चांडिल डैम के दोनों समिति और स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा चलाये गए तलाशी अभियान के दौरान भी विमान का कोई सुराग नहीं मिल पाया था. कुल मिलाकर विमान लापता होने के पांचवें दिन भी विमान का कहीं कुछ पता नहीं चल सका है.

शनिवार को सुबह 7 बजे ही इंडियन नेवी की टीम चांडिल डैम में विमान की तलाश में घुसी. इंडियन नेवी की टीम में पांच तकनीकी विशेषज्ञों के साथ 15 गोताखोरों की टीम शामिल है. इंडियन नेवी की टीम लगातार तीसरे दिन भी डैम दम की गहराइयों में अल्केमिस्ट एविएशन के लापता विमान को खोजने का प्रयास किया गया. लेकिन नेवी की टीम को विमान का पता नही चल पाया. नेवी की टीम शनिवार को कोयलागढ़ के आसपास विमान की खोजबीन की लेकिन लापता विमान का किसी प्रकार का सुराग नहीं मिला.

नेवी की टीम सोनार की सहायता से लापता विमान को खोज रही है. साइड स्कैनर से पानी अंदर नेवी को पुरान मकान, चट्टान व शिव मंदिर दिखाई दिया.

दिल्ली से आए जीडीसीए की तीन सदस्यीय टीम नेवी चांडिल डैम में विमान के लापता होने की जांच की. तीन सदस्य टीम शनिवार की शाम चार बजे वोट में सवार होकर डैम के अंदर गए. स्थानीय युवक द्वारा बताए गए विमान गिरने की स्थान पर करीब एक घंटा तक मुआयना किया. इसके बाद पांच बजकर बीस मिनट पर सभी बाहर निकले. समिति ने भी आशंका जताई कि सर्च ऑपरेशन में दोनों पायलट के सब मिलने के बाद इसकी संभावना है कि विमान चांडिल डैम में ही गिरा है. भारत सरकार के डायरेक्टरेट जेनरल ऑफ सिविल एविएशन ने विमान के लापता होने के मामले मे जांच कर रही है.

बन्ना ने स्कूली बच्चों के बीच बांटी साइकिल

जमशेदपुर । स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने शनिवार को जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के 440 स्कूली बच्चों को उन्नति का पहिया योजना के तहत साईकिल प्रदान किया. इसके लिए मानगो गांधी मैदान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के अलावे उनके अभिभावक, शिक्षक व अन्य लोग मौजूद रहे. उपस्थित छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों को संबोधित करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लगातार युवा, महिला, छात्र को सीधे तौर पर लाभ देने का काम किया जा रहा है. साइकिल वितरण योजना भी उसी का हिस्सा है.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

सोराडाबर गांव के समीप काशिदा हुल्लूंग रोड पर हुआ हादसा

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला थाना क्षेत्र के बड़ाजुड़ी पंचायत अंतर्गत सोराडाबर गांव के समीप शनिवार को काशिदा हुल्लूंग रोड पर बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई. घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू पहुंची. श्रीमती मुर्मू ने ट्रैक्टर चालक और स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी ली. बताया जाता है कि बालू लदा ट्रैक्टर संख्या जेएच05एएफ 4427 बालू लेकर घाटशिला से हुल्लूंग की ओर जा रहा था. ट्रैक्टर के चालक ने बताया कि सोराडाबर के समीप अचानक रेडिएटर से ब्लास्ट की आवाज आयी. इससे घबराकर ट्रैक्टर मे बैठे मजदूर मार्शल टुडू कूद पड़ा. जिससे पीछे के चक्के ने उसे चपेट में ले लिया. इससे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई. मृतक मजदूर मुसाबनी प्रखंड अन्तर्गत कदमडीह गांव का निवासी था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल घाटशिला भेज दिया है. वहीं ट्रैक्टर को जब्त कर आगे की कार्रवाई मे जुट गई है.

आज से 27 तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान

जमशेदपुर । जिले में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत 25 अगस्त से हो रही है. जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है. इसके लिए जिले में 3066 बूथ चिन्हित किए हैं. जहां 3 लाख, 95, हजार 368 बच्चों को पोलियो डॉप पिलाई जाएगी. पहले दिन अधिकांश बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. अगर को कोई बच्चा इससे वंचित रह गया तो 26 एवं 27 अगस्त को स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चे को दवा की खुराक देंगे. अभियान को सफल बनाने एवं की गई तैयारियों की शनिवार को उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने समीक्षा की.

पोटका में घर में घुसकर दंपती पर कुदाल से हमला, पति की मौत

संवाददाता। जादूगोड़ा

पोटका में अपराधियों ने घर में घुस कर दंपती पर कुदाल से हमला कर दिया. इस हमले में पति नरेश सरदार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. हत्या के बाद अपराधी भागने में सफल रहे. घटना शुक्रवार रात की है. घटना की सूचना मिलने के बाद पोटका थाना प्रभारी धनंजय पासवान आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दी है. घटना के बारे में बताया जाता है कि पोटका थाना क्षेत्र की जामदा पंचायत के देवली गांव में अज्ञात अपराधियों ने घर में घुस कर पति नरेश सरदार व पत्नी विदेशी सरदार पर कुदाल से हमला कर कर दिया. इस हमले में पति नरेश सरदार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी विदेशी सरदार को गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद पोटका पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया है.

विवाद भुईंयाडीह क्षेत्र के 150 घरों को नोटिस भेजे जाने के मामले में राजनीति गरमाई

अर्जुन मुंडा ने की थी एनजीटी में शिकायत : डॉ. अजय

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के पूर्व सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार ने भुईंयाडीह से सटे इंद्रानगर व कल्याणनगर में अतिक्रमण हटाने के मामले में शुक्रवार को नया दावा किया. उन्होंने कहा कि भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने 30 अगस्त 2023 को अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की नई दिल्ली पीठ में शिकायत की थी. इसके बाद एनजीटी ने मामले को कोलकाता पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया. डॉ. अजय ने कहा कि भाजपा ने शुरू से ही जमशेदपुर के लोगों को ठगने का काम किया है. इसका ताजा उदाहरण बीजेपी नेता द्वारा भुईंयाडीह मामले में एनजीटी में शिकायत दर्ज कराना है. वहीं भाजपा विचारधारा से जुड़े सरयू राय ने भी पिछले पांच वर्षों में इन बस्तियों में नागरिक सुविधाओं को लेकर कोई कार्य नहीं किया. उल्टे इस मामले को छुपाया. कहा कि अब मामला उजागर होने के बाद क्रेडिट लेने की होड़ मची हुई है. उन्होंने विधायक सरयू राय से पांच सवाल पूछे. डॉ. अजय कुमार ने भाजपा एवं सरयू राय को एक ही सिक्के का दो पहलू बताया.

सफेद झूठ बोल रहे डॉ. अजय : सुबोध श्रीवास्तव

भाजमो जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने बयान जारी कर कहा कि डॉ. अजय कुमार सफेद झूठ बोल रहे हैं. उन्होंने कहा कि एनजीटी ने यह मुकदमा स्वतः संज्ञान लेकर शुरू किया है. ऐसे में किसी को शिकायतकर्ता बताना उनकी दिमागी उपज है. उन्होंने इससे जुड़े सबूत सार्वजनिक करने की मांग की. कहा कि इन्द्रा नगर-कल्याण नगर के लोगों का कौन हितैषी है यह वहां के बाशिंदे अच्छी तरह जानते हैं. सुनवाई में बस्ती से 50 लोग कोलकाता गए थे. वहां सभी ने विधायक सरयू राय द्वारा किए गए प्रयास को अपनी आंखों से देखा.

डर के सहारे चुनावी लाभ लेना चाह रहे : दिनेश

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने शनिवार को बयान जारी कर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय और पूर्व सांसद अजय कुमार पर आरोप लगाया कि ये लोग चुनाव नजदीक होने के कारण लोगों को डराकर अपना चुनावी लाभ लेना चाहते हैं. एनजीटी में अपनी भद्द पिटवाने के बाद जमशेदपुर पूर्वी के विधायक बिरसानगर के लोगों को डराने का चुनावी शिगूफा छोड़ रहे हैं. इसी तरह बस्तीवासियों को नोटिस भिजवाकर कांग्रेस-झामुमो गठबंधन की सरकार सहानुभूति दिखाकर चुनावी लाभ लेना चाहती है.

चंपाई सोरेन ने सरायकेला टाउन हॉल में की सभा, सस्पेंस रखा बरकरार

संवाददाता । आदित्यपुर

सरकार से बगावती तेवर के चौथे दिन पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शनिवार को सरायकेला पहुंचे. सरायकेला की जनता ने पूर्व मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया. सरायकेला टाउन हॉल में आयोजित सभा में यहां की जनता ने उन्हें अपना पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया. हालांकि चम्पई सोरेन ने अगले राजनीतिक कदम को लेकर चल रहा सस्पेंस बरकार रखा. पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने दिल का दर्द बयां करते हुए कहा कि जिस संगठन को अपने खून पसीने से सींचा उस पार्टी ने वो सम्मान नहीं दिया, इसलिए अब नया इतिहास लिखने निकला हूं. उन्होंने कहा कि हमने टाटा जैसी कंपनी से लोहा लिया. जादूगोड़ा माइंस को लेकर आदिवासी-मूलवासियों के हक की लड़ाई लड़ी. अलग झारखंड राज्य के लिए महीनों परिवार की चिंता छोड़ दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ जंगल-जंगल भटकता रहा. मेरे बच्चे कैसे बड़े हुए मैंने नहीं देखा. भरोसा दिलाता हूं कि कभी आपकी आवाज को दबने नहीं दूंगा. गरीब, आदिवासी, मूलवासी, किसान, विद्यार्थी, युवा सभी को उनका अधिकार दिलाऊंगा. पांच महीने के छोटे से कार्यकाल में मैंने जो काम किया वह आईने की तरह साफ है. यदि आपका प्यार इसी तरह मिलता रहा तो झारखंड को विकसित राज्य की श्रेणी में अग्रिम पंक्ति पर लाकर खड़ा कर दूंगा.

ब्रीफ खबरें

कन्वाई चालक संघ ने डॉ. अजय को बताया बयानवीर

जमशेदपुर । कन्वाई चालक संघ के महामंत्री बिनोद कुमार सिंह ने पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ अजय कुमार को बयानवीर नेता बताया. बीते दिनों उन्होंने कहा था कि झारखंड में सभी चालकों एवं मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी की बढ़ी हुई दर सरकार ने लागू कर दी है. बढ़ी हुई राशि का भुगतान करवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा, लेकिन इतने दिनों बाद भी उन्होंने कुछ नहीं किया. शहर में रहकर शहरवासियों के हितों को दरकिनार कर अपना हित सोचा. कन्वाई चालकों के आंदोलन से खुद को अलग कर लिया तथा टाटा मोटर्स ज्वाइन किया.

घायल कार्यकर्ता से मिले पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष

जमशेदपुर । युवा आक्रोश रैली के दौरान रांची में पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए बिरसानगर निवासी भाजपा कार्यकर्ता कृष्णकांत राय के आवास पर भाजपा नेताओं ने शनिवार को मुलाकात की और हालचाल जाना. इस दौरान पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि झामुमो सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पुलिसिया बर्बरता सड़क से लेकर कार्यक्रम स्थल तक देखने को मिली. बेरोजगार युवाओं के प्रदर्शन को कुचलने के लिए सरकार ने पुलिस को खुली छूट दे रखी थी.

ग्राहक पंचायत का महिला सम्मेलन 8 सितंबर को

जमशेदपुर । अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का महिला आयाम की बैठक में आगामी 8 सितंबर को होने वाले महिला सम्मेलन की रुपरेखा तैयार की गई. जिसमें तय किया गया कि अपने जीवन में संघर्ष कर सफल हुई महिलाओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा. इससे पहले बैठक में महिला सम्मेलन का बौद्धिक विषय, वक्ता तथा व्यवस्था की रूपरेखा तैयार की गई. संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति ने कहा कि भारत भूमि में बौद्धिक और सक्षम महिलाओं ने सदैव समाज को जागृत करने में सक्रिय भूमिका निभायी है. आज भी समाज और देश को उनसे ऐसी ही भागीदारी की अपेक्षा है.

अभिवंचित वर्ग के बच्चों से स्कूल मांग रहा पूरी फीस

जमशेदपुर । साकची स्थित मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में कक्षा नौंवी व दसवीं में पढ़ रहे अभिवंचित व कमजोर वर्ग (बीपीएल श्रेणी) के बच्चों से स्कूल प्रबंधन सामान्य बच्चों की तरह पूरी फीस मांग रहा है. फीस देने में असमर्थ अभिभावक शुक्रवार को स्कूल पहुंचे तथा प्रबंधन से वार्ता की. इस संबंध में अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि स्कूल प्रबंधन को गरीब अभिभावकों के बच्चों का भविष्य देखते हुए उचित निर्णय लेना चाहिए.

बहरागोड़ा के पूर्व थाना प्रभारी को दी गई विदाई

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 49 किनारे अवस्थित बैद्यनाथ प्लेस में शनिवार दोपहर स्वपन कुमार महतो की अध्यक्षता में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया. जिसमें बहरागोड़ा की पूर्व थाना प्रभारी विकास कुमार शर्मा को विदाई दी गई. इस अवसर पर समाज सेवी तथा बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने थाना प्रभारी को अंग वस्त्र तथा गुलदस्ता देकर विदाई दी. थाना प्रभारी ने कहा कि इस छोटे से कार्यकाल में मुझे बहरागोड़ा की जनता से अपार स्नेह मिला जिसे मैं कभी भूल नहीं सकता. इस मौके पर मिंटू पाल, दिलीप साव, तापस बेरा, ऋषि कुमार, जावेद, शशांक पाल, गौरी महतो, राजू पाल, कुणाल राउत, समेत अनेक लोग शामिल थे.

दिव्यांग जांच शिविर का आयोजन 27 अगस्त को

जमशेदपुर । खासमहल स्थित सदर अस्पताल में 25 अगस्त आयोजित होनेवाला दिव्यांगता जांच शिविर इस बार 27 अगस्त को लगेगा. 25 अगस्त को रविवार एवं 26 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का अवकाश होने के कारण शिविर 27 अगस्त को लगेगा. इस संबंध में एक आम सूचना सदर अस्पताल के बाहर चिपकाया गयाहै. ज्ञात हो कि प्रत्येक माह की 5 एवं 25 तारीख को दिव्यांगता जांच शिविर का आयोजन किया जाता है. जिसमें मेडिकल बोर्ड अलग-अलग श्रेणी के दिव्यागों की जांच करत ही. जांच रिपोर्ट के आधार पर ही प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं.

27 सितंबर से सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ, 3 अक्टूबर को शहर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

जमशेदपुर में रामलला थीम पर आयोजित होगा अग्रसेन जयंती समारोह

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन की बैठक साकची स्थित महालक्ष्मी मंदिर सभागार में संदीप मुरारका की अध्यक्षता में संपन्न हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि इस वर्ष अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन अयोध्या में विराजमान रामलला की थीम पर किया जाएगा. इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है.

उन्होंने बताया कि सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ 27 सितंबर को विभिन्न मंडलों में महिलाओं और बच्चों के लिए शाखा स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं से होगी. 27 सिंतबर को गोलमुरी, 28 को मानगो और 29 व 30 सिंतबर को जुगसलाई में प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी. जिसके संयोजक शंकर अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं दिलीप कांवटिया बनाए गए हैं.

इसी तरह मारवाड़ी युवा मंच की जमशेदपुर शाखा, स्टील सिटी शाखा और टाटा नगर अचीवर्स शाखा के सयुंक्त तत्वावधान में 30 सितंबर को सुबह 9 बजे मरीन ड्राइव पर ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. जिसके मुख्य संयोजक अश्विनी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल एवं अंशुल रिंगसिया होंगे. एक अक्टूबर को अग्रसेन भवन साकची में अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा.

पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन के महासचिव अभिषेक अग्रवाल गोल्डी ने बताया कि 2 अक्टूबर को धालभूम क्लब ग्राउंड, साकची में रेट्रो थीम पर आधारित रैम्प वॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. महिला नेत्री रजनी बंसल, अंजू चेतानी और ऊषा चौधरी ने बताया कि उसी दिन महिलाओं के लिए रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है.

उसी दिन धालभूम क्लब ग्राउंड में अग्रसेन मेला का आयोजन किया जा रहा है. जिसका समापन 3 अक्टूबर को होगा. अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश प्रवक्ता कमल किशोर अग्रवाल और लिपु शर्मा ने बतलाया कि 3 अक्टूबर को श्री रामलला-भगवान अग्रसेन शोभायात्रा निकाली जाएगी. जिसमें शामिल होने वाली झांकियों एवं सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा में शामिल होने वाले बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और जोड़ों को पुरस्कृत किया जाएगा.

नई बहुओं का होगा स्वागत

महिला पदाधिकारी अनु मित्तल, अंकिता लोधा और सीमा जवानपुरिया ने बताया कि 3 अक्टूबर को मुख्य समारोह में नई बहुओं का स्वागत किया जाएगा. जिन युवतियों का विवाह 1 नवंबर 2023 के बाद हुआ है, उन बहुओं को शगुन स्वरूप चांदी का सिक्का देकर सम्मानित किया जाएगा. साथ ही जो बुजुर्ग दंपति 60 के पार हैं, वे यदि किसी विशेष परिधान में आते हैं, तो उन्हें साठ में ठाठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. इस प्रतियोगिता के संयोजक बिमल मुरारका और गीता मुरारका होंगे. उपाध्यक्ष मनोज केजरीवाल एवं मोहित मूनका समाज की हर छोटी बड़ी संस्थाओं की सूची तैयार कर रहे हैं. प्रयास हो रहा है कि समाज के हर तबके, वर्ग व क्षेत्र के लोगों को अग्रसेन जयंती से जोड़ा जाए.

इन्द्रानगर-कल्याण नगर के 150 घरों को तोड़ने का मामला

सरयू राय ने किया जन आंदोलन का ऐलान

ट्वीट कर प्रशासन, सरकार व कांग्रेस नेता को घेरा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

विधायक सरयू राय.(फाइल फोटो)

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने इन्द्रानगर-कल्याण नगर के 150 घरों को तोड़ने के विरुद्ध जन आंदोलन की घोषणा की है. सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक के बाद एक लगातार तीन ट्वीट कर उन्होंने बस्तीवासियों को नोटिस जारी करने के मामले में जिला प्रशासन, सरकार के रवैया तथा इस मामले में राजनीति कर रहे नेताओं को कटघरे में खड़ा किया है. अपने पहले ट्वीट में विधायक ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से मनमाने तरीके से जेपीएलई (झारखंड पब्लिक लैंड एन्क्राचमेंट) का नोटिस देकर घरों को तोड़ने की साजिश के विरूद्ध जनांदोलन होगा.

उन्होंने कहा कि आज इन्द्रानगर-कल्याण नगर को नोटिस है तो कल बिरसानगर की बारी आएगी. कांग्रेस के चुनावी चेहरे पर अप्रत्यक्ष रुप से प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 'चोर को कहो चोरी करो और साहूकार को कहो जागते रहो' की दोहरी नीति पर चल रहे हैं. एक अन्य ट्वीट में विधायक सरयू राय ने लिखा, सरकार में भागीदार नेताओं को बताना होगा कि जब एनजीटी का कोई आदेश इन्द्रा नगर-कल्याण नगर के घरों को तोड़ने का नहीं है, तब जमशेदपुर प्रशासन ने बस्तीवासियों को घर तोड़ने का नोटिस क्यों दिया? प्रशासन से नोटिस दिलवाना और नोटिस के खिलाफ बस्ती में खड़ा होना दोहरा चरित्र है.

उधर, इसी संबंध में राय ने एक बयान जारी कर कहा कि एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) ने इन्द्रानगर-कल्याण नगर के बस्तीवासियों का घर टूटने के विरूद्ध बस्तीवासियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता संजय उपाध्याय द्वारा दायर हस्तक्षेप याचिका इस आधार पर सुनने से इंकार कर दिया कि बस्तीवासियों का घर तोड़ने के लिए जमशेदपुर के अंचलाधिकारी द्वारा दी गई नोटिस का एनजीटी के प्रासंगिक मुकदमा से कोई संबंध नहीं है. यानी यह नोटिस झारखंड सरकार ने अपने स्तर से दिया है.

रामकृष्ण फोर्जिंग के चीफ पीपुल ऑफिसर की होगी जांच

अवर सचिव के निर्देश पर संयुक्त श्रमायुक्त ने दिया आदेश

- आपराधिक छवि होने का लगा है आरोप
- सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुरेंद्र महतो ने की थी शिकायत

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित कंपनी रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड के चीफ पीपुल ऑफिसर शक्ति पदो सेनापति के विरुद्ध सरकार के अवर सचिव के निर्देश पर जांच और कार्रवाई का आदेश संयुक्त श्रमायुक्त ने सरायकेला उपायुक्त को दिया है. कंपनी के चीफ पीपुल ऑफिसर के विरुद्ध आपराधिक छवि होने आरोप लगाकर राज्य के मुख्यमंत्री सचिवालय से शिकायत की गई थी और उनकी नियुक्ति को चुनौती दी गई थी.

बता दें कि आरोपकर्ता आदित्यपुर निवासी सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार महतो हैं. उन्होंने राज्य की एक प्रतिष्ठित कंपनी प्रबंधन पर यह आरोप लगाया है कि चीफ पीपुल ऑफिसर सह कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट के पद पर नियुक्ति के पूर्व प्रबंधन ने उनके चरित्र की जांच नहीं करवाई है. न ही इस संबंध में उनसे कोई चरित्र प्रमाण पत्र लिया गया है. आरोपी ऑफिसर पर आरोपकर्ता ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री और श्रम नियोजन मंत्री से जांच की मांग की थी. इस पर अब जांच और कार्रवाई का आदेश दिया गया है.

बता दें कि आरोपी ऑफिसर ने 28 अप्रैल वर्ष 2022 को कांड्रा टोल प्लाजा पर ट्रैफिक पुलिस के साथ बदतमीजी करते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाया था. इस घटना का मीडिया कवरेज करने पहुंचे मीडियाकर्मियों के साथ भी बदसलूकी की थी. उनका कैमरा आदि छीन लिया था.

इस मामले में कांड्रा थाना में सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने की प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी. इस कांड में उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी, लेकिन तब भी आरोपी ऑफिसर पर कंपनी प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की और वे अब भी कंपनी में चीफ पीपुल ऑफिसर सह वीपी के पद पर कार्यरत हैं.

शंकोसाई श्याम नगर में पूजा करने गई महिला के घर में चोरी

चोरी की जानकारी मिलने पर जमा हुए लोग.

आदित्यपुर। उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर-1 के श्याम नगर में सब्जी विक्रेता महिला सचमानना देवी के घर में दिनदहाड़े सुबह 10:00 बजे चोरी हो गई. चोरों ने घर में बैग में रखा नकद 10 हजार रुपया तथा सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए. घटना के समय महिला दुर्गा मंदिर में पूजा करने गई थी. जब लौटकर आयी तो देखा बैग में रखा रुपया व गहना गायब है. महिला ने बताया कि उसके पति की 12 वर्ष पहले बिजली का करंट लगने से मौत हो गई थी. तब से वह डिमना रोड में मून सिटी के समीप सब्जी बेचकर बच्चों की परवरिश कर रही है. रोज की तरह वह घर का दरवाजा बगैर ताला लगाए बंद करके पूजा करने चली गई. आधे घंटे बाद जब आयी तो उस समय छोटी बेटी स्कूल से घर आ चुकी थी. राशन लाने के लिए पैसे निकालने जब बैग के पास गई तो देखा उसमें रखा नकद रुपया तथा जेवरात नहीं है. घटना की जानकारी उलीडीह पुलिस को दी गई. पुलिस ने आकर छानबीन की. महिला के पुत्र पंकज कुमार ने बताया कि मुहल्ले में कहीं भी सीसीटीवी नहीं लगा है. जिससे चोरों का कोई सुराग मिल सके. किसी स्थानीय व्यक्ति ने ही घटना को अंजाम दिया है.

सुरेश सोंथालिया बने कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव

सुरेश सोंथालिया का स्वागत करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक नागपुर में 21 और 22 अगस्त को हुई. बैठक में पूरे देश से सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए. इसमें देश भर के लगभग 8 करोड़ व्यावसायियों की समस्याओं पर चर्चा हुई और समाधान पर विचार-विमर्श किया गया. दो दिवसीय बैठक में संगठन का चुनाव कराया गया. इसमें राउरकेला के बृजमोहन अग्रवाल को चैयरमैन, नागपुर के बीसी भरतिया को अध्यक्ष एवं चांदनी चौक दिल्ली के सांसद प्रवीण खंडेलवाल को महासचिव चुना गया. झारखंड के व्यापारी नेता तथा सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष सुरेश सोंथालिया राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव के रूप में चुने गये. साथ ही कोल्हान के संगठन प्रभारी किशोर गोलछा को राष्ट्रीय कार्यसमिति में लिया गया. दोनों ने कैट के केंद्रीय नेतृत्व एवं कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया. वहीं नागपुर से सुरेश सोंथालिया के शहर लौटने पर जमशेदपुर में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने स्वागत किया. इसमें प्रमुख रूप से भरत वसानी, महेश सोंथालिया, दिलीप गोलच्छा, सांवरमल शर्मा, सुधीर सिंह,विनोद शर्मा, दिलीप गोयल, निलेश वोरा, राजेश अग्रवाल, अजय चेतानी, पीयूष चौधरी और सत्य नारायण अग्रवाल आदि शामिल थे.

रंभा कॉलेज में मानवाधिकार पर जागरुकता कार्यक्रम

कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान की छात्र-छात्राएं व अतिथि

जमशेदपुर । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली और रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को मानवाधिकार विषय पर जागरुकता कार्यक्रम और इंटरेक्शन सेशन का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आयोग की स्पेशल रेपोटियर सुचित्रा सिन्हा उपस्थित थीं. उनके साथ कोल्हान विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डॉक्टर प्रभात कुमार सिंह भी मौजूद रहे.

कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. सुचित्रा सिन्हा ने कहा कि मानवाधिकार को जानना और समझना आवश्यक है तभी हम स्वयं भी सुरक्षित रह सकते हैं और दूसरों की भी सुरक्षा कर सकते हैं. आसपास का वातावरण सुरक्षित तभी हो सकता है जब हम मानवाधिकार के प्रति जागरूक रहें और इसका उल्लंघन न होने दें. इस दौरान प्रश्न-उत्तर सेशन में स्पेशल रेपोटियर ने छात्रों के सवालों का जवाब दिया. इससे पहले महाविद्यालय के चेयरमैन रामबचन ने डॉ. सुचित्रा सिन्हा को एवं डॉ. प्रभात कुमार सिंह को असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भूपेश चंद ने पुष्प गुच्छ, उत्तरीय और प्रतीक चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया.

मांग

शिक्षक संघ कुलपति से मिला, शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर की वार्ता

कोल्हान विवि में 2022 से नियुक्त शिक्षकों की अब तक नहीं हुई वेतन वृद्धि

संवाददाता । घाटशिला

कुलपति से बात करते शिक्षक संघ के प्रतिनिधि.

कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का एक शिष्टमंडल शुक्रवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर शिक्षकों की लंबित समस्याओं के निराकरण को लेकर वार्ता की. शिष्टमंडल ने कुलपति से कहा कि वर्ष 2022 एवं उसके बाद नियुक्त शिक्षकों को वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए.

राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में इनके साथ नियुक्त शिक्षकों को यह लाभ दिया जा रहा, लेकिन कोल्हान विश्वविद्यालय में वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी गई है. यूजीसी विनियम एवं सांतवें वेतनमान के अनुसार योगदान के 6 महीने के अंदर वार्षिक वेतन वृद्धि देने का प्रावधान है. इस पर कुलपति ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर एचआरडी को पत्राचार कर सिंडिकेट में रखा जाएगा. शिक्षकों की लंबित पदोन्नति की संचिका एक साल से यूनिवर्सिटी से जेपीएससी को नहीं भेजा गया है. पदोन्नति से हानि सबसे ज्यादा 2008 बैच के शिक्षकों को हो रहा है. लगभग 12 वर्षों से पदोन्नति की प्रतीक्षा में शिक्षक विश्वविद्यालय में पदाधिकारी बनने से वंचित हैं.

इस विषय पर कुलसचिव ने कहा कि राजभवन से आदेश लेकर 10 दिनों के अंदर संचिका जेपीएससी को भेज दिया जाएगा. इस पर संघ के अध्यक्ष ने अल्टीमेटम दिया कि यदि 10 दिनों के अंदर संचिका जेपीएससी नहीं भेजी जाती है तो शिक्षक विश्वविद्यालय का घेराव करने को बाध्य होंगे. संघ के महासचिव ने कुलपति को बताया कि तीन वर्ष से ज्यादा समय से विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग द्वारा केंद्र व्यय, वीक्षकों एवं परीक्षकों का पारिश्रमिक, उत्तर पुस्तिका मूल्याकंन का पारिश्रमिक महाविद्यालय को नहीं भेज रहा है. साथ ही परीक्षा संबंधी दरों में 2014 एवं 2018 के बाद कोई भी बदलाव नहीं किया गया है. ऊपर से केंद्रीकृत मूल्यांकन व्यवस्था को हटा कर शिक्षकों को स्वयं विश्वविद्यालय जाकर उत्तरपुस्तिका लाने और पहुंचाने पड़ते हैं.

डीआरसी और विभिन्न कार्यों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से लंबे समय से टीए/डीए का भी भुगतान नहीं किया जा रहा है. इस पर कुलपति ने कहा कि सितंबर के प्रथम सप्ताह में सभी महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अर्थपाल तथा विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक के साथ बैठक कर परीक्षा संबंधी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा. महिला शिक्षकों एवं कर्मियों को यूजीसी रेगुलेशन 2018 एवं वित्त विभाग, झारखंड सरकार के प्रावधान के तहत शिशु देखभाल अवकाश लागू करने के लिए सिंडिकेट से अनुमोदन करवाकर एचआरडी भेजने का आश्वासन कुलपति ने दिया. संघ ने मांग की कि पीएचडी एंट्रेंस परीक्षा का परिणाम जल्द से जल्द जारी करें क्योंकि विलम्ब के कारण नीट उतीर्ण एवं मेधावी छात्र कोल्हान विश्वविद्यालय छोड़कर अन्य जगह चले जा रहे हैं. इससे विश्वविद्यालय की शोध गतिविधियों को भी हानि हो रही है.

इसपर कुलसचिव ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर पीएचडी परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाएगा. वार्ता बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई. विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुलपति हरि कुमार केसरी, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र भारती एवं वित्त पदाधिकारी डॉ. बिनय कुमार कुमार सिंह उपस्थित थे. जबकि टाकू शिष्टमंडल में अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार सिंह, महासचिव इंदल पासवान, क्षेत्रीय सचिव डॉ. विनय कुमार सिंह, सचिव डॉ अशोक कुमार रवानी एवं डॉ. शोभित रंजन शामिल थे. इसकी जानकारी इंदल पासवान महासचिव, कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने दी है.

न्यूज अपडेट

जलजमाव हटने से लोगों ने ली राहत की सांस

बहरागोड़ । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की पाटपुर पंचायत के मोहनपुर गांव की हरिजन बस्ती में विगत दिनों भारी बारिश के कारण गंभीर जलजमाव हो गया था. जिससे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. जल निकासी की व्यवस्था नहीं रहने के कारण बरसात का पानी बस्ती के घरों में घुस रहा था. जिससे मकानों के गिरने की आशंका उत्पन्न हो गई थी. बस्तीवासियों ने अपनी परेशानी पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी से साझा की. जिस पर पहल करते हुए कुणाल षड़ंगी ने विगत रात्रि में ही जलजमाव को दूर करने के लिए एक जेसीबी को मौके पर भेजा. जेसीबी ने खुदाई कर एक कच्चे नाले का निर्माण किया. इसके पश्चात जल निकासी की व्यवस्था की गई. बस्ती वासियों ने राहत की सांस ली और पूर्व विधायक का आभार प्रकट किया.

पाटबेड़ा के ग्रामीण जलजमाव से परेशान

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के पाटबेड़ा गांव के ग्रामीण जलजमाव से परेशान हैं. विगत कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण जलजमाव हो गया. जिससे लोगों की घरों में पानी भर गया है साथ ही घर से निकलने वाले सड़क जलमग्न हो गई है . ग्रामीणों का कहना है कि निकासी का व्यवस्था नहीं रहने के कारण बरसात का पानी बस्ती के घरों में घुस रहा है, जिससे मकानों के गिरने की आशंका उत्पन्न हो गई है. बस्तीवासियों ने कहा कि पूर्व में पानी निकासी के द्वार एनएच निर्माण के दौरान बंद करके दूसरे स्थान पर पुल निर्माण करने से पानी निकासी नहीं हो पा रही है. जिसके कारण लोगों को आवागमन करने से लेकर रहने तक का काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

एनआईटी जमशेदपुर में मना अंतरिक्ष दिवस

आदित्यपुर । एनआईटी जमशेदपुर में शनिवार को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम को मनाने के लिए संस्थान के लगभग 700 यूजी और पीजी छात्र एवं छात्राएं एकत्र हुए. इस अवसर पर एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार ने चंद्रयान-3 की सफलता में अपने पूर्व छात्रों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अंतरिक्ष क्षेत्र में अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया. इसके बाद आईआईआईटी भोपाल के निदेशक आशुतोष कुमार सिंह ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भर भारत के महत्व के बारे में चर्चा की. मुख्य वक्ता अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो अहमदाबाद के डॉ. दीपक मिश्रा ने पिछले 55 वर्षों में इसरो के मिशनों पर विस्तार से प्रकाश डाला.

गुड़ाबांदा के नये थाना प्रभारी का किया स्वागत

बहरागोड़ा । गुड़ाबांदा प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जिला मंत्री गौर चन्द्र पात्र ने शनिवार को नये पदस्थापित थाना प्रभारी सन्नी टोप्पो का स्वागत बुके और अंगवस्त्र देकर किया. उन्होंने थाना क्षेत्र की जनसमस्या को लेकर विचार विमर्श किया. थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र की जनता के साथ समन्वय स्थापित कर जनसमस्याओं की समाधान करेंगे. ग्रामीण और पुलिस के रिश्ते को सहज व सरल बना कर एक बेहतर वातावरण बनायेंगे, साथ ही थाना क्षेत्र मे शांति स्थापित करने का काम करेंगे. पूर्व थाना प्रभारी पवन कुमार को भी अंगवस्त्र देकर विदाई दी गई. इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख शुभजीत मुंडा, उप प्रमुख रतन लाल राउत, भाजपा किसान मोर्चा जिला मंत्री सुमंत श्यामल, मंडल मंत्री दयाल मंडल आदि उपस्थित थे.

शोक संतप्त परिवार से मिले विधायक रामदास

घाटशिला ।झारखंड मुक्ति मोर्चा के दामपाड़ा क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष भरत मुर्मू की माता फुलमनी मुर्मू की निधन की सूचना पर शनिवार को विधायक रामदास सोरेन भरत मुर्मू के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया. ज्ञात हो कि भारत मुर्मू की मां का गुरुवार की रात आकस्मिक निधन हो गया. फुलमनी मुर्मू अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है. उनके पुत्र लखीराम मुर्मू, चांदराय मुर्मू, रुपाई मुर्मू तथा भरत मुर्मू हैं. विधायक रामदास सोरेन व्यस्तता के कारण अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके. मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य कान्हु सामंत, जिला कोषाध्यक्ष कालीपद गोराई, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भगत, श्रमिक संघ अध्यक्ष काजल डांन, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष अम्पा हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष सुखलाल हांसदा, प्रखंड युवा मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश टुडु, शम्भू जेना आदि उपस्थित थे.

जोड़ीसा पंचायत का भाजपा नेत्री ने किया दौरा

घाटशिला। भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने शनिवार को गालुडीह के जोड़ीसा पंचायत का दौरा किया तथा ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल जाना. इस दौरान सिदाडांगा गांव में ग्रामीणों ने गीता मुर्मू को बताया कि उनके गांव में एक ही चापानल है उसी से सभी ग्रामीण पानी लेते हैं. चापानल का सिर्स हैंडल खराब होने के कारण सही से पानी नहीं निकाल रहा है. गीता मुर्मू से गांव वालों ने आग्रह किया कि चापानल को ठीक कर दिया जाय. गीता मुर्मू ने चापानल बनवाने का ग्रामीणों को आश्वासन दिया है. उन्होंने कहा कि विभागीय या निजी स्तर से किसी भी तरह मरम्मत कराएंगी. इस मौके पर मुख्य रूप से सुनीता मुर्मू, काकुली, हीरामोनि सोरेन, सीता सोरेन, अमृता सहाय, रंजीत सोरेन, रतन महतो तथा अन्य ग्रामीण उपस्थित थे.

एनसीसी कैडेटों ने निकाली जागरुकता रैली

घाटशिला । राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान जिला समेत पूरे देश में 25 से 27 अगस्त तक चलाया जाएगा. 25 अगस्त को प्रत्येक गांव, चौक- चौराहे पर बूथ लगाकर शून्य से 5 वर्षों तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा दो बूंद दी जाएगी. इसमें छूटे बच्चों को पोलियो रोधी ड्राप 26 एवं 27 अगस्त को घर-घर जाकर दी जाएगी. इस राष्ट्रीय अभियान को लेकर घाटशिला कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने शनिवार को जागरुकता रैली निकाली. उक्त रैली को कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. कॉलेज परिसर से निकलकर यह रैली पावड़ा होते हुए फूलडूंगरी चौक तक गई. इस दौरान एनसीसी कैडेटों ने आम लोगों को 5 वर्षों से कम उम्र वाले बच्चों को पोलियो रोधी दो बूंद ड्रॉप पिलाने हेतु जागरूक किया.

भाजपा ने सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंका

चक्रधरपुर । जन युवा आक्रोश रैली में भाजपाइयों के ऊपर रांची में हेमंत सरकार द्वारा लाठी चार्ज करने के विरोध में भाजपा नगर व प्रखंड कमेटी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक शशिभूषण सामड के नेतृत्व में चक्रधरपुर शहर के पवन चौक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया. इस दौरान पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने कहा कि झूठे वादे कर हेमंत सरकार राज्य में काबिज हुई. सत्ता में आने के लिए बड़े-बड़े वादे किए. युवाओं को प्रलोभन दिया. बेरोजगारी भत्ता देने का वादा तक किया. लेकिन सत्ता में आने के बाद हेमंत सरकार वादा भूल गई. फिर एक बार जनता से झूठा वादा कर चुनाव लड़ना चाहती है. मौके पर मालती गिलुवा, विजय मेलगांडी, ललित मोहन गिलुवा, सुरेश साव, मंडल अध्यक्ष दुर्योधन प्रधान, अनूप दुबे, केशव सिंह, प्रवींदर चौहान, अभय साव, नगर अध्यक्ष विनोद शर्मा, विनोद महतो, विमल प्रसाद, गौतम रवानी, शिवलाल रवानी, अजीत बर्मा, रोहित शाह, दीपक सिंह मौजूद थे.

मुआवजा भुगतान के लिए 5, 6, 9 को लगेगा शिविर

चांडिल । नीमडीह प्रखंड के आदरडीह एनएच 32 से सिरुम, कुकड़ू, तिरुलडीह होते हुए मिलन चौक तक पथ का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य के लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया था. अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान में तेजी लाने के लिए कुकड़ू अंचल परिसर में शिविर का आयोजन किया गया है. पांच, छह और नौ सितंबर को आयोजित होने वाली शिविर में रैयतों का मुआवजा भुगतान से संबंधित मामलों का निपटारा किया जाएगा. शिविर में चुनचुडिया, पारगामा, कुदा, काडका, सिंदूरपुर, हाईतिरुल, शीशी, बडा लापांग, सिरकाडीह, कुकडु एवं डाटम मौजा के रैयतों के मामलों का निपटारा किया जाएगा. शिविर के लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय से लिपिक रोहित कुमार मोदी, अमीन हेमंत कुमार व कम्प्यूटर ऑपरेटर राजा नायक को प्रतिनियुक्त किया गया है.

इसके साथ ही अंचल अधिकारी कुकड़ू को अंचल निरीक्षक व संबंधित राजस्व कर्मचारी को मुआवजा भुगतान की तिथि को प्रतिनियुक्त करने के लिए निर्देश दिया गया है. बकाया मुआवजा भुगतान के लिए जिप उपाध्यक्ष मधुश्री महतो कई बार पत्राचार कर चुकी हैं.

सड़क पर बने बड़े गड्ढे दुर्घटना को कर रहे आमंत्रित, वाहन चालक और राहगीर परेशान, स्थानीय लोग कर रहे मरम्मत की मांग

चौका ओवर ब्रिज से पानी संग बह रहा फ्लाई ऐश

- फ्लाई ऐश निकलता रहा तो सड़क हो जाएगी खोखली
- सड़क को मिट्टी के बजाए फ्लाई ऐश से भरा गया है

संवाददाता । चांडिल

चौका चौक पर सड़क पर फ्लाई ऐश की जमी परत, जिससे यहां के स्थानीय दुकानदार रहते हैं परेशान.

टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 को फोरलेन करने के दौरान चौका में ओवरब्रिज का निर्माण कराया गया है. ओवर ब्रिज बनाने के दौरान ब्रिज के दोनों ओर सड़क को मिट्टी के बजाय फ्लाई ऐश से भरा गया था. अब बरसात होने पर सड़क पर डाला गया फ्लाई ऐश पानी के साथ बहकर बाहर निकल रहा है. दो दिनों तक हुई बारिश के बाद चौका मोड़ पर ओवर ब्रिज के नीचे सड़क पर फ्लाई ऐश की एक मोटी परत जम गई है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार अगर फ्लाई ऐश निकलता रहा तो सड़क अंदर से खोखली हो जाएगी और ध्वस्त भी हो सकती है. ओवरब्रिज के नीचे दर्जनों दुकानें लगती है. यहां हर वक्त लोगों की भीड़ लगी रहती है. स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि अगर एनएचएआई और स्थानीय प्रशासन सड़क से बहकर निकलते फ्लाई ऐश के मामले में तत्काल संज्ञान नहीं लिया तो आने वाले समय में किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी.

सड़क पर बने गड्ढों से वाहन चालकों को हो रही परेशानी

वहीं बरसात के मौसम में ओवरब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं. बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने के कारण वाहन चालकों को इसका अंदाजा नहीं हो पाता है, जिसके कारण आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं.

अब तक आधा दर्जन से अधिक वाहन इन गड्ढों में फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं. इस सड़क पर रोजाना बड़ी संख्या में चार पहिया से लेकर दो पहिया व मालवाहक वाहनों की आवाजाही होती है. ओवरब्रिज के नीचे चाईबासा, सरायकेला, आदित्युपर आदि स्थानों से आने वाली सड़क भी मिलती है. सड़क पर वाहनों की संख्या अधिक रहने के कारण यह व्यस्ततम सड़कों में से एक है. इस बदहाल सड़क से गुजरने वाले हर आम से लेकर खास तक को परेशानी हो रही है.

सड़क पर बने गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए अब तक किसी ने भी पहल नहीं की है. बीते वर्ष भी सड़क पर तालाबनुमा गड्ढा बन गया था. इस कारण कई दुर्घटनाएं हुईं थीं.

सड़क मरम्मत नहीं तो होगा आंदोलन

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बदहाल सड़क पर प्रदर्शन करते ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के सदस्य.

चांडिल। चांडिल गोलचक्कर स्थित शिव मंदिर के सामने एनएच 32 पर बने तालाबनुमा गड्ढा को लेकर अब आंदोलन की सुगबुगाहट शुरू हो गई है . बदहाल सड़क पर आए दिन हो रही दुर्घटना से लोग आक्रोशित होने लगे हैं. उक्त स्थान पर सड़क खतरनाक साबित हो रहा है. बरसात के समय सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन करने वालों को गड्ढे का अंदाजा नहीं होता है और वे दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं.

सड़क की समस्या को देखते हुए शनिवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के बैनर तले जिला सचिव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया. पत्र में बदहाल सड़क की मरम्मत के लिए अविलंब कार्रवाई करने की मांग की गई है.

वहीं, सड़क की दुर्दशा में अगर अविलंब सुधार नहीं किया जाता है तो जबरदस्त जन समर्थन के साथ आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है. मांग पत्र सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में आशुदेव महतो, धीरेंद्र गोड, भुजंग माछुआ, उदय तंतुबाई, राजू महतो आदि शामिल थे. मांग पत्र सौंपने के पूर्व ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के सदस्यों ने बादल सड़क पर जाकर प्रदर्शन किया. इस दौरान संगठन के सदस्यों ने जिम्मेदारों के खिलाफ नारे लगाए और स्थानीय प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों को इस पर संज्ञान लेते हुए काम करने की मांग किया. संगठन के जिला सचिव का कहना था की उक्त सड़क लोगों की सुविधाओं के लिए है या लोगों को जोखिम में डालने के लिए. इस दौरान राहगीरों से सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करने और बदहाल सड़कों पर सावधानी पूर्वक चलने की अपील किया गया.

घंटा बजाओ सरकार जगाओ अभियान में चिड़िया, अंकुआ, सलाई, दोदारी, नुईया के उमड़े ग्रामीण

लोग पलायन का दंश झेल रहे : गीता

- बंद खदानें खोलवाने और अधिकार देने की मांग

संवाददाता । किरीबुरु

पदयात्रा के दौरान गांव में ग्रामीणों को संबोधित करतीं पूर्व सांसद गीता कोड़ा.

बंद खदानों को खोलवाने के लिए पदयात्रा में गीता कोड़ा के साथ शामिल ग्रामीण.

पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने शनिवार को भी सारंडा व कोल्हान वन प्रमंडल की सभी बंद पड़ी खदानों को खोलने, वनाधिकार पट्टा से वंचित लोगों को वनाधिकार पट्टा सरकार से देने की मांग को लेकर पदयात्रा है. कार्यक्रम के तहत नक्सल प्रभावित सारंडा के चिड़िया, अंकुआ, सलाई, दोदारी, रोवाम, गंगदा, नुईया आदि क्षेत्रों का तूफानी दौरा किया. दौरा के क्रम में ग्रामीणों की भारी भीड़ पदयात्रा में शामिल हुई. दौरे के क्रम में गीता कोड़ा ने रोवाम में ग्रामीणों साथ भोजन भी किया.

उन्होंने कहा कि सारंडा में खनिज का अकूत भंडार होने के बावजूद यहां के लोग बेरोजगारी व पलायन का दंश झेलने को मजबूर हैं. वर्तमान सरकार ने सारंडा की प्रायः खदानों को एक साजिश के तहत वर्षों से बंद रखी है, ताकि ग्रामीण व बेरोजगार आगे नहीं बढ़ सकें. ग्रामीणों को अपने परिवार का पालन-पोषण करना काफी मुश्किल हो गया है. आए दिन विभिन्न रेलवे स्टेशनों से पलायन करने वाले बेरोजगारों की भीड़ दिखाई देती है. लगभग पांच साल से झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की हेमंत सरकार राज्य में बनी है, तब से हेमंत सरकार लाखों पदों पर नियुक्ति निकाल कर नौकरी देने की बात कही है. लेकिन अब तक एक प्रतिशत लोगों को नौकरी नहीं मिली है और न ही बेरोजगारी भत्ता दिया गया है. झामुमो ने 2019 के विधानसभा चुनावी घोषणा पत्र में कहा था अगर हम नौकरी नहीं देंगे तो बेरोजगारों को 5000 एवं 7000 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे, लेकिन पांच साल पूरे होने वाले हैं फिर भी ना तो नौकरी मिली ना ही भत्ता. खदान खोलो अभियान यात्रा के अंतिम दिन 28 अगस्त को बड़ाजामदा में रैली एवं विशाल आमसभा का आयोजन किया जायेगा.

मुश्किल से रोजमर्रा की जरूरतों को करते हैं पूरा

गीता कोड़ा ने कहा कि सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र के जंगलों में आदिवासी एवं अन्य समुदाय सदियों से निवास करते आ रहे हैं. इनकी संख्या लाखों में है. इन क्षेत्रों के निवासी वनोत्पाद खाकर या बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं. इन पैसों से वे रोजमर्रा की जरूरत की चीजों को बहुत मुश्किल से पूरा करते हैं. इनलोगों का जीविकोपार्जन का मुख्य आधार वन है. इनकी वन भूमि ही इनका पहचान का मूल आधार है. गरीब आदिवासी जंगल और जमीन पर अपने अधिकार के लिए सदियों से लड़ाई लड़ते आ रहे हैं. केन्द्र सरकार द्वारा वनक्षेत्रों में रह रहे आदिवासी एवं अन्य गरीब लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत वनपट्टा देने के लिए कानून बनाया.

वनपट्टा आवेदन पर नहीं किया गया विचार

वर्ष 2023 में हेमंत की सरकार ने वनक्षेत्रों के निवासियों से ग्रामसभा कर वनपट्टा दावे का आवेदन जिला के प्रखंड, अंचल कार्यालय में मांगा गया था. वनक्षेत्रों में रह रहे गरीब लोग बहुत उम्मीद के साथ व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनपट्टा लेने के लिए हजारों की संख्या में आवेदन हेमंत सरकार के पास किये हैं, परन्तु आज तक उनके आवेदन पर कोई विचार नहीं किया गया. वनपट्टा हेतु तीन सितंबर को नोवामुंडी, चार सितंबर को मनोहरपुर, पांच सितंबर को जगन्नाथपुर, छह सितंबर को गोईलकेरा एवं सात सितंबर को टोन्टो प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा. इसमें सारंडा एवं कोल्हान वन क्षेत्र के गांवों से हजारों की संख्या में ग्रामीण शामिल होकर सरकार की घंटी बजायें.

न्यूज अपडेट

महिला सदस्य रिंकी ने रक्त देकर मरीज की बचाई जान

किरीबुरु । रक्त सेवा सदस्य ग्रुप की महिला सदस्य रिंकी सिंह ने सेल किरीबुरु अस्पताल में एक मरीज की जान बचाने के लिए रक्तदान किया. रिंकी सिंह के पति चन्द्रकांत सिंह सेलकर्मी हैं. रिंकी सिंह के इस कार्य की प्रशंसा उक्त ग्रुप के संस्थापक सह समाजसेवी संतोष पंडा समेत अन्य सदस्यों ने की. रिंकी सिंह उक्त ग्रुप की पहली महिला सदस्य बनी जिसने रक्तदान किया है. इनसे प्रेरणा लेकर अन्य महिलाएं भी रक्तदान करने हेतु आगे आयेंगी. समाजसेवी संतोष पंडा ने रक्त की समस्या से जूझ रहे मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने के लिए ग्रुप बनाया है.

भगवान श्री कृष्ण व राधा की वेशभूषा में स्कूल पहुंचे बच्चे

किरीबुरु । झारखंड व लौहांचल के विभिन्न किड्स स्कूलों में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन हर्षोउल्लास के साथ किया जा रहा है. इस अवसर पर मासूम बच्चे भगवान श्री कृष्ण और राधा की वेशभूषा में सज धजकर माथे पर मोर का पंख व हाथों में बांसुरी पकड़ स्कूल पहुंचे. बच्चों ने स्कूलों में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर की पूजा अर्चना कर जन्मोत्सव की कथा सुनाई. राधा और श्री कृष्ण बने बाल गोपालों ने अपनी हरकतों व अठखेलियां से सबका मन मोह लिया. नृत्य के माध्यम से श्री कृष्ण जन्माष्टमी की सुंदर झांकी भी बच्चों ने प्रस्तुत की.

वर्षा में केवी मेघाहातुबुरु के सैकड़ों बच्चे भीग कर घर गये

किरीबुरु । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में दोपहर लगभग दो बजे के बाद जारी भारी वर्षा की वजह से केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु के सैकड़ों छात्र-छात्रायें व अभिभावक भीगकर घर जाने को विवश हुये. इस दौरान उनके बैग में रखे किताब-कॉपी आदि भी भीग गये. कुछ बच्चे तो छाता रहने के बावजूद वर्षा में मस्ती करते नजर आये. ऐसा करने से मना करने पर बच्चों ने कहा कि कल रविवार को छुट्टी है, कोई दिक्कत नहीं होगी. उल्लेखनीय है कि जिस समय वर्षा शुरू हुई उसी समय विद्यालय से बच्चों की छुट्टी हुई थी. इसके बाद घर जाने की होड़ में बच्चे भीगते रहे.

सोनुआ का बालेसिंगी को-ऑपरेटिव सोसायटी सम्मानित

चक्रधरपुर । सोनुआ के बालेसिंगी को-ऑपरेटिव सोसायटी को उत्कृष्ट कार्य के लिये सहकारिता विभाग द्वारा सम्मानित किया गया है. जमशेदपुर के रवींद्र भवन में आयोजित प्रमंडलीय सहकारिता महासम्मेलन में कृषि और सहकारिता मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने सोसायटी के सचिव देवंती लोहार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. बालेसिंगी बहुद्देशीय स्वावलंबी सहकारी समिति पश्चिमी सिंहभूम जिला की जिलास्तरीय समिति है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में 800 से अधिक लोगों के स्वरोजगार के लिये पिछले तीन वर्षों से काम कर रही है. को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा जमशेदपुर के रवींद्र भवन में आयोजित सहकारिता महासम्मेलन में कई प्रकार के उत्पाद की भी प्रदर्शनी लगाई गई थी.

ब्रीफ खबरें

बालेसिंगी को-ऑपरेटिव सोसायटी को किया गया सम्मानित

चक्रधरपुर । सोनुआ के बालेसिंगी को-ऑपरेटिव सोसायटी को उत्कृष्ट कार्य के लिये सहकारिता विभाग द्वारा सम्मानित किया गया है. जमशेदपुर के रवींद्र भवन में आयोजित कोल्हान प्रमंडलीय सहकारिता महासम्मेलन में कृषि और सहकारिता मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने सोसायटी के सचिव देवंती लोहार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. बालेसिंगी बहुद्देशीय स्वावलंबी सहकारी समिति पश्चिमी सिंहभूम जिला की जिलास्तरीय समिति है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में 800 से अधिक लोगों के स्वरोजगार के लिये पिछले तीन वर्षों से काम कर रही है. को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा कोल्हान प्रमंडलीय सहकारिता महा सम्मेलन में कई प्रकार के उत्पाद की भी प्रदर्शनी लगाई गई थी.

बड़ाजामदा में भाजपाइयों ने सीएम का किया पुतला दहन

किरीबुरु । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने शनिवार की शाम बड़ाजामदा रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य सड़क पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया. यह पुतला दहन कार्यक्रम भाजपा द्वारा 23 अगस्त को रांची में आयोजित आक्रोश रैली में भाग लेने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हेमंत सोरेन के आदेश पर पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में रोके जाने के विरोध में किया गया. इस कार्यक्रम में एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष शंभू हाजरा, अजीत सिंह, सारंडा मंडल अध्यक्ष मधुसुदन तुबिद, संजीव राय, सुकेश सिंह, प्रफुल्लो महाकुड़, नसीब खान, बेनुधर बारिक, मोना प्रसाद, विश्वजीत ओझा, शान बाबू, आकाश खण्डाईत, बिट्टू सामन्ता, अजीत ठाकुर, पप्पू त्रिपुरारी, बसंत गुप्ता, हंसु अग्रवाल, रुपा खान आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे.

सिदो-कान्हो युवा खेल क्लब होगा गठित : रूपा

- प्रत्येक कल्ब को 25,000 रुपए मिलेगा अनुदान

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की ने कहा कि सिदो-कान्हो युवा खेल क्लब का गठन किया जा रहा है. क्लब का गठन झारखंड खेल नीति-2022 के तहत राज्य में खेल संस्कृति को विकसित करने, ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को सामजिक, संस्कृति, साहित्य, कला खेल में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के लिए किया जा रहा है. यह ग्राम, प्रखंड एवं जिला स्तर पर कार्य करेगी. उन्होंने बताया कि सभी सिदो-कान्हो युवा खेल क्लब का रजिस्ट्रेशन 1860 सोसाइटी एक्ट के रूप में कराया जाएगा. निबंधन होने के बाद ग्राम स्तर पर प्रत्येक कल्ब को 25,000 रुपए अनुदान दिया जायेगा. निबंधन हेतु सदस्यों का आधार कार्ड, फोटो एवं फोन नंबर आवश्यक है. सभी प्रखंड कार्यालय में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत निबंधन किया जा रहा है.

निबंधन हेतु आवश्यक कागजात की सूची

- अध्यक्ष/सचिव के द्वारा शपथ पत्र (जिसमें 55 रूपये का अधेसिव स्टांप लगेगा.
- कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों का मास्क आधार
- अध्यक्ष/सचिव द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (जिसमें 20 रूपये का अधेसिव स्टांप लगेगा)
- कार्यालय का फोटो (अध्यक्ष/सचिव का आवास)
- कार्यालय के स्थायी पता हेतु अध्यक्ष/सचिव का बैंक पासबुक, बिजली बिल, राशन कार्ड की छायाप्रति
- कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों का 3(तीन) सेट फोटो

गुवा थाना के सामने भाजपा ने सीएम का पुतला फूंका

किरीबुरु । पूर्व सांसद गीता कोड़ा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार की देर शाम गुवा थाना के सामने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को झारखंड की जनता से इतना भय व्याप्त हो गया है कि 23 अगस्त को रांची में आयोजित आक्रोश रैली में शामिल होने जा रहे मेरे अलावे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व लाखों कार्यकर्ताओं को जगह-जगह पुलिस के माध्यम से रोकने, कंटीले बाड़ लगाकर रास्ता रोकने, कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज, आंसू गैश, वाटर कैनन छोड़ने आदि कार्य किया गया. मुख्यमंत्री चुनाव पूर्व किये गये वादे पूरा कर नहीं पाये हैं, जिससे वह झारखंड की जनता से घबराकर हिंसा पर उतारु हो गये हैं. आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ आंदोलन और तेज होगा.

सेक्रेड हार्ट इंग्लिश स्कूल में मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

सेक्रेड हार्ट इंग्लिश स्कूल राधा कृष्ण के वेशभूषा में शामिल बच्चे.

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर सेक्रेड हार्ट इंग्लिश स्कूल में जन्माष्टमी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थी भगवान कृष्ण व राधा की वेशभूषा में शामिल हुए. इस दौरान बच्चों ने राधा कृष्ण लीला पर आधारित नृत्य भी पेश किए. मौके पर स्कूल की प्राचार्य अंजलिना फर्नांडो ने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी एक हिंदू त्योहार है, जो विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न है. यह हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है.

यह त्योहार भाद्रपद महीने के अंधेरे पखवाड़े के आठवें दिन मनाया जाता है, जो अगस्त या सितंबर में पड़ता है. इनका अवतार धर्म की रक्षा के लिए हुआ था. इस अवसर शिक्षिका शिवानी, अनिता, सोनाली, रोसमेरी, क्रिस्टीना, शिक्षक में सत्यजीत प्रधान, राकेश, शोएब मौजूद थे.

बैठक — सेलकर्मियों व ठेका मजदूरों की विभिन्न मांगों पर सशक्त संयुक्त मोर्चा व खदान प्रबंधन में हुई वार्ता

ठेका श्रमिकों का पीएफ काटें और रिफंडेबल लोन उपलब्ध कराने की मांग की गई

- इंटरनल परीक्षा से रिक्त पदों को भरा जाए

संवाददाता । किरीबुरु

बैठक में शामिल सेल के अधिकारियों से मांगों को पूरा करने के लिए वार्ता करते मोर्चा के पदाधिकारी.

सेल की गुवा ओर माइंस में उत्पादन बढ़ाने एवं सेलकर्मियों तथा ठेका मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार को सशक्त संयुक्त मोर्चा एवं गुवा प्रबंधन के बीच सीजीएम कार्यालय में बैठक हुई. बैठक में गुवा के सीजीएम कमल भास्कर, उप महाप्रबंधक धीरेन्द्र मिश्रा, एन झा के अलावे सशक्त संयुक्त मोर्चा के टी घोष, राजू शर्मा (इंटक), बी लाल, एस पाठक (बीएमएस), एलबी गोस्वामी, अमर झा (एचएमएस), हेमराज सोनार, मोहन महतो (जेएमएस) शामिल शामिल थे. सशक्त संयुक्त मोर्चा ने सीजीएम के सामने अपनी मांगों को रखते हुये कहा कि सेलकर्मियों के साथ संविदा कर्मी, सप्लाई मजदूर भी उत्पादन में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं. सभी कंधे से कंधा मिला कर रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं. ऐसे श्रमिकों को पीएफ, रिफंडेबल लोन उपलब्ध कराने के अलावे उनके आवास आवंटन में भेदभाव नहीं करना, आवास की नियमित मरम्मत से जुड़ी समस्या का समाधान करने की बात कही गई है. स्थाई कर्मियों को डाउन्यैड प्रमोशन का लाभ सभी विभागों के कर्मियों को मिलना चाहिए तथा ऑर्डर के अनुसार नॉन-वर्क्स एरिया तथा वर्क्स एरिया के सभी विभागों के लिए लागू किया जाए. आवास आवंटन कमिटी की बैठक महीने में नियमित होने की व्यवस्था होनी चाहिए. आवास की उपलब्धता के लिए मात्र खाली आवासों के लिए ही आवेदन स्वीकार किया जाए. बोकारो में लौंग टर्म लीज बेसिस पर माइंस के श्रमिकों को आवास आवंटन करने हेतु सकारात्मक पहल करने की बात बैठक में कही गई थी. इस पर किसी भी तरह की पहल नहीं की गई है. बेहतर शिक्षा हेतु गुआ में प्लस-टू स्तर के कोचिंग संस्था खोला जाये. सेल की गुआ एवं किरीबुरु अस्पताल में ब्लड बैंक की मशीन खराब पड़ी हुई हैं इस कारण खून का स्टोरेज नहीं हो पा रहा है, जिसे ठीक कराया जाये. खदान में एस-6 से एस-8 के पदों पर इन्टर्नल साक्षात्कार के माध्यम से रिक्त पदों पर भर्ती करें एवं जूनियर ऑफिसर की परीक्षा में आवेदन हेतु शैक्षणिक योग्यता एवं लंबी सेवा कार्य को आधार बनाएं तथा योग्य कर्मियों को परीक्षा की पात्रता दी जाए.

346 बच्चों ने दी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

चक्रधरपुर । गायत्री परिवार के तत्वाधान में शनिवार को सोनुवा के पांच विद्यालयों में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा हुई. इस परीक्षा में कुल 346 विद्यार्थी शामिल हुए. यह परीक्षा राज्य संपोषित उच्च विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, दीनदयाल शिशु विद्या मंदिर निश्चिंतपुर, सीतानाथ महतो पब्लिक स्कूल व सनसाईन पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई. भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के सोनुवा प्रखंड समन्वयक गणेश चंद्र बोदरा ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संस्कृति के प्रति जागरूक करते हुए युग निर्माण करना है. परीक्षा में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा. उत्कृष्ट अंक लाने वाले बच्चे अनुमंडल, जिला व राज्य स्तर पर सम्मानित होंगे.

एसएसवीएम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

श्रीकृष्ण के गीता के उपदेशक को विश्व मान रहा है : डॉ ताराकांत

संवाददाता। हजारीबाग

कोर्रा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीराधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ ताराकांत शुक्ल, अध्यक्ष डॉ बृज कुमार विश्वकर्मा, सचिव राम बहादुर सिंह एवं सदस्य शैलेंद्र गुप्ता, महेंद्र राम व पम्मी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

वहीं नन्हे-मुन्ने भैया बहनों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुत देकर अतिथियों, अभिभावकों एवं आचार्य एवं भगिनी का मन मोह लिया. कक्षा अरुण से लेकर तृतीय तक के भैया-बहनों ने राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर तथा स्वांग रचकर सभी को अपनी ओर आकर्षित किया. इस अवसर डॉ ताराकांत शुक्ल ने कहा कि श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म करो, पर फल की चिंता मत करो. विश्वास के साथ कर्म करके ही मनुष्य लक्ष्य तक पहुंच सकता है.

रूप सज्जा में शिशु वर्ग के आर्यन को प्रथम स्थान मिला : रूप सज्जा की प्रतियोगिता के शिशु वर्ग में प्रथम स्थान पर आर्यन कुमार, द्वितीय हर्ष कुमार तृतीय वृंदा कुमारी रहीं. वहीं कला प्रतियोगिता में प्रथम आर्यन वर्मा, द्वितीय पलक कुमारी और तृतीय रिया कुमारी, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम गौरव कुमार, द्वितीय विद्या कुमारी व तृतीय सेजल भारती, भाषण प्रतियोगिता में प्रथम अमीषा रानी, द्वितीय सीमांत कुमार व तृतीय स्थान श्वेता कुमारी ने हासिल किया. मंच संचालन आचार्य सुशील सौरव और धन्यवाद ज्ञापन अमन गुप्ता ने किया. निर्णायक की भूमिका में आचार्या अल्पना सिन्हा, शिव शरण ठाकुर एवं सचिन पांडेय थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य पवन कुमार गुप्ता, मुकेश सिन्हा, राहुल पांडेय, पिंटू राय, विवेक कुमार, अर्चना सिंह, बेबी कुमारी, निखत परवीन, रवींद्र कुमार, रेवतलाल प्रसाद, मौसम कुमारी एवं रविकांत पाठक का विशेष सहयोग रहा.

श्रीकृष्ण व राधा रानी के रूप में तैयार नन्हे-मुन्ने बच्चे व मौजूद अतिथि.

दही हांडी उत्सव में दिखी भगवान श्रीकृष्ण का बाल लीला

हजारीबाग। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पूर्व यादव समाज द्वारा सदर प्रखंड स्थित ओरिया दुर्गा मंडप के समीप शनिवार को दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया. सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ओरिया पंसस जीतू यादव, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रदीप प्रसाद, उप प्रमुख रविकांत सिंह, सखिया पंचायत के पूर्व मुखिया अरूण यादव, अनुप्रिया फाउंडेशन की संस्थापक अनुप्रिया कुमारी, रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष कुणाल यादव एवं राजेश यादव सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे. दही हांडी उत्सव में ओरिया बी गोविंद यादव की टीम विजेता एवं ओरिया ए विवेक यादव की टीम उपविजेता रही. कार्यक्रम का संचालन विजय यादव ने किया. वहीं दही हांडी प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में कुणाल यादव एवं राजेश यादव थे. अंत में प्रसाद के रूप में खीर का वितरण किया गया.

- ओरिया बी गोविंद यादव की टीम विजेता एवं ओरिया ए विवेक यादव की टीम उपविजेता रही

डीएवी रजरप्पा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई

रामगढ़। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर डीएवी रजरप्पा प्रांगण में एलकेजी से सातवीं कक्षा तक के बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी. एलकेजी से चतुर्थ के बच्चों ने राधा–कृष्ण, गोपियों का रूप धारण कर कृष्ण लीला की प्रस्तुति दी. अद्भुत एवं सुंदर पोशाक में कृष्ण और सुदामा की मित्रता का रूप देखते ही बना. श्रीकृष्ण का मटका फोड़ना, माखन चुरा कर खाना, गोपियों द्वारा मां यशोदा से शिकायत करना आदि भूमिकाओं को बड़े ही सुंदर रूप में प्रदर्शित किया. वहीं पांचवी से सातवीं के छात्रों ने इस अवसर पर बांसुरी बनाना एवं मटके की सजावट जैसी गतिविधियों में भाग लेकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए. प्राचार्य डॉ एसके शर्मा ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों में अद्भुत प्रतिभा छिपी होती है, केवल जरूरत है उन्हें तरासने की. सभी बच्चों ने अपनी भूमिका को बखूबी निभाया.

ब्रीफ खबरें

सेवानिवृत अभियंता की इलाज के दौरान मौत

विष्णुगढ़। प्रखंड के चानो निवासी बीसीसीएल से सेवानिवृत्त

मुख्य अभियंता चंद्रनाथ महतो की शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के विलासपुर में इलाज के दौरान मौत हो गयी. विलासपुर में सेवानिवृत्त होने के बाद वे वहीं बस गए थे. मौत की वजह हृदयाघात बतायी गयी है. चंद्रनाथ महतो बगोदर के पूर्व भाजपा विधायक नागेंद्र महतो के चचेरे भाई थे. उनकी मौत पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य चंद्रनाथ भाई पटेल ने गहरी संवेदना व्यक्त की है. उनका अंतिम संस्कार रविवार को चानो में किया जाएगा. उनके डॉक्टर पुत्री और साइंटिस्ट पुत्र शव लेकर देर रात चानो पहुंचे.

नप प्रशासन से होल्डिंग टैक्स कम करने की मांग

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने जनकल्याणकारी मांगों को लेकर एवं भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए नगर परिषद कार्यालय के समक्ष धरना दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष देवानंद महतो व संचालन संजीव साहू ने किया. प्रदर्शन का नेतृत्व जिला उपाध्यक्ष कुशवाहा पंकज महतो कर रहे थे. उन्होंने कहा कि व्यवहार न्यायालय के समीप बने दुकानों का आवंटन शीघ्र हो. साथ ही होल्डिंग टैक्स को कम करने, फसल बीमा का लाभ देने तथा आम जनों तक की सुविधा उपलब्ध कराने की नगर परिषद प्रशासन से मांग की गई.

कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर मरांडी ने उठाए गंभीर सवाल

कांग्रेस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को दांव पर लगा दिया

संवाददाता। हजारीबाग

इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर रही कांग्रेस ने अब्दुल्ला एंड सन फैमिली प्राइवेट लिमिटेड की नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर एक बार अपने राष्ट्र विरोधी मंसूबे को उजागर कर दिया है. भारत के मुकुट जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए का कलंक मिटाने के साथ ही भाजपा ने जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी. अब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित हो चुकी हैं.

यह चुनाव न केवल जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर भारतीय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. ये बातें पूर्व मुख्यमंत्री सह प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कही. मरांडी शनिवार को रांची से अपने गृह क्षेत्र गिरिडीह जिले के तीसरी प्रखंड जाने के क्रम में भारत माता चौक के समीप एक होटल में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. प्रेस वार्ता में भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद, भैया अभिमन्यु प्रसाद, भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय, अनिल मिश्रा, जयनारायण प्रसाद, दिनेश सिंह राठौड़, विजय कुमार, किशोरी राणा व अन्य मौजूद थे.

कांग्रेस की आरक्षण विरोधी सोच को उजागर : मरांडी ने कहा कि इस गठबंधन ने कांग्रेस की आरक्षण विरोधी सोच को उजागर कर दिया है. क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जरों, बकरवालों और पहाड़ी समुदायों के लिए आरक्षण समाप्त करने के नेशनल कांफ्रेंस के वादे का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस चाहती है कि 'शंकराचार्य पर्वत' को 'तख्त ए सुलेमान' और 'हरी पर्वत' को 'कोह-ए-मरान' के नाम से जाना जाए? क्या कांग्रेस जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार में धकेलना और पाकिस्तान समर्थित परिवारों को सौंपने की राजनीति का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस पार्टी जम्मू और घाटी के बीच भेदभावपूर्ण राजनीति का समर्थन करती है? क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी, नेशनल कांफ्रेंस की इस विभाजनकारी राजनीति का समर्थन करते हैं, जिसमें कश्मीर को स्वायत्तता देने की बात की जा रही है? मरांडी ने कहा कि झारखंड में झामुमो और राजद का कांग्रेस के साथ गठबंधन है. ऐसे में इन्हें भी इन सवालों का जवाब देना चाहिए.

झामुमो ने कई वादे किये थे, पर पूरे नहीं किये : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर कहा कि हेमंत सरकार ठगी कर रही है. पिछले विधानसभा चुनाव में झामुमो ने कई घोषणाएं की थी, जो अब तक पूरे नहीं हुए. झारखंड की माता-बहनों को सब पता है, आगामी विधानसभा चुनाव में उसका जवाब भी जरूर देंगी.

प्रेस वार्ता को संबोधित करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी.

क्या कांग्रेस अलग झंडा का समर्थन करती है?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी और उसके राष्ट्र विरोधी एजेंडा पर कई सवाल उठाए. मरांडी ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी सत्ता की भूख के लिए देश को दांव पर लगा दिया है. उन्होंने जम्मू कश्मीर चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के साथ कांग्रेस के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस जम्मू कश्मीर के लिए अलग झंडा के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी, नेशनल कांफ्रेंस के उसे फैसले का समर्थन करते हैं, जिसमें धारा 370 और 35 ए को बहाल कर जम्मू कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के दौर में धकेलना की बात की जा रही है? क्या कांग्रेस एक बार फिर अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान से बातचीत का समर्थन करती है, बजाय इसके कि वो कश्मीर के युवाओं से संवाद करें? क्या कांग्रेस, आतंकवादियों और पत्थरबाजों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में पुनः बहाल करने के पक्ष में है?

लगाए आरोप

- कांग्रेस देश की एकता और सुरक्षा को खतरे में डालती रही है
- गठबंधन कर कांग्रेस ने राष्ट्र विरोधी मंसूबे को उजागर किया

महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

संवाददाता। रामगढ़

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में बीते दिनों ट्रेनी महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में शनिवार को कैंडल मार्च निकाला गया. मार्च बरकाकाना सीआईसी बस्ती से शुरू होकर बरकाकाना स्टेशन चौक होते हुए वापस सीआईसी बस्ती पहुंच कर श्रद्धांजलि सभा में तब्दील हो गई. कैंडल मार्च में भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शामिल थे. सभी अपने-अपने हाथों में बैनर व तख्तियां लेकर हत्यारे को फांसी दो, पीड़ित परिवार को न्याय मिले, देश की बेटी को न्याय मिलना चाहिए, वी वांट जस्टिस के नारे लगा रहे थे.

मार्च का नेतृत्व वार्ड नंबर 24 की पूर्व पार्षद शनियारो बारला कर रही थीं. कैंडल मार्च में मनोज यादव, जावेद आलम, शनियारों बारला, दीपशिखा मुंडा, संगीता निराला, प्रीति देवी, किरण देवी, पंचमी देवी, खुदवा देवी, मितुल मुंडा, सोनाली मुंडा, सुनैना मुंडा, पिंकी मुंडा, अवंतिका मुंडा, प्रियंका देवी, मीना देवी, निशा कुमारी, ललिता देवी, ललमनिया देवी, सुमन मांझी, आयुष, सीमा देवी, सोनी देवी, अंकिता कुमारी, गुड़िया देवी, अंजना कुमारी, चंचला कुमारी, अंशु कुमारी, कोमल कुमारी, माही कुमारी आदि शामिल थीं.

शिक्षण संस्थानों में लायब्रेरियन की बहाली की मांग

शीघ्र बहाली हो, नहीं तो होगा आंदोलन

लाइब्रेरियन की नियुक्तियां शुरू कराने के लिए रणनीति बनाते संघ के सदस्य.

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ महाविद्यालय में शनिवार को झारखंड प्रशिक्षित लाइब्रेरियन संघ की राज्य स्तरीय बैठक हुई. अध्यक्षता संघ के संगठन मंत्री पिंकू साव एवं संचालन सचिव सन्नीदेवल महतो ने किया. बैठक में मुख्य रूप से संघ के संरक्षक अंजनी कुमार एवं अध्यक्ष याकूब अंसारी मौजूद थे. वक्ताओं ने कहा कि झारखंड गठन के 24 साल हो गए, लेकिन शिक्षण संस्थानों में लाइब्रेरियन की नियुक्ति नहीं की गई है.

इससे करीब 20 हजार छात्र नियुक्ति से वंचित है. राज्य के कई विश्विद्यालय में लाइब्रेरी साइंस की पढ़ाई हो रही है. महंगी फीस देकर छात्र इस कोर्स की डिग्री ले रहे हैं, पर इन छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया है. राज्य के शिक्षण संस्थान लाइब्रेरियन विहीन होते जा रहे हैं. संस्थानों में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी से काम लिया जा रहा है. संघ की ओर से तय किया गया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिल कर सैकड़ों छात्र ज्ञापन सौंपेंगे और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग करेंगे. वहीं 20 हजार छात्र सरकार को पोस्टकार्ड भेज कर बहाली की मांग करेंगे. बैठक में सरिता देवी, नमिता देवी, सौरभ श्रीवास्तव, गोविंद गुप्ता, लालकेश्वर महतो, आरसी मलिक, मनोज महतो, टेकलाल महतो, पंकज प्रसाद, लक्ष्मी कुमारी, कंचन कुमारी, अंजली कुमारी, पूजा कुमारी आदि शामिल थे.

- विवि में लाइब्रेरी साइंस की पढ़ाई हो रही, पर बहाली नहीं
- नियुक्ति शुरू करने के लिए सीएम को ज्ञापन सौंपेंगे छात्र

विष्णुगढ़ में गणपति पूजा के भव्य आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक

शंकर बने पूजा कमेटी के अध्यक्ष

- प्रतिमा विसर्जन में डीजे नहीं बजाने का निर्णय लिया गया

संवाददाता। विष्णुगढ़

सार्वजनिक गणपति पूजा की तैयारी को लेकर शुक्रवार को स्थानीय ग्राम देवी मंदिर प्रांगण में बैठक हुई. हर बार की तरह इस साल भी पांच दिवसीय पूजा का आयोजन होगा. छह सितंबर को प्रतिमा स्थापित की जाएगी. एम्बिशन पब्लिक स्कूल की छात्राएं डांडिया नृत्य के साथ प्रतिमा की अगवानी करेंगी. सात सितंबर पूजा प्रारंभ होगी और 11 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ पूजा का समापन होगा. इस अवसर बाल नृत्य प्रतियोगिता और जागरण भी होगा.

बैठक में प्रतिमा विसर्जन में डीजे नहीं बजाने का निर्णय लिया गया. वहीं पूजा कमेटी का पुनर्गठन किया गया. शंकर कुमार को अध्यक्ष, बहादुर साव कसेरा व बिरजू कुमार कसेरा को उपाध्यक्ष, नितीश कुमार को सचिव, विक्रम कुमार कसेरा को उप सचिव, संदीप कुमार कसेरा को कोषाध्यक्ष, उमाशंकर कुमार को उप कोषाध्यक्ष और रणधीर कुमार को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है.

गणपति पूजा को लेकर ग्राम देवी मंदिर प्रांगण में बैठक करते ग्रामीण.

1,79,692 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

रामगढ़। रामगढ़ जिले में 25 अगस्त से 27 अगस्त तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जा रहा है. उपायुक्त चंदन कुमार और सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि 0-5 वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी बूथ पर जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं. मुख्यालय से आए प्रतिनिधि डॉ उमा सिन्हा ने जिले में पल्स पोलियो अभियान की तैयारी की समीक्षा की. उन्होंने सिविल सर्जन, जिला आरसीएच पदाधिकारी एवं सभी स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक कर अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया. सिविल सर्जनने बताया कि जिले में कुल 0-5 वर्ष तक के 1,79,692 बच्चों को पोलियो का खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इस अभियान को सफल बनाने के लिए 1067 बूथों पर 2,300 टीकाकर्मी एवं 153 पर्यवेक्षकों को कार्य में लगाया गया है. जिले में सभी जगह प्रचार प्रसार हेतु होर्डिंग, फ्लैक्स, बैनर एवं पोस्टर प्रदर्शित किया गया है. साथ ही साथ प्रचार रथ के द्वारा सभी प्रखंडों में माइकिंग की जा रही है. बता दें कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 25 अगस्त को अभिभावक नजदीकी बूथ पर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिला सकते हैं. वही 26 एवं 27 अगस्त को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी.

- 25 से 27 अगस्त तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान

स्थानीय नीति परिभाषित करे सरकार

- खतियानी परिवार ने एससी-एसटी में वर्गीकरण का विरोध किया

संवाददाता। हजारीबाग

पुराना धरना स्थल के नजदीक शनिवार को खतियानी परिवार की बैठक जिला अध्यक्ष अशोक राम की अध्यक्षता में की हुई. इस दौरान कई मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया गया और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार आरक्षण में वर्गीकरण कर एससी, एसटी और ओबीसी को गुमराह कर रही है. खतियानी परिवार ने हेमंत सरकार से मांग की कि झारखंड में स्थानीय नीति को परिभाषित करें, जिससे खतियानी लोगों को सरकारी नौकरियों का लाभ मिले.

वहीं, अंचल व प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध कार्रवाई की जाए. इसके अलावा राज्य सरकार से आग्रह किया गया स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई के साथ-साथ पूर्व की भांति हिंदी माध्यम में पढ़ाई भी जारी रखी जाए. बैठक में बाबू भाई विद्रोही, रामावतार भगत, महबूब आलम, मो हकीम, मो नसीरुद्दीन, नंदलाल साहू, विजय मिश्रा महेश विश्वकर्मा, बोधी साहब, सुरेश महतो, अमर कुमार, प्रदीप कुमार मेहता, शंभू ठाकुर, सीता देवी व अन्य लोग मौजूद थे.

बैठक में मौजूद खतियानी परिवार के सदस्य.

विमर्श कोयला आधारित उद्योगों में आर्थिक विविधीकरण पर प्री रिपोर्ट कंसल्टेशन एवं कार्यशाला

रामगढ़ में कोयले पर निर्भरता को कम करने पर चर्चा

संवाददाता। रामगढ़

कोयला आधारित उद्योगों में आर्थिक विविधीकरण को लेकर शनिवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में स्वनीति इनीशिएटिव एवं डिजिटल एंपावरमेंट फाउंडेशन द्वारा प्री रिपोर्ट कंसल्टेशन एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आत्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे.

इस दौरान स्वनीति इनीशिएटिव से ऋषि किशोर एवं दीक्षा पांडेय द्वारा रामगढ़ जिले में कोयले पर निर्भरता को कम करने, कोल आधारित परियोजनाओं में आर्थिक विविधीकरण यथा खनिज प्रभावित क्षेत्रों में नए उद्योग जैसे फूड प्रोसेसिंग, मैन्युफैक्चरिंग, मत्स्य पालन, कृषि तथा पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों के विकास को लेकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए केस स्टडीज एवं रामगढ़ जिले के दृष्टिकोण से कोयले पर निर्भरता को कम करने को लेकर तैयार किए गए रिपोर्ट से संबंधित पीपीटी प्रजेंटेशन दिया गया.

कार्यशाला के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई. स्वनीति इनीशिएटिव की ट्रस्टी उमा भट्टाचार्य ने स्वागत भाषण दिया व प्रबंधक डिजिटल एंपावरमेंट फाउंडेशन की अर्पिता कांजीलाल ने विषय प्रवेश किया. मौके पर स्वनीति से फील्ड स्पेशलिस्ट कुमार सत्येंद्र सिंह, सुरेश राम, डिजिटल एंपावरमेंट फाउंडेशन से शहनाज, सीसीएल, टाटा स्टील आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

कार्यशाला में मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारी व कंपनी प्रतिनिधि.

- खनिज प्रभावित क्षेत्रों में नए उद्योग के विकास पर जोर
- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केस स्टडीज साझा किये

मांडू की जन-समस्याओं से रू-ब-रू हुए सांसद

रामगढ़। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया. उन्होंने क्षेत्रवासियों से मिलकर स्थानीय समस्याओं को जाना. इस दौरान चरही चौक और गिद्दी-सी चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद का फूल माला पहनाकर स्वागत किया. जायसवाल चरही स्थित रांची-पटना एनएच के सर्विस रोड पर जल जमाव की समस्या से अवगत हुए और एनएचएआई के अधिकारियों से बात कर तत्काल निदान का निर्देश दिया. उन्होंने मांडू विधानसभा के डाडी और कनकी ग्राम को जोड़ने वाले पुल के भारी बारिश में बह जाने की सूचना पर पुल का भी जायजा लिया. मौके पर डाड़ी के जिप सदस्य सर्वेश सिंह, चुरचू भाजपा मंडल अध्यक्ष शशि कुमार, भाजपा नेता पुरुषोत्तम पांडेय, रंजीत पांडेय, मुरारी सिंह मौजूद रहे.

छोटे भाई की मौत की खबर सुन कर बड़े भाई की भी मौत

- एक साथ दो भाइयों की सजी चिता, दी गयी मुखाग्नि, माहौल गमगीन

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड मुख्यालय से 28 किमी दूर भगहर पंचायत के ढाढार नदी पार बसे अंबातरी गांव में एक ही दिन में दो सगे भाइयों की मौत हो गई. इस हृदयविदारक खबर को जिसने भी सुना, दिल पसीज गया. जानकारी के मुताबित बड़े भाई बासुदेव यादव (54) का सांस लेने में तकलीफ होने के बाद रांची के रामदीन हॉस्पिटल में ऑपरेशन हुआ था. चिकित्सक ने गुरुवार को छुट्टी दे दी और परिजन शाम को उन्हें घर लेकर आ गये. वहीं, दूसरे दिन शुक्रवार की रात छोटे भाई परमेश्वर यादव (50) पैर फिसलने के कारण गिर गए और उनकी मौत हो गई.

श्मशान घाट में सजी दो भाइयों की चिता और मौजूद परिजन व ग्रामीण.

छोटे भाई मौत की खबर जान कर बेडरेस्ट कर रहे वासुदेव यादव ने जोर लगाकर उठना चाहा और उनकी सांस रूक गयी. दोनों सगे भाई की मौत से क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है. परिजन व ग्रामीणों ने दोनों भाइयों का एक साथ श्मसान घाट ले गये और अगल-बगल सजिया लगा कर दोनों भाइयों का अंतिम संस्कार किया गया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन खुशनुमा और शाम सामान्य होगा. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मिथुन संतान के प्रति जिम्मेवारी पूर्ण होगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. समय का उपयोग होगा और लाभ का वातावरण बनेगा.

कर्क मानसिक शांति की आवश्यकता है. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आपके कार्य के प्रभाव से आय बनी रहेगी.

सिंह कार्य में गति मिलेगी, पर बेकार की बहस से बचें. कोई बड़ा कार्य होगा. पराक्रम का लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत ही अच्छा है. धन के आगमन से मन खुश रहेगा. साथ ही व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला मन प्रसन्न होगा. बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. इत्र दान करें.

वृश्चिक अधिक खर्च से मन खिन्न होगा. निद्रा में दिक्कत होगी. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजा ध्यान करें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर पिता का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ शनि को प्रसन्न करें. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती हैं. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं.

मीन चोट-मोच से बचना चाहिए. साथ ही बेकार के बहस से बचें. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. नए कार्य को लेकर जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

ग्रामीणों ने बदहाल मुख्य सड़क पर की धान की रोपाई

रोपाई करते ग्रामीण.

मझिआंव। बरडीहा प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत बरडीहा गांव स्थित जमा दो उच्च विद्यालय के समीप वट वृक्ष के पास से बाजार तक मुख्य सड़क की स्थिति नारकीय हो गई है. इसे लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है. ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के बरडीहा प्रखण्ड में कई सड़कों की स्थिति जर्जर है. जब मुख्य सड़क की स्थिति दयनीय है तो अन्य सड़क की अंदाजा लगा सकते हैं और ग्रामीण सड़क की बात ही अलग है. धान रोपाई कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक ने 10 वर्षों में जो विकास किया है, उसका नमूना है यह सड़क. आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों और युवा समाजसेवी विनीत कुमार के नेतृत्व में शनिवार को सड़क पर धान की रोपाई की गई. विनीत कुमार ने कहा कि 05 वर्षों के कार्यकाल में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में विकास कार्य धरातल पर शून्य है. बरडीहा प्रखण्ड की जनता इसी मुख्य सड़क से आवागमन करते हैं. विकास के नाम पर यह जर्जर व नारकीय सड़क हास्यपद है. उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में सोंच समझकर योग्य, कर्मठ व जुझारू नेता को ही जनता वोट करेगी. उक्त सड़क पर धान की रोपाई करने वालों में पूर्व मुखिया भरदुल विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, प्रदीप, सोनू, विकास, अशोक सहित दर्जनों ग्रामीणों का नाम शामिल है.

लातेहार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाहिर किया आक्रोश

एसपी कार्यालय नहीं पहुंच सके तो एनएच पर किया पुतला दहन

आशीष टैगोर। लातेहार

शुक्रवार को रांची में भाजयुमो ने आक्रोश रैली निकाली थी. इसमें पुलिस ने बल प्रयोग किया था. कई भाजपाई घायल हुए थे. इसके विरोध मे प्रदेश भाजपा के निर्देश पर जिला मुख्यालय में एसपी कार्यालय के समक्ष सरकार का पुतला दहन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था. लातेहार में भाजुयमो के द्वारा एसपी कार्यालय के समक्ष पुतला दहन की तैयारी थी.

भाजपाई समाहरणालय मोड़ पर जुटने लगे. लेकिन पुलिस ने भी अपनी पूरी तैयारी कर रखी थी. समाहरणालय और एसपी कार्यालय जाने वाले हर मार्ग पर बेरिकेडिंग की गयी थी और भी संख्या में पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गयी थी. जैसे ही भाजपाई समाहरणालय के मुख्य द्वार से अंदर जबरन घुसने का प्रयास किया तो पुलिस बल के जवानों ने उन्हें रोक दिया. इस दौरान पुलिस व भाजपा नेताओं के बीच काफी बहसा बहसी हुई. लेकिन पुलिस बल के जवान उन्हें अंदर प्रवेश करने नहीं दिया. भाजपाईयों ने देखा कि तब वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय नहीं पहुंच पायेंगे तो एनएच-75 पर समाहरणालय मोड़ के सामने झारखंड सरकार का पुतला दहन किया. इसका नेतृत्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष छोटू राजा ने किया. मौके पर मुख्य रूप से मौजूद भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड सरकार की तानाशाही है. रांची में भी झारखंड सरकार के इशारे पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और अब जिला मुख्यालय में भी भाजपाइयो को रोका जा रहा है. अल्पसंख्य मोर्चा के जिला अध्यक्ष महताब आलम ने कहा कि यह सरकार सत्ता के नशे में चूर हो गयी है आगामी विधानसभा चुनावों में इस सरकार का जाना तय है. मौके पर जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, जिला महामंत्री बंशी यादव, अमलेश सिंह व अश्विनी सिंह, महताब आलम, रघुवीर यादव, शीला देवी, बबन पासवान, रानी देवी, प्रियंका देवी, रामदेव सिंह, पूनम देवी, आनंद सिंह, मुकेश पांडेय, प्रमोद कुमार समेत कई भाजपाई मौजूद थे.

लातेहार में एनएच पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते भाजपा कार्यकर्ता.

प्रथम राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन का सीएम ने किया समापन, कहा

पुलिस की जिम्मेदारी अत्यंत संवेदनशील

संवाददाता। रांची

डोरंडा स्थित जैप 1 के शौर्य सभागार में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम हेमंत सोरेन शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड में पहली बार महिला पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. मुझे बताया गया है कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में महिला पुलिस के सशक्तिकरण को लेकर कई सुझाव आये हैं. जिन पर गंभीरता से काम किया जाएगा. राज्य में पुलिस महकमे के सुदृढ़ीकरण को लेकर पूर्व में भी विभिन्न कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा गया. मुझे यह भी बताया गया है कि झारखंड पुलिस द्वारा ऐसा आयोजन हर साल किया जाएगा. जबकि मेरा मानना है कि इस का आयोजन हर छह महीने में किया जाए.

आज महिलाएं, पुरुषों के साथ कई क्षेत्रों में कंधों से कंधा मिलाकर चल रही हैं : महिला पुलिस या महिला समूह की समाज में बहुत बड़ी भूमिका होती है. आज महिलाएं, पुरूषों के साथ कई क्षेत्रों में कंधों से कंधा मिलाकर चल रही हैं. पुलिस की जिम्मेदारी भी अत्यंत संवेदनशील होती है. पुलिस को अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक और न्यायपूर्वक निर्वहन करना होता है. मेरा मानना है कि कभी कोई महिला उत्पीड़न की शिकायत को लेकर थाने पहुंचती है तो केस डायरी लिखने वाला व्यक्ति महिला क्यूं नहीं हो? महिला पुलिस का विभिन्न महिला हॉस्टल्स या महिला समूहों से भी लगातार संपर्क होना चाहिए, जिससे वे लोग अपनी बातें बेझिझक आपसे साझा कर सकें. हमारी पुलिस में महिला समूह ऐसे आगे बढ़े कि जहां आपकी संख्या 5-6% है, वो 50% तक पहुंच जाए. उसके लिए सरकार से जो मदद चाहिए होगी वो उपलब्ध होगी. हमलोगों की अगर नींव मजबूत होगी तभी हम आगे बढ़ पायेंगे. झारखंड पुलिस सशक्त होकर आगे बढ़े, यही हमारी सोच है. इससे पूर्व दूसरे दिन महिला पुलिसकर्मियों के अवसर, चुनौती एवं भविष्य की रणनीति, महिला सुरक्षा में उनकी भूमिका, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता व पुलिस बल में महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन देने आदि बिंदुओं पर परिचर्चा की गयी. इसमें रंजना अस्थाना सदस्य सचिव, झालसा, डॉ अनुराधा वत्स, एनजीओ, दीपशिखा, डॉ वंदिता, डॉ अनामिका पूर्णिमा महतो, अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज व कोच रश्मि लकड़ा, मुखिया, दुधिया, भरणो, गुमला और ज्योति सोरेन ने अपने-अपने विचार रखे.

महिला पुलिस सम्मेलन के समापन मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी अनुराग गुप्ता.

गर्भवती महिलाओं को मिले सुविधा

प्रशिक्षण संस्थान में प्रेगनेंट महिलाओं के लिए अलग से सुविधा हो. गर्भवती महिलाओं को केवल इंडोर प्रशिक्षण दिया जाये. गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से ड्रेस कोड होना चाहिए. उनके खान-पान के लिए अलग से भत्ता मिलना चाहिए.

समान अवसर नीति को लेकर हुई चर्चा

पैनल डिस्कशन में समान अवसर नीति पर चर्चा की गयी. कहा गया कि आरक्षी से लेकर डीएसपी तक महिलाओं की हिस्सेदारी 33% तक हो. झारखंड राज्य में डीएसपी स्तर के पदाधिकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वरीय पदाधिकारी के लिए पेंटेनियल रिव्यू कैडर रिव्यू आवश्यक है. महिला पदाधिकारी और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति गृह प्रमंडल के अंतर्गत होनी चाहिए. अनुसंधान विभाग एवं विधि-व्यवस्था विभाग दोनों के लिए अलग-अलग प्रतिनियुक्ति नीति का अनुपालन किया जाना चाहिए. प्रत्येक जिले में महिलाओं को महिला थाना के अलावा जेनरल थाना में कम से कम 30% थाना प्रतिनिधित्व का मौका देना चाहिए. इच्छुक महिलाओं के लिए फील्ड पोस्टिंग पॉलिसी बनानी चाहिए.

मातृत्व -पितृत्व अवकाश जिला स्तर पर दिया जाना चाहिए

डीएसपी रैंक के पदाधिकारियों का वर्दी भत्ता संशोधित कर बढ़ाया जाना चाहिए. वेटिंग फॉर पोस्टिंग की अवधि निश्चित होनी चाहिए ताकि रेगुलराईज करने में दिक्कत ना हो. मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश जिला स्तर पर दिया जाना चाहिए. सप्ताह में एक दिन का अवकाश होना चाहिए. जिन महिला कर्मी की एक ही बच्चा है और पति का देहांत हो गया है, तो उनकी पोस्टिंग गृह जिला में होनी चाहिए. रात्रि ड्यूटी के दौरान कम से कम दो महिलाएं सशस्त्र होनी चाहिए. जिला स्थानांतरण के बाद यदि पूर्व जिला में गवाही देने के लिए जाना पड़े तो उनके लिए पुलिस लाइन में (महिला पुलिस क्लब या गेस्ट हाउस) की सुविधा होना चाहिए.

उत्तर प्रदेश का मोस्टवांटेड अपराधी पाकुड़ से गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

उत्तर प्रदेश के मोस्टवांटेड अपराधी को झारखंड से गिरफ्तार किया गया है. यूपी एटीएस की टीम ने शनिवार को पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र से अपराधी अंकित यादव को गिरफ्तार किया है. अंकित लंबे समय से फरार चल रहा था. जानकारी के अनुसार, मोबाइल लोकेशन के आधार पर यूपी एटीएस की टीम पाकुड़ पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से अंकित यादव को अन्नपूर्णा कॉलोनी से गिरफ्तार किया. गोलीबारी मामले में फरार चल रहा था अंकित : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के मिसिर पोखरा निवासी अंकित यादव ने विजय यादव नामक शख्स के घर में घुस कर अंधाधुंध गोलीबारी की थी. इस घटना में कई लोग घायल हुए थे. मामले में 30 जून को दशाश्वमेघ थाना में कांड संख्या 49/24 दर्ज किया गया था. वहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद से ही अंकित फरार चल रहा था. उत्तर प्रदेश की पुलिस ने उसके ऊपर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था.

पेज एक का शेष

देश में हर 16 मिनट में एक रेप!

कितने आरोपियों को मिली सजा? साल 2022 में रेप के कुल मामलों में से 19,954 में पुलिस ने चार्जशीट दायर की. वहीं इस साल दर्ज मामलों में से अदालत ने 507 केस में दोषी ठहराया. अदालत ने कुल 1388 मामले निपटाए और कुल 12,062 केस में आरोपियों को बरी कर दिया गया. रिपोर्ट के अनुसार, 27.4 फीसदी मामलों में अदालत ने आरोपियों को बलात्कार का दोषी ठहराया है. एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि साल 2022 में हर दिन करीब 15 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिला के साथ रेप की घटना हुई. कुल 5588 केस दर्ज हुए और 5610 महिलाओं ने घटना रिपोर्ट की. इनमें शेड्यूल कास्ट की महिलाओं की संख्या ज्यादा है और क्राइम रेट भी इनका ही ज्यादा है. 2022 में शेड्यूल कास्ट की 4252 महिलाओं ने 4241 केस दर्ज कराए, जिनका क्राइम रेट 2.1 है. वहीं शेड्यूल ट्राइब की 1358 महिलाओं ने घटना की रिपोर्ट की, कुल 1347 केस रजिस्टर हुए. इनका क्राइम रेट 1.3 रहा.

भारत में महिला सुरक्षा को लेकर क्या कानून : भारतीय संविधान में महिला सुरक्षा के लिए कई कानून हैं. इन कानूनों का मकसद महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव से बचाना है. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार का एक अहम मंत्रालय है जो महिलाओं और बच्चों के अधिकारों और कल्याण के लिए काम करता है. सबसे डरावनी बात यह है कि भारत में अधिकांश रेप के मामलों में जान-पहचान वाले ही ज्यादातर गुनाहगार होते हैं. इसके अलावा अनजान और विकृत मानसिकता के लोग भी ये गुनाह करते हैं.

भारत में रेप के केस ज्यादा क्यों : समाज में महिलाओं को लेकर एक पुरानी सोच अभी भी मौजूद है जिसमें उन्हें पुरुषों से कमतर माना जाता है. महिलाओं के प्रति यौन उत्पीड़न को अक्सर हल्के में लिया जाता है. जब समाज में यह धारणा बनती है कि लड़के तो लड़के हैं या यह आम है, तो इससे बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों को बढ़ावा मिलता है. कई बार परिवार और समुदाय बलात्कारी को बचाते हैं जिससे महिलाएं अपनी आवाज उठाने में डरती हैं. ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग नहीं मिलता है. भारत में बलात्कार के मामलों में सजा की दर बहुत कम है. 2022 में बलात्कार के मामलों में केवल 27.4% मामलों में सजा सुनाई गई थी. इससे अपराधियों में यह विश्वास बढ़ता है कि उन्हें सजा नहीं मिलेगी. इस कारण उनकी हिम्मत और बढ़ जाती है. वहीं अक्सर देखा गया है कि पुलिस भी बलात्कार के मामलों में एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल करती है या देरी करती है. कई बार पुलिस बलात्कार की घटनाओं को गंभीरता से नहीं लेती, जिससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता.

यह बंदी खतरे की घंटी है

खैर सवाल यह है कि जब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश या ऑब्जर्वेशन मानने से इंकार कर ही दिया था, तब भारत बंद का क्या औचित्य था ? यदि सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश दिया होता, तो उसे निष्प्रभावी बनाने के लिए संसद में कानून बनाना पड़ता. लेकिन सिफारिशें तो मात्र कैबिनेट नोट से अस्वीकृत की जा सकती हैं और की गईं. फिर भी भारत बंद का आयोजन हुआ. गनीमत रही कि कहीं से किसी बड़े बवाल की खबर नहीं आई. लेकिन यह ट्रेंड खतरनाक है. यदि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, सिफारिशों और आदेशों के खिलाफ इसी प्रकार आंदोलन होने लगेंगे, तो पूरी व्यवस्था चरमरा जाएगी. इसमें कुछ राष्ट्रविरोधी शक्तियां भी अपने हाथ सेकेंगी और कुछ आग में घी भी डालेंगी. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट आलोचना से परे है, लेकिन उसके किसी फैसले के खिलाफ भारत बंद तक आगे चले जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. प्रश्न बुढ़िया के मरने का नहीं है, यमराज की आदत बिगड़ जाने का है. यह सुप्रीम कोर्ट हमारा है, हमारे लिए है. इसका सम्मान होना ही चाहिए. क्या संविधान की बार-बार दुहाई देने वाले यह भूल गये हैं ? राजनीति करनी है, तो कीजिए. शौक से कीजिए. लेकिन कृपया इसमें सुप्रीम कोर्ट को मत घसीटिए. उसे तो कम से कम बख्श दीजिए. अन्यथा यह देश निरंकुशता के नागपाश में फंस जाएगा और हमारे लोकतंत्र की प्राणवायु सूख जाएगी.

जाति का जिक्र किए बिना ...

फैसले में क्या लिखा ? जस्टिस पारदीवाला ने 70 पेज का फैसला लिखते हुए कहा कि यह केवल उन मामलों में होता है जहां जानबूझ कर अपमान या डराना अस्पृश्यता की प्रचलित प्रथा के कारण या ऊंची जातियों की निचली जातियों/अछूतों पर श्रेष्ठता के ऐतिहासिक रूप से स्थापित विचारों को मजबूत करने के लिए होता है. इनमें प्यूरीटी और पॉल्यूशन आदि की धारणाएं शामिल हैं. यह कहा जा सकता है कि यह 1989 अधिनियम द्वारा परिकल्पित प्रकार का अपमान या डराना है. पीठ ने कहा कि अपमान करने का इरादा उस व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए जिसमें हाशिए के समूहों के अपमान की अवधारणा को विभिन्न विद्वानों द्वारा समझा गया है. पीठ ने कहा कि यह सामान्य अपमान या डराना नहीं है जो अपमान के बराबर होगा, जिसे 1989 अधिनियम के तहत दंडनीय बनाया जाना चाहता है.

सरकारी कर्मियों को ...

नौकरी के बाद मिलने वाली पेंशन को ध्यान में रखते हुए इस स्कीम को लाया जा रहा है. केंद्रीय मंत्री ने कहा, विपक्ष सिर्फ ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेकर राजनीति करता रहा है. दुनिया भर के देशों में क्या स्कीम है उनको देखने के बाद तमाम लोगों से चर्चा करने के बाद इस कमेटी ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम का सुझाव दिया. कैबिनेट ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को अप्रूव कर दिया है. कर्मचारियों की तरफ से एश्योर्ड अमाउंट की मांग किया जा रही थी. उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, पेंशनधारियों को 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन दी जाएगी. रिटायरमेंट के पहले के 12 महीना का एवरेज बेसिक पे का 50 प्रतिशत होगा. ये पेंशन 25 साल की सर्विस करने के बाद ही मिलेगी. एनपीएस की जगह अब सरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस ला रही है. सरकार ने ओपीएस की काट निकाली है. दरअसल, सरकार ने जिस पेंशन स्कीम का ऐलान किया है, वो 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी. इसके तहत 10 साल तक सरकारी नौकरी करने वाले को 10 हजार रुपए की पेंशन मिलेगी. 25 साल नौकरी करने वाले को पूरी पेंशन दी जाएगी.

16 श्रद्धालुओं का जत्था वैष्णव देवी के लिए रवाना

रवाना होते श्रद्धालु.

संवाददाता। लातेहार

शहर से 16 सदस्यी श्रद्धालुओं का एक जत्था जम्मू के माता वैष्णव देवी, कटरा के लिए रवाना हुआ है. इससे पहले युवा समाजसेवी सह श्री राजाराम सेवा संस्थान के संस्थापक अनिल कुमार गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र भेंट किया और उनके सुखद यात्रा की कामना की. उन्होने कहा कि धार्मिक यात्राओं से मन में एक नयी उर्जा का संचार होता है. आज के इस भौतिक समय में अध्यात्म व तीर्थ लोगों के जीवन में सुख व समृद्धि लाते हैं. श्रद्धालुओं में जगदेव सिंह, सुजीत कुमार यादव, मनोज कुमार यादव, सुरेंद्र कुमार यादव, रंजीत ठाकुर, मनोज प्रसाद, सुनील कुमार चंद्रवंशी, रघुनाथ गुप्ता, राजकुमार, विकास कुमार, रंजन कुमार व संजय सोनी आदि का नाम शामिल है. श्रद्धालुओं ने कहा कि वे माता से क्षेत्र के खुशहाली की कामना करेंगें.

'आदिम जनजातियों के विकास के लिए तेजी से काम हो रहा है'

- हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा-
- 101 करोड़ 55 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण

संवाददाता। गुमला

एक मुटठी आसमां में हक हमारा भी है. हक तो आप आदिम जनजातियों का है. बस हम एहसास करा रहे हैं कि हक व अधिकार आप कैसे लेंगे. सरकार की योजना का लाभ देने के लिए प्रशासन गंभीर है. आज हम जिन लोगों को कमजोर जनजाति बोलते हैं. यह कमजोर हट जाये और आदिम जनजाति भी विकास के पथ पर तेजी से बढ़े. वे गांवों से निकल शहर तक पहुंचे और अच्छे मुकाम को प्राप्त कर बुलंदी को छूए. यह बातें झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कही. दरअसल गुमला जिले में आदिम जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए झालसा के निर्देश पर डालसा व जिला प्रशासन द्वारा राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन केओ कॉलेज गुमला में किया गया था. जहां दो लाख 79645 लाभुकों के बीच 101 करोड़ 55 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया गया.

न्यायालय खुद चौपालों तक आ रहा है : कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय प्रसाद, प्रदीप श्रीवास्तव, झालसा की सचिव रंजना अस्थाना समेत न्यायिक व प्रशासनिक पदाधिकारियों मौजूद रहे. मौक़े पर एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा है कि आप जनता जिस सरकारी योजना के लिए जो इधर उधर दौड़ लगाते हैं. इसके लिए एक जगह आपको बुलाकर योजनाओं का लाभ देने का काम किया जा रहा है. न्यायालय खुद चौपालों तक आ रहा है. आपके गांवों तक पीएलवी पहुंच रहे हैं. आपकी जो समस्या है. उसे सुन रहे हैं. उन परेशानी व समस्याओं को दूर करने का प्रयास डालसा द्वारा किया जा सके.

खेलकूद राज्यस्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का समापन, अंडर 17 बालक वर्ग में खूंटी की टीम बनी विजेता

अंडर-17 बालिका वर्ग और अंडर-15 बालक वर्ग में सिमडेगा चैंपियन

खेल संवाददाता। रांची

रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता 2024-25 का शनिवार को समापन हुआ. अंडर-17 बालिका वर्ग में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय सिमडेगा की टीम चैंपियन बनी. वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में खूंटी ने खिताब जीता.

अंडर-15 बालक वर्ग में सिमडेगा ने जीत दर्ज कर राष्ट्रीय नेहरू कप प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम शामिल हुए. साथ ही हॉकी झारखंड के महासचिव भोलानाथ सिंह, पूर्व हॉकी ओलिंपियन सह हॉकी प्रशिक्षक मनोहर टोपनो, मेजर ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित हॉकी प्रशिक्षक सुमराई टेटे, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अश्रिता लकड़ा, बीरेंद्र लकड़ा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय कुमार सिंह शामिल हुए.

अंडर-17 बालिका वर्ग में सिमडेगा ने मारी बाजी

अंडर-17 बालिका वर्ग में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय सिमडेगा की टीम ने बरियातू बालिका मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय रांची की टीम को 2-0 से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया. मैच में शानदार प्रदर्शन करने के लिए सिमडेगा की रीना कुल्लू को ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला. वहीं हजारीबाग की तेलानी नाग को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया. खूंटी की मंजू को बेस्ट स्कोरर बनी.

बालक वर्ग खूंटी विजेता

अंडर-17 बालक वर्ग में खूंटी के लक्ष्मी नारायण प्लस टू हाई स्कूल मुरहू की टीम ने निर्मला हाई स्कूल खालिजोर सिमडेगा की टीम को 4-1 के अंतर से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया. खूंटी के सचिन भेंगरा को फाइनल मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला. गुमला के अरुण उरांव को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया.

अंडर-15 में सिमडेगा चैंपियन

अंडर-15 बालक वर्ग में संत मैरी हाई स्कूल सैमटोली सिमडेगा की टीम ने एसएस प्लस टू हाई स्कूल रांची को 8-0 से पराजित कर चैंपियन बनी. रांची के सुमित उरांव को मैन ऑफ द मैच मिला. सिमडेगा के इसमित डुंगडुंग को बेस्ट गोलकीपर, खूंटी के इमानुएल को मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार मिला.

"बंधन से मुक्त होने के लिए बुद्धिमान व्यक्ति को अपने और अहंकार के बीच भेदभाव का अभ्यास करना चाहिए. केवल उसी से एक व्यक्ति स्वयं को शुद्ध सत्ता, चेतना और आनंद के रूप में पहचानते हुए आनंद से भरा हो जाएगा. धन, लोगों, रिश्तों और दोस्तों या अपनी जवानी पर गर्व न करें. ये सब चीजें पल भर में पल भर में छीन ली जाती हैं. इस मायावी संसार को त्याग कर परमात्मा को जानो और प्राप्त करो. – आदि शंकाराचार्य"

शुभम संदेश
रांची, रविवार, 25 अगस्त, 2024

नमन है इस माटी को, जिसपर मैंने है जन्म लिया!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नारी संसार और सृष्टि का आधार होती है, लेकिन उसकी बेबसी की कहानियों से इतिहास, पुराण और आधुनिक साहित्य के पन्ने अटे पड़े हैं. उनकी इसी बेबसी को देखते हुए गोस्वामी तुलसीदास का हृदय द्रवित हो गया और उनकी लेखनी से ये पंक्तियां मानस प्रकट हो गयीं-कत विध नारि रचहुं जग माहीं, पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को भी उस बेबसी को देखकर कुछ ऐसी ही वेदना हुई थी और उन्होंने कहा था-अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी. इस विषय पर विचार-विमर्श के साथ अश्रु-स्रवण भी खूब हुए हैं, लेकिन अबतक यह कोई नहीं समझ सका कि जिसे महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की छाया शक्ति स्वरूपा, प्रकृति का मूलाधार के रूप में निर्विवाद रूप से स्वीकार किया गया, उसके समक्ष ऐसी विवशता क्यों और कैसे विराजमान हो गयी. एक विवाहित पुत्री जब ससुराल से निर्वासित कर दी जाती है और लौटकर मायके आती है तो उसकी व्यथा कोई सहृदय व्यक्ति ही समझ सकता है. जमशेदपुर की कवयित्री **सविता सिंह मीरा** उसी व्यथा को महसूस कर इस कविता की रचना करती हैं, जिसका शीर्षक है-निर्वासित बेटियां.

ठुकराई गई बेटियां-बुआ नैहर वापस आ तो जाती हैं
पर वे पहले की भांति चहकती बिल्कुल नहीं हैं.
बोझ समझती हैं खुद को भूल जाती हैं अपने वजूद को
कोशिश करती हैं मुस्कुराने की छिपा नहीं पाती अपने दुख को.
एक कोना तलाशती हैं घर में जो एक जताते थकती नहीं थीं,
अब स्थिति चाहे जो भी हो बस वे संतुष्ट नजर आती हैं.
न जिद न जिरह कुछ भी नहीं हर हाल में करतीं हैं सब सही
जाने की जिद करो तो जाना नहीं चाहती वे कहीं.
खुद को वे तुलसी नहीं समझतीं पूजनीय तो वे अभी भी हैं
किंतु एक पीपल वृक्ष की तरह जहां शनिवार ही दीप जलता है.

सविता जी की यह मार्मिक रचना समाज के उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिन्हें बेटियों का महत्व समझ में नहीं आता है. उन बेटियों का महत्व उन भाइयों को तो समझ में आता ही रहता है, जब वह बहन के रूप में अपने पवित्र प्रेम की निशानी के रूप में रक्षाबंधन के साथ द्वार पर खड़ी हो जाती है.

विडम्बना

गांधी बाबा के सुराज में सुरा बहुत है, राज नहीं है
राज बहुत खुलते हैं, लेकिन खिलता यहां समाज नहीं है.
यह देखो कैसी विडम्बना!राजनीति में नीति नहीं है.
और राजनैतिक लोगों को नैतिकता से प्रीति नहीं है.
सदाचार का आन्दोलन है, नोटों से भारी थैला है.
दर-दर पर खेला की दस्तक घर-घर में बैठी तैला है.
यह देखो, कैसा मजाक है, कला बिक रही बाजारों में.
रूप खड़ा है चौराहे पर जंग लग रही हथियारों में.
यह कैसा साहित्य कि जिसका, हित से कुछ सम्बन्ध नहीं है
सभी यहाँ मुक्तक है यारो, कोई यहां प्रबन्ध नहीं है.
हर अध्यापक आलोचक है, हर विद्यार्थी गीतकार है
सभी नकद सौदा करते हैं, एक नहीं रखता उधार है.
हर आवारा अब नेता है, हर अहदी बन गया विचारक.
जिसके हाथ लग गया माइक, वही बन गया प्रबल प्रचारक.
आलोचना लोच से खाली, अब मजाक में मजा न, गम है.
सत्ता से सत निकल गया है, सिर्फ अहम में हम-ही-हम है.

- गोपाल प्रसाद व्यास

जमशेदपुर निवासी कवयित्री **वीणा नंदिनी** उसी सुखद क्षण का चित्रण अपने इस नवगीत में कर रही हैं, जिसका शीर्षक है-बहना द्वारा खड़ी है.

द्वार बहना आ गई है प्रीत लेके वह खड़ी है -
मधुर अनुपम प्रात बेला रीत को वह ले पड़ी है -
मग्न होती मायके में नेह बंधन नित निभाई -
चमक मुख जब रंग बहना खिल उठा भाई कलाई -
बांधती हैं राखियां जब निज खुशी में वह झड़ी है.
थाल लेकर आरती की भाल कुंकुम वह लगाती -
आस करके आ गई है वर्ष का इक दिन सजाती -
रीत का दिख भाव अविरल नित निभाने पर अड़ी है..
सूत है विख्यात जग में खोल भाई अब पिटारा -
चाह रखती है हिया में भ्रात को यूं दूं सहारा -
श्रावणी की दिव्यता में प्रीत को वह ले लड़ी है.

बहनों का यह महत्व साल में केवल एक बार नहीं, बल्कि सालों भर महसूस होता रहना चाहिए. तभी संभव है कि नारियों की व्यथा समाप्त हो सके, जिसके जन्म लेकर कई घरों में कोहराम मच जाता है. पहले पता चल जाये तो उसे धरती पर आने से पूर्व ही मानव जीवन से मुक्त कर दिया जाता है. कन्या भ्रूण हत्या का ही परिणाम है कि कई राज्यों में लड़कियां विलुप्ति के कगार पर इस प्रकार पहुंच गयी है कि लड़कों का विवाह मुश्किल हो गया है. बरियातू रांची निवासी कवयित्री **कंचन सिंह** ने इसी विषय को अपनी इस रचना में सहेजने का प्रयास किया है-मैं विलुप्त होती रही हूं.

मैंने पढ़ा था किताबों में जानवरों के बारे में.
कुछ जानवर कम हो रहे हैं,
कुछ जानवर खतरे में हैं और कुछ तो विलुप्त हो रहे हैं.
मैं लड़की हूं-
मैं तो वैसे भी कम हो चुकी हूं,
खतरे में तो हमेशा से थी
अब विलुप्त भी हो रही हूं.
फर्क बस यह है कि जानवरों को डर है इंसानों से.
मैं तो इंसान होकर भी,इंसान से डर रही हूं.
निर्भय होकर रातों में
निकलना छोड़ चुकी हूं.
चौक-चौराहे सुरक्षित नहीं ,
इसलिए वर्क फ्रॉम होम भी कर चुकी हूं.
हर बात पर रोक-टोक,
हर बात पर शिकायत.
कभी कहते मुझे इस काम में नहीं सुरक्षा,
कभी कहते मुझे इस काम में नहीं इज्जत.
पापा ने कहा कि इस प्रोफेशन में बहुत इज्जत है.
मां ने कहा-यह काम लड़कियों के लिए सुरक्षित है.
सबका कहा मान चार-दिवारी में घिरकर सिर्फ पढ़ रही हूं.
परिवार गर्व से हो खड़ा इसलिए खुद को गढ़ रही हूं.
हमेशा रोका- टोका मुझे इसलिए ,
जो सबने कहा अब बस वही कर रही हूं.
घर से काम, काम से घर बीच में ना कहीं उतर रही हूं.
लेकिन अब अपने काम पर ही वरुशीपन से साक्षात्कार मैं कर रही हूँ.
इस इज्जतदार प्रोफेशन में भी,
अपनी इज्जत को तार-तार कर रही हूं.
सड़कों पर बेखौफ मैं चल न सकी.
अंधेरों में चैन से मैं सो न सकी.
अब यह दुनिया ही बताए मुझे - किसकी बात अब मैं सुनूं,
और कौन सा रास्ता मैं चुनूं. जिस राह पर भी मैं चली
उस राह पर तिल- तिल कर मर रही हूं.
कम तो मैं पहले ही हो चुकी हूँ, खतरे में तो हमेशा से थी ,
अब विलुप्त भी हो रही हूँ. मैं लड़की हूं,
इंसान हो करभी इंसान से डर रही हूँ.

कंचन जी ने अपनी इस रचना में यथार्थ पर प्रकाश डाला है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है, जिसे रांची की कवयित्री **संध्या उर्वशी** देख भी रही हैं और महसूस भी रही हैं. इन्हें इस बात पर गर्व है कि ये भारत की नारी हैं.

मुझे गर्व है मैं भारत की नारी हूं,
आधुनिकता के दौर में संस्कारी हूं,
नमन है इस माटी को जिस पर है मैंने जन्म लिया,
जां वार दूंगी धरती पर यह कसम खाती हूं.
वेशभूषा से आधुनिक पर दिल से हिंदुस्तानी हूं,
लज्जा मेरा गहना यही सबको आज बताती हूं,
शिक्षा पर अधिकार हमारा यह नारा लगाती हूं,
यज्ञानों से टकरा कर स्वाभिमान मैं बचाती हूं.
घर के आंगन से आसमान में उड़ान लगाती हूं,
रोके जो भी रास्ता पंख कतरना भी जानती हूं,
बिंदी, चूड़ी, पायल सिर्फ नहीं रहा मेरा सपना,
बंदूक, कंप्यूटर, मोबाइल है आज मेरा गहना,
इसके बदौलत मैं देश का परचम लहराती हूं.
वैसे सुन्दर कोमल भारत की सशक्त नारी हूं,
पर वक्त पड़े तो बन जाती झांसी की रानी हूं
परिवार, समाज, संस्कार की अभिमानी हूं
इज्जत पर आंच आए बन जाती चिंगारी हूं.
मुझे गर्व है मैं भारत की नारी हूं.
आधुनिकता के दौड़ में संस्कारी हूं.

जय संतोषी मां फिल्म में कवि प्रदीप ने एक मार्मिक और प्रेरणादायक गीत लिखा था-मत रो मत रो आज राधिके सुन लो बात हमारी, जो दुःख से घबरा जाये वह नहीं हिंद की नारी. इस संसृति का बड़ा उपकार होगा, अगर भारतीय समाज इन रचनाओं से प्रेरणा ग्रहण कर नारियों को सम्मान दे और सुख-समृद्धि प्राप्त करे. इन्हीं शब्दों के साथ जय हिंद ! जय झारखंड !!

महिलाएं, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

हम सभी भारत के लोग उन्माद में कुछ ज्यादा ही बातें कह जाते हैं. बहुत बार तो बिना तथ्य जाने, चिंतन किये बहुत तीखी प्रतिक्रिया भी दे बैठते हैं. हाल में कोलकाता में हुए महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध और हत्या के बाद पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई पर शायद मौसमी बरसात की तरह लोग इसे भूल कर मा दुर्गा के बहाने उत्सव बनाने में लग जाएंगे. दुर्गा पूजा की सबसे अधिक सरगर्मी पश्चिम बंगाल में ही रहती है. पूरे बंगाल और खासकर कोलकाता में दसों हज़ारों करोड़ का बिजनेस होगा. किसी ने ऐसा नहीं सुना होगा कि कोलकाता की मेडिकल छात्रा के संग दुर्व्यवहार के विरुद्ध बंगाल वासी दुर्गा पूजा करेंगे, पर उत्सव नहीं मनाएंगे. इस बार के पूजा पंडालों में शायद इस दुर्घटना पर आधारित कुछ दृश्य भी मिल जाएं ! राजनीति तो हो ही रही है. सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जो बातें सामने आ रही हैं, उससे बहुत सारी बातें उभर कर सामने आ रही हैं. यहां इस बात की चर्चा भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि प्रतिवर्ष हज़ारों की संख्या में युवा किशोरियां इसी प्रदेश में देह व्यापार के धंधे में धकेल दी जाती हैं. आज जिस बात की चर्चा यहां होगी, वह है चिकित्सा व्यवस्था में महिलाएं और उनकी सुरक्षा. गौर करेंगे कि महिला चिकित्सक लगभग नब्बे प्रतिशत गायनोकोलॉजी में ही उच्च शिक्षा लेती हैं. विभिन्न उम्र के दर्ज़नों महिला चिकित्सकों से बातचीत में पता चला कि उन सबों को अपने अध्ययन के दरम्यान कभी न कभी यौन प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा है. सहपाठी, सीनियर, प्राध्यापक, अस्पताल के अन्य पुरुष कर्मी सभी ने उनपर फब्तियां कसीं, अश्लील मज़ाक किये, अनुचित प्रस्ताव, प्रलोभन दिए, यौन उत्पीड़न हेतु दबाव डाला, डराया, धमकाया और बहुत सारे ऐसे दृष्टांत हैं कि या तो उनकी हत्या की या आत्महत्या की ओर प्रेरित किया ! जो विद्यार्थी मेडिसिन, सर्जरी या ऑर्थोपेडिक्स में विशेषज्ञता हासिल करना चाहती हैं. उनके उस अध्ययन का समय नर्क की यातना की तरह होता है. अस्पताल में कभी कभी उन्हें 75 घंटे लगातार काम करने को बाध्य होना पड़ता है .अविश्वसनीय तो तब लगेगा कि उसके बाद फुरसत होने पर घन्टे भर बाद उन्हें इमरजेंसीज़ में फिर बुला लिया जाता है. अस्पताल में उनके आराम की, सोने की, खाने की कोई व्यवस्था नहीं होती और सुरक्षा व्यवस्था तो बस ऐसी की कोई दुर्दान्त अपराधी भी बिना हिचक उनके साथ अस्पतालमें बिना रोक टोक आकर दुर्व्यवहार कर सकता है. राजनीति में रहने वाले सभी लोगों की सुरक्षा में हज़ारों सुरक्षा कर्मी तैनात रहते हैं पर अस्पताल के भीतर कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और अन्य महिला कर्मचारियों के सुरक्षा की कोई आवश्यकता कभी नहीं समझी गयी.अस्पताल में महिला छात्र-चिकित्सकों की व्यथा कथा का यह एक छोटा सा हिस्सा है. शायद यकीन न हो पर यह चर्चा आवश्यक है कि मेडिकल पढ़ने वाले एक तिहाई से अधिक छात्र -छात्राएं इस विषैले वातावरण और परिस्थिति के कारण 'डिप्रेशन' के शिकार हैं .और उनमें तीन चौथाई छात्राएं हैं. ऐसे छात्र छात्राएं जिनके परिवार में कोई चिकित्सक नहीं है और जिसे इसकी पढ़ाई व्यस्था की जानकारी नहीं होती उसे अधिक पीड़ा उठानी पड़ती है, लेकिन फिर जो छात्राएं हैं, उनकी पीड़ा कई गुना ज्यादा होती है. अस्पताल के नीचे दर्जे के कर्मचारी भी इन बालिकाओं के संग दुर्व्यवहार कर जाते हैं .कहने की आवश्यकता नहीं कि अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ पदाधिकारी इन 'छोटी -छोटी' बातों पर कोई ध्यान क्यों दें? क्या इसी भरोसे विकसित भारत के महिला और बाल स्वास्थ्य की योजना बनाई जाएगी ?आखिर इन महिला स्वास्थ्य कर्मियों से 'देश हित' में अपने आप को कुर्बान कर देने की अपेक्षा क्यों कर दी जाती है? भारत के समुचित स्वास्थ्य के विकास के लिए इन मौलिक समस्याओं की ओर ध्यान देना होगा अन्यथा चरमराती महिला स्वास्थ्य की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी. प्रायः कोई भी अपने परिवार की बच्ची को कम से कम मेडिकल तो नही पढ़ने भेजेगा. आप गौर करेंगे, स्वास्थ्य विभाग में नीति निर्धारक पदों पर महिलाओं की भागीदारी दो प्रतिशत भी नहीं है .विचारणीय प्रश्न है सोचिएगा !

चित्रकूट सब दिन बसत, प्रभु सिय लखन समेत

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती के पावन पुनीत अवसर पर 11-12 अगस्त 24 को चित्रकूट जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ. दो दिवसीय तुलसी जयंती का आयोजन तुलसी शोध संस्थान मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में किया गया था. इसके संकल्पक प्रो. अवधेश प्रसाद पाण्डेय और प्रायोजक दीपक कुमार गुप्ता निर्देशक (जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् , भोपाल) एवं रामेश्वर पटेल थे. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष रहे. यमुना पार करने के बाद प्रभु श्रीराम की मुलाकात महर्षि वाल्मीकि से हुई. प्रभु श्रीराम ने महर्षि वाल्मीकि को प्रणाम करते हुए वनवास की अवधि में अपने रहने लायक उपयुक्त स्थान पूछा. महर्षि वाल्मीकि ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए श्री राम से कहा कि पहले आप बतायें कि आप कहां नहीं हैं:-

पूछेहु मोहि कि रहौं कहां,मैं पूछत सकुचाउं.
जहं न होहु तहं देहु कहि, तुम्हहिं देखावौं ठाउं.

महर्षि वाल्मीकि ने राम के ठहरने लायक 14 उपयुक्त स्थलों की चर्चा की और कहा कि:-

सुनहु राम अब कहउं निकेता. जहां बसहुं सिय लखन समेता.
जिनके श्रवण समुद्र समाना.कथा तुम्हारी सुभग सरि नाना.
भरहिं निरंतर होहिं न पूरे.तिन्ह के हिय तुम्ह कहुं गृह रूरे.

लेकिन अंत में महर्षि वाल्मीकि ने राम से कहा कि आप चित्रकूट में निवास करें:-

चित्रकूट गिरि करहुं निवासू.
तहं तुम्हार सब भांति सुपासू.

चित्रकूट आने के बाद यहां की प्राकृतिक सुंदरता और छटा देखकर प्रभु श्रीराम मुग्ध हो गये और उन्होंने लक्ष्मण से कहा कि:-

रघुवर कहेउ लखन भल घाटू. करहु कतहु अब ठाहर ठाटू.
लखन दीख पै उतरि करारा.पहुं दिसि फिरेउ धनुष जिमि नारा.
चित्रकूट जनु अचल अहेरी. चुकइ न घात मार मुठ भेरी.

महासती अनुसूया के द्वारा अवतरित पुण्य सलिला मंदाकिनी का प्रभाव तो भागीरथी गंगा से भी अधिक है, क्योंकि गंगा तो पापों को धोती है, किंतु मंदाकिनी पाप समूह का भक्षण करके उसका अस्तित्व ही मिटा देती है, ताकि वह बहकर नीचे की ओर स्नान करते हुए श्रद्धालुओं को स्पर्श न कर सके:

सुरसरि धार नाउ मंदाकिनी. सो सब पातक पोतक डाकिनी.

मंदाकिनी में त्रिकाल स्नान करने , दर्शन करने और स्पर्श करने से मोक्ष सुलभ हो जाता है. महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा लिखा है:-

दरस परस अरु मज्जन पाना. हरहि पाप कह वेद पुराना.

महर्षि अत्रि आदि मुनियों का का आश्रम यही है. चित्रकूट की महिमा का गान करते हुए महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने मानस में लिखा है कि:-

अत्रि आदि मुनि आदिक जेते. चित्रकूट जस गावहिं तेते.

मुनीश्वरो द्वारा चित्रकूट की वंदना करते हुए कहा गया है कि:-

सुवर्ण कूटं, रजताभ कूटं, माणिक्य कूटं, मणिरत्नकूटं.
अनेक कूटं, बहुवर्ण कूटं, श्री चित्रकूटं शरणं प्रपद्ये.

जो पर्वत स्वर्ण,चांदी और मणि माणिक्यों से युक्त है,ऐसे अनेक प्रकार के पर्वतों और अनेक प्रकार के रंगों वाले चित्रकूट की वंदना करता हूं. कलियुग ने समस्त संसार पर अपना जाल बिछा दिया था, किंतु प्रभु श्रीराम की कृपा से अद्यावधि चित्रकूट उससे मुक्त है.गुप्त गोदावरी ,भरत कूप, स्फटिक शिला, हनुमान धारा,राम घाट,जानकी घाट, लक्ष्मण घाट यहीं है.जगद गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का तुलसी पीठ यहीं है. इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने इस भूमि को अपनी जन्मभूमि अयोध्या से भी अधिक महत्व दिया है:-

चित्रकूट सब दिन बसत, प्रभु सिय लखन समेत.
राम नाम जप जाप करि, तुलसी अभिमत देत.

जिसका उल्लू सीधा उसका भी बड़ा नाम है..

नश्तर

सुधीर राघव

मुम्बई की पतली गली से एक बहुत मोटी औरत निकली. उसने कहा, ₹ गैस सिलेंडर सस्ता होना चाहिए.₹ सबने कहा -हां! गैस सिलेंडर सस्ता होना चाहिए. तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं. उसने संघर्ष किया और सबने उसका साथ दिया. इस तरह वह मोटी औरत नेता बन गई. मगर सिलेंडर सस्ता नहीं हुआ. वह नेता से मंत्री बनी और उसे खुद मुफ्त सिलेंडर मिलने लगे. तब उसने जाना कि जनता को सस्ता सिलेंडर नहीं दिया जाना चाहिए. जनता को भी अगर सस्ता सिलेंडर मिलने लगा तो फिर नेता और जनता में फर्क ही क्या रह जाएगा. अगर देश का पूरा खजाना जनता पर ही लुटा दिया तो उसे और उसके दोस्तों को माल कहां से मिलेगा? उसने खूब सोच-विचार करने के बाद भाषण दिया- जनता को सस्ता सिलेंडर देने से देश के खजाने पर लाखों करोड़ रुपए का बोझ पड़ता है. जनता को देश के विकास के लिए महंगे सिलेंडर का बोझ उठाना चाहिए. जनता को मुफ्तखोरी की आदत नहीं डालनी चाहिए. इसके साथ ही उसने सिलेंडर के दाम दूने कर दिए. अब वह दूना कमीशन खा सकती थी. इस तरह वह मोटी औरत और मोटी होकर परम आनंद को प्राप्त हुई.

मुम्बई की गंधाती बस्ती से एक टोपीवाला बूढ़ा निकला. उसने सबको टोपी पहनाई और कहा, ₹देश में भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए.₹ सबने कहा, हां भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए. वह टोपीवाला बूढ़ा नेता नहीं बना. उसने देश के नेता ही बदल दिए. उसने धनपशुओं से माल लिया और शांत हो गया. भ्रष्टाचार और बढ़ गया. रोज पुल गिरने लगे, नई सड़कें धंसने लगीं. ट्रेनें बेपटरी होने लगीं, हवाई अड्डे चूने लगे मगर वह टोपी पहने शांत रहा. उसका माल लगातार बढ़ रहा था, वह उसे गिनने में व्यस्त था. वह समझ गया था कि देश में भ्रष्टाचार अब जरूरी है ताकि उसे हिस्सा मिलता रहे. उसका माल बढ़ता रहे. इस तरह वह टोपीवाला बूढ़ा टोपीबाज बनकर परम आनंद को प्राप्त हुआ. गंगा की लहरों से एक बाबा प्रकट हुआ. उसने कहा कि विदेश में जमा देश का सारा कालाधन वापस लाया जाना चाहिए. सबने कहा, हां! कालाधन वापस लाना चाहिए! सब उसके साथ मगर वह खुद भेस बदलकर भाग गया. अब वह खुद बेरोकटोक चीन को लाल चंदन सप्लाई कर रहा था. जनता ने पूछा काला धन कब वापस आएगा, उसने अपनी पूंछ की ओर इशारा किया कि लो इसे उखाड़ लो. यह सुनकर जब जनता शर्माई तो वह ताली पीटकर परम आनंद को प्राप्त हुआ. इस तरह ये तीनों जन, जो पिछले जन्म में किसी ऋषि के श्राप से मोटी, टोपीबाज और बाबा बनकर पैदा हुए, इन्होंने इस जन्म में अपना उल्लू सीधा कर खूब नाम कमाया और परम आनंद को प्राप्त हुए.

मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहराइयों को उभारते हैं शेखर

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

कला कर्म के प्रति गहरी निष्ठा रखने वाले कलाकार शेखर की एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान है. ये बिहार के भागलपुर क्षेत्र की मंजूषा पेंटिंग को नया आयाम देने वाले सांस्कृतिक कार्यकर्ता और कलाकार हैं. ये झारखंड के अग्रणी वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उनके नाम कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक आधारित वृत्तचित्र फिल्में हैं. इन्होंने मंजूषा कला पर एक किताब भी लिखी है. जगदीशपुर (भागलपुर) में जन्मे शेखर ने वहीं से फाइन आर्ट में शिक्षा हासिल की. रांची को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और नियमित रूप से लंबे समय से कला साधना कर रहे हैं. कल्पना को आकार देने के लिए रेखाओं और रंगों के माध्यम से कभी पेपर तो कभी कैनवास पर उसे जीवंत करते हैं. इनकी पेंटिंग में झारखंडी संस्कृति की झलक मिलती है. इनकी पेंटिंग में आधुनिक विकास की विसंगतियां भी दिखाई देती हैं. ये झारखंड की स्वदेशी कला परंपराओं को जगह देते हैं, जो इन्हें और कलाकारों से अलग करता है. इनकी कला प्रतिरोध का शस्त्र भी रचता है. वह आनंदित ही नहीं करता, उद्वेलित भी करता है, सजग भी करता है. शेखर की

कलाकृतियां गतिशील और अमूर्त रचना है, जिसमें रेखाओं, रंगों और जटिल पैटर्न का समृद्ध उपयोग किया गया है. इनकी अनूठी शैली, गहरे कथ्य, सौंदर्यबोध, प्रतीकवाद और भावनात्मक प्रभाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है.

शेखर की शैली में रेखाओं और रंगों का गहरा तालमेल देखा जा सकता है. इनकी रेखाचित्रों में रेखाओं का जटिल और सूक्ष्म प्रयोग होता है. शेखर की शैली में काले और सफेद रंगों का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है, जो चित्रों को एक गहरी और संजीदा दृष्टि प्रदान करता है. उनकी रेखाएं बेहद साफ और शुद्ध होती हैं, जो उनके चित्रों को एक विशेष और अनोखा स्पर्श देती हैं. दूसरी ओर, उनकी पेंटिंग्स में रंगों का जीवंत प्रयोग दिखाई देता है, जिसमें एक्रिलिक पेंट से बनी आकृतियों और रंगों का संयोजन इन्हें विशिष्टता प्रदान करता है. इनके चित्रों में एक खास किस्म का पैटर्न्स और टेक्सचर का प्रयोग भी देखने

को मिलता है. चित्रों में चित्रित चेहरे आपस में संवाद करते दिखाई देते है. उनकी शैली में आधुनिकता और पारंपरिकता का संगम देखा जा सकता है, जहां वे पारंपरिक भारतीय कला रूपों

का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुनरुत्थान करते हैं.

शेखर की रचना मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहरी और प्रभावशाली व्याख्या प्रस्तुत करती है. रंगों, आकृतियों, और

रेखाओं का उपयोग कर कलाकार ने जीवन के विभिन्न पहलुओं को बेहद संवेदनशीलता और गहराई से चित्रित किया है. उनकी रचनाओं का कथ्य अक्सर प्रकृति, समाज, पर्यावरण और मानव मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं. उनके चित्रों में पेड़-पौधे, पत्तियां, फूल और प्राकृतिक दृश्य देखे जा सकते हैं, जो जीवन की सजीवता और उसकी अनंतता को दर्शाते हैं तथा दर्शकों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है, चाहे वह जीवन की सरलता हो या उसकी जटिलताएं. शेखर का सौंदर्यबोध उनके चित्रों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है. उनकी कला में रेखाओं की शुद्धता और उनकी प्रवाहमानता चित्र को अत्यंत आकर्षक और प्रभावशाली बनाती है. चित्रों में जटिलता के बावजूद एक सरलता और सादगी दिखाई देती है, जो दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित करती है. उनके रेखाचित्रों में रेखाओं का प्रवाह और उनकी विभिन्नता अद्वितीय सौंदर्य प्रस्तुत करती हैं.

आखर

परिचय

नामः रतन वर्मा
जन्मतिथिः 06.01.1951
मूल निवासी : दरभंगा (बिहार)

प्रकाशन पत्र- पत्रिकाओं में :
हंस, धर्मयुग, इंडिया टुडे, सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय, इंद्रप्रस्थ भारती, अभिधा, प्रसंग एवं अनेक पत्र – पत्रिकाओं में लगभग 200 से अधिक कहानियां प्रकाशित, इनके अतिरिक्त छः लघु–उपन्यास, अनेक आलेख, कविताएं, गज़लें, गीत, संस्मरण आदि प्रकाशित.

किताबें : यात्रा में (कविता–संग्रह) ; दस्तक, पेईंग गेस्ट, नेटुआ एवं बबूल (सभी कथा–संग्रह) ; रुक्मिणी, बादल को छँटना ही है, सपना, नेटुआ करम बड़ा दुखदायी, चाँदनी रात की गज़ल एवं रसरंग अंगना (सभी उपन्यास) ; श्रवण कुमार गोस्वामी और उनके उपन्यास (आलोचना पुस्तक) एवं भूख, भूख और भूख (लघु – उपन्यास संग्रह).

पुरस्कार एवं सम्मान : "वर्तमान साहित्य" द्वारा आयोजित "कृष्ण प्रताप स्मृति कहानी प्रतियोगिता" में "गुलबिया" कहानी को प्रथम पुरस्कार (1989)
नाट्यभूमि सम्मान (1991)
'आनन्द डाइजेस्ट ' द्वारा आयोजित आंचलिक कहानी प्रतियोगिता में ' सबसे कमज़ोर जात ' कहानी को प्रथम पुरस्कार (1991)
' नेटुआ ' नाटक ' साहित्य कला परिषद, दिल्ली ' द्वारा दशक के सर्वश्रेष्ठ छः नाटकों में प्रथम -- 1992 (इस में मुख्य भूमिका आज के प्रख्यात फ़िल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने निभाई थी)
' दस्तक ' कहानी पर ' अवसर सम्मान ' , पटना (1994)
समग्र साहित्य पर ' राधाकृष्ण पुरस्कार ' (2003)
' निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, नई दिल्ली ' द्वारा विशिष्ट कथाकार पुरस्कार (2004)
समग्र साहित्य पर ' त्रिवेणी कान्त ठाकुर साहित्य सम्मान ' (2021)
बनारसी प्रसाद भोजपुरी पुरस्कार (2022)

विशेष : टीवी धारावाहिक ' कुछ नया सा (13 कड़ी) का कथा –पटकथा लेखन, जिसका प्रसारण डीडी – 1से हुआ (1997)
' नेटुआ ' नाटक का 8 वें ओलंपियाड में चयन एवं मंचन (2020).

सम्प्रति : स्वतंत्र लेखन

जो मुड़ के देखता हूं

रतन वर्मा एक ऐसे कथाकार हैं जिनकी कहानियों में आम जन और उसका जनपद व्यापक संवेदना के साथ अभिव्कत होता है. रतन वर्मा की विशिष्टता भाषा की सदगी और सहजता में अंतरनिहित है. रतन वर्मा की कविताओं में मानवीय पीड़ा एक ऐसी गरिमा का सृजन करती है जिसमें हताशा का कोई बोध नहीं है. आम जन की जिंदगी को स्वर देना और उससे भविष्य की उम्मीद पैदा करना रतन वर्मा को अलग पहचान देता है. जो मुड़ कर देखता हूं स्तंभ में इस बार पढ़िए रतन जी का आत्मकथन...

अवचेतन मन में क़ैद परिंदों की उड़ान

वे भी क्या दिन थे, जब मैं न तो कवि हुआ करता था और न कथाकार ही, मगर हर क्षण हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल की सरिता में डुबकी लगाते रहना मेरी दिनचर्या में शामिल हुआ करता था. फिर भी ऐसा नहीं कि यदा-क़दा मैं कुछ तुकबन्दियां नहीं कर लिया करता था. लेकिन उन तुकबंदियों के आधार पर ख़ुद को कवि मान लूं, ऐसा मुग़ालता तो नहीं ही पाल सकता था. सच तो यह है कि बालपन से ही मेरी परवरिश एक ऐसे परिवार में हुई, जहां का माहौल साहित्यिक हुआ करता था. मेरे मझले भैया और दीदी पर तो उस माहौल का कुछ असर नहीं पड़ा, पर पता नहीं क्यों वह माहौल मेरे बाल- मन को हमेशा आकर्षित करता रहा.

मामी प्रेरणा स्रोत जो खाना पकाते समय भी पढ़तीं किताबें

मेरे पिता की मृत्यु तभी हो गयी थी, जब मैं मात्र एक वर्ष का था. मेरे सबसे बड़े भैया कामेश्वर प्रसाद वर्मा, जो बाद में चलकर कामेश दीपक के नाम से जाने गये, उनकी उम्र नौ वर्ष, मझले भैया धनेश्वर प्रसाद वर्मा सात वर्ष और मुझसे बड़ी दीदी तीन वर्ष की थी. तो पिता जी की मृत्यु के बाद मां और हम चारों भाई - बहन को दरभंगा अपने मामा के पास आ जाना पड़ा. मामा के संरक्षण में ही हमारा लालन-पालन होता रहा. चूंकि मामा की शादी के कोई दस वर्ष हो चुके थे, लेकिन तब तक उनकी कोई संतान नहीं हुई थी, इसलिये भाई-बहनों में सबसे छोटा होने के कारण उनका सर्वाधिक स्नेह मुझे ही प्राप्त होता. ख़ैर, तो बालपन से ही मैं देखता आया था कि मामी को मोटी-मोटी किताबों को पढ़ने का गज़ब का शौक था. फुर्सत के वक्त तो पढ़ती ही रहती थीं, खाना बनाते हुए भी चूल्हे पर चावल या दाल चढ़ाकर वह किताबों में ही तल्लीन होतीं.

मुझे लगता कि उन किताबों में आख़िर ऐसा क्या होता है कि मामी दिन-रात पढ़ने में ही तल्लीन रहती हैं. उधर मेरे भैया भी स्कूल के अलावे का समय लिखने-पढ़ने में ही व्यतीत करते रहते. बहुत बाद में मुझे समझ आया कि मामी चंद्रकांता सन्तति, भूतनाथ आदि जैसे उपन्यास पढ़ा करती थीं, और बड़े भैया कुछ कविता-वविता लिखा करते थे.

छापाखाना के वे दिन

मामा का ' आनन्द प्रेस ' नाम का एक छापाखाना भी हुआ करता था, जिसमें रविवार की छुट्टियां हुआ करती थीं. हम बच्चों की भी उस दिन छुट्टियां तो हुआ ही करती थीं. मामा ने उस छापाखाने की पूरी जिम्मेवारी मेरे बड़े भैया के दोस्त मोहन भैया को सौंप रखी थी, जिनका रहना तो छापाखाने में ही होता था और खाना- पीना हमारे घर में. मुझे याद है कि जब मैं दूसरी या तीसरी कक्षा में था, तभी से बड़े भैया को छोड़कर, बाकी के हम तीनों भाई-बहन को हर रविवार को दिन भर के लिये स्लेट-किताब के साथ छापाखाने में मोहन भैया के संरक्षण में भेज दिया जाता था, ताकि मामी और घर के अन्य लोग हमारी शरारतों से मुक्त रह सकें और मोहन भैया की देख-रेख में हम पढ़ाई भी करते रहें. मोहन भैया बड़े ही कड़क अभिभावक की तरह थे. हमारी क्या मज़ाल कि उनके रहते हम थोड़ी भी शरारत कर सकें. दोपहर में मोहन भैया के साथ ही हम घर आकर भोजन करते, फिर पुनः उनके साथ ही छापाखाने में वापसी. शाम के चार-पांच बजे ही हमें वहां से मुक्ति मिलती और हम मुहल्ले के बच्चों के साथ धमाचौकड़ी मचा पाते.

अक्सर किसी-किसी रविवार की शाम को छापाखाने में ही भैया एक कवि-गोष्ठी का आयोजन करवाया करते थे. जिस रविवार को गोष्ठी होती, उसकी तैयारी की सुगबुगाहट हमारे, वहां से प्रस्थान के पूर्व प्रारम्भ हो जाती. जैसे, ऑफिस से कुर्सी टेबल का हटना और फ़र्श पर दरी का बिछ जाना, वगैरह. उस दिन दीदी और भैया तो पिंजरे से मुक्त हुए पंछी की तरह वहां से फुर्र हो जाते, लेकिन मैं वहीं रुक जाता. मोहन भैया के पूछने पर जवाब देता, "हमहूं कविता सुनबइ ! "

मोहन भैया इसके लिये मुझे कभी मना नहीं करते. वे बगल के रामनाथ होटल से मेरे लिये समोसे मंगवा देते. जब तक मैं समोसे कुतरता तब तक कवियों की जुटान शुरू हो जाती. गोष्ठी शुरू होने के साथ ही मैं जाकर चुपचाप कामेश भैया के पास बैठ जाता. जब कोई भी कवि कविता सुना रहे होते और उनकी कविता पर "वाह या क्या खूब" के स्वर कानों में पड़ते, तब मुझे यही लगता कि संसार में कवि- कर्म ही सबसे महान कर्म होता है, जिसकी एक-एक पंक्ति पर वाहवाही हुआ करती है. और तभी से मैंने ठान लिया था कि भविष्य में मैं भी कवि ही बनूंगा.

शुरुआती रचनाओं में रूमानियत

इस प्रकार मन में कवि बनने का बीजारोपण तो उसी समय से हो गया था और समय के अंतराल में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते मैंने कुछ तुकबन्दियां भी शुरू कर दी थीं. हालांकि वह तुकबन्दियां महज़ तुकबन्दियां तक ही सीमित थीं, जिनपर किशोरावस्था की रूमानियत का असर ज़्यादा था. जैसे---

'आंखों से पिला दे ऐ साकी, मदहोश मुझे हो जाने दे,
मुस्का कर ज़िन्दगी दी मुझको,
अब बांहों में मर जाने दे दी !
सदियों से है प्यासा दिल का कमल, मुरझाया सा वीराने में,
इक प्यार की सरिता बहने दे, और दिल की कली खिल जाने दे !

यानी, ऐसी ही तुकबन्दियां. हां, कभी-कभार किसी खास मनःस्थिति में कुछ गम्भीर सी तुकबन्दियां भी हो जाया करतीं.

पहली रचना का प्रकाशन

एक दिन की घटना है कि हमारे घर पर श्री राम इकबाल सिंह विनीत जी का आगमन हुआ. वे पटना से प्रकाशित होने वाले एक साप्ताहिक पत्र "हुंकार" के सम्पादक हुआ करते थे. वैसे, महीने- दो महीने में अक्सर उनका मेरे घर आना- जाना होता ही रहता था (ये वही विनीत जी थे, जो बाद में चलकर रांची से प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार में साहित्य-सम्पादक बने) . वे कामेश भैया के घनिष्ट मित्रों में थे. जब भी आते, एक रात हमारे यहां ज़रूर ठहरते. मैं उन्हें विनीत भैया पुकारा करता था. लेकिन उस दिन का उनका आगमन मेरे लिये कुछ खास रहा. पता नहीं कैसे उन्होंने मुझसे पूछ लिया, "रतन ! तुम कामेश दीपक के भाई हो, तो तुम भी कुछ लिखते-उखते हो या ..."

मेरे मुंह से निकल गया, "जी , वइसहीं थोड़ा- बहुत."

"अच्छा, सुनाओ तो एकाध कविता."

मैंने जाकर अपनी वह कॉपी, जिसमें कुछ-कुछ लिखा करता था, ले आकर उन्हें थमा दी थी और वहां से हट गया था. वे समझ गए थे कि सुना पाने में शायद मैं संकोच कर रहा था.

थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे आवाज़ लगायी और मेरे आने पर बोले, "तुम्हारी सारी कविताएं पढ़ गया. छंदों पर तुम्हारी अच्छी पकड़ है. अच्छा, यह "पहचान" कविता उतार कर मुझे दे दो." मैंने वैसा ही किया.

कुछ दिनों बाद भाभी को भेजकर भैया ने मुझे अपने पास बुलवाया और पूछा, ₹ "तुमने कविता लिखनी कब शुरू की?" मैं अवाक -- भैया को कैसे पता चला?

दरअसल हम तीनों भाई-बहन भैया का, उनसे भयभीत रहने की हद तक लिहाज़ करते थे. हालांकि उन्होंने कभी हमें डांटा तक नहीं था. बस, वे गम्भीर ही इतने रहते थे कि हमें उनकी उपस्थिति में उनके पास खड़े रहने तक का साहस नहीं होता था. सो, चुपचाप सर झुकाये निरुत्तर सा उनके समक्ष खड़ा रह गया था.

फिर उन्होंने "हुंकार" साप्ताहिक की प्रति मेरी ओर बढ़ाते हुए कहा, "लो, तुम्हारी कविता छपी है. अच्छी कविता है. लेकिन अभी अपनी पढ़ाई- लिखाई पर ध्यान दो. कुछ बन जाओ, फिर जो चाहो, करते रहना. ठीक है, जाओ."

उस दिन तो जैसे मुझे दुनिया भर की सारी खुशियां मिल गयी हों, बाहर वाले कमरे में बैठकर, जाने कितनी बार मैं अपनी उस कविता को लगातार पढ़ता रहा था. मन में सिर्फ एक ही बात-यानी, मेरी कविता भी छप सकती है.

भाड़े पर पढ़े गए उपन्यास

लेखन के साथ-साथ कुछ साहित्य पढ़ने की भी रुचि मुझमें घर करती जा रही थी. पत्रिकाएं ख़रीद पाने का सामर्थ्य तो था नहीं, सो एस. के. क़माल की उपन्यासों की दुकान थी, जहां एक आना रोजाना के किराये पर उपन्यास उपलब्ध कराये जाते थे, वहीं से जेबखर्च के पैसे बचाकर उपन्यास लेकर पढ़ा करता. वह भी भैया से छुप- छुपाकर. उसी क्रम में मैंने इब्ने सफी, गुलशन नन्दा, प्यारे लाल आवारा आदि कई उपन्यासकारों के उपन्यास पढ़ डाले थे, जिसका असर यह पड़ा मुझपर कि एक मोटा सा फूहड़ उपन्यास भी रच डाला मैंने, जिसका शीर्षक रखा-प्यार और शराब.

मसूरी का साथी सुधीर गैरोला

ख़ैर, तो जीवन इसी रफ्तार में खिसकता जा रहा था. उन दिनों समाज में इतनी सारी घटनाएं होती थीं, इधर-उधर अनुभवों का ढेर सारा ज़खीरा सा बिखरा पड़ा होता था, जिन्हें महसूस कर कभी आहत भी होता और कभी आह्लादित भी. मुझे पता भी नहीं चला और वे सारे अनुभव, जाने कैसे मेरे अवचेतन मन में संचित होते चले गये. समय गुज़रता गया. पढ़ाई खत्म हुई, फिर नौकरी मिली, शादी हुई, एक पुत्र का पिता बना, कुछ दिनों बाद नौकरी चली गयी, फिर दौर शुरू हुआ संघर्ष का. कुछ दिनों की बेरोजगारी और उसके बाद अवसर मिलने के साथ ही मसूरी प्रस्थान. वहां "भारत लाइम स्टोन" कम्पनी में मैनेजर के पद पर पदस्थापित हो गया. उस बीच कविता-वविता, सब पीछे छूट गयी...

आम तौर पर देखा यह गया है कि कोई इंसान चाहे कहीं भी चला जाय, उसकी संगति उसकी प्रकृति के लोगों के साथ ही हुआ करती है. जैसे कोई अपराधी किस्म के व्यक्ति की मित्रता अपराधी के साथ, किसी साधु की मित्रता साधु के साथ...

तो उसी तर्ज़ पर मसूरी में मेरी मुलाक़ात डिग्री कॉलेज में हिन्दी से पी.जी. कर रहे एक युवक सुधीर गैरोला से हुई. वह एक अच्छा कवि था और "अलीक" नामक साहित्यिक संस्था का संस्थापक भी, जिस संस्था में नियमित कवि-गोष्ठियां आयोजित हुआ करती थीं. सुधीर से मेरी मित्रता इतनी प्रगाढ़ होती चली गयी कि 1975 के बाद से अब तक बनी हुई है. तो मैं भी वहां की गोष्ठियों में शामिल होने लगा. लेकिन महज़ एक श्रोता की हैसियत से. इसलिये कि वहां के कवियों की रचनाओं की ऊंचाई की तुलना में ख़ुद को मैं बहुत बौना महसूस करता था. वहां मसूरी में ही समझ आया कि कविता मुक्त छंद की भी हो सकती है.

मेरा मसूरी प्रवास अधिक दिनों तक नहीं रह पाया. जनवरी 1975 में मैंने भारत लाइम स्टोन कम्पनी में कार्यभार संभाला था, 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा हो गयी. बावजूद इसके, मेरा काम सुचारू रूप से ही चलता रहा. लेकिन 1976 आते-आते कम्पनी का काम धीमा होने लगा. देश भर में एक दहशत का माहौल था, जिसका असर ट्रकों के परिचालन पर पड़ने लगा. लाइम स्टोन का विभिन्न कम्पनियों में निर्यात ठप सा पड़ गया. इसका असर हमारे वेतन पर पड़ने लगा. अंततः नौकरी छोड़नी पड़ी और मुझे पुनः दरभंगा लौट आना पड़ा. वैसे तो वहां से अनेक सारे अनुभव अपने अवचेतन मन में संचित करके लौटा था, लेकिन जो सबसे बड़ी उपलब्धि रही, वह थी सुधीर गैरोला से मित्रता. उन दिनों तो वह छात्र ही था, लेकिन बाद में चलकर उसी डिग्री कॉलेज, मसूरी में हिन्दी का प्राध्यापक बना, जहां से उसने पढ़ाई की थी.

हजारीबाग ने निखारा साहित्यिक व्यक्तित्व

मसूरी से लौटा, तब भैया कामेश दीपक की, आपातकाल के विरुद्ध सक्रियता एक अलग ही अंदाज़ में देखने को मिली- आये दिन आपातकाल के विरुद्ध आयोजित होने वाले नुक्कड़ कवि सम्मेलनों में शिरक़त, दोहे- नारे लिखकर दीवारों पर लिखवाना आदि...

मैं दरभंगा लौट तो आया था, पर वहां मेरे लिये रोजगार का कोई अवसर नहीं था, इसलिये मेरी प्राथमिकता रोजगार के अवसर तलाशने में थी. आख़िर 1978 में मुझे हज़ारीबाग आ जाना पड़ा. सही अर्थों में मेरी रचनात्मक प्रतिभा को निखरने का अवसर मुझे हज़ारीबाग में ही मिला, जब मेरी मुलाकात भारत यायावर, कवि प्राणेश कुमार, कवि-सम्पादक शम्भु बादल, कथाकार सुनील सिंह, कवि शंकर ताम्बी, कवि प्रो. शिवदयाल सिंह शिवगीत आदि से हुई.

हुआ यों कि जब मैं 1980 तक हज़ारीबाग में पूरी तरह व्यवस्थित हो गया, तब मेरे आग्रह पर कामेश भैया का सपरिवार आगमन हज़ारीबाग में हुआ. उस समय तक मैं हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल से अपरिचित ही था। भैया को पता चला, या पूर्व से पता था कि हज़ारीबाग में भारत यायावर नामक कोई कवि भी हैं. बस, भैया ने उन्हें खोज निकाला. फिर तो रोज ही भारत यायावर का हमारे घर आना-जाना होने लगा. दोनों के बीच काव्य - पाठ के आदान-प्रदान, देर तक बहस-चर्चाओं का सिलसिला. अगर मैं फुर्सत में होता, तो मैं भी उनके पास ही बैठकर उनके काव्य-पाठ या बातचीत का श्रोता बना रहता.

हज़ारीबाग में भारत यायावर और प्राणेश कुमार के संयोजन में सम्भावना संगोष्ठी नामक एक साहित्यिक संस्था भी स्थापित थी, जो रमणिका गुप्ता के आवासीय बैठक हॉल में संचालित हुआ करती थी. वहां प्रत्येक रविवार को कवि गोष्ठी का आयोजन होता था. उन गोष्ठियों में, जब तक भैया हज़ारीबाग में रहे, नियमित शिरक़त करते रहे. किसी किसी रविवार को वहां मेरी भी उपस्थिति होने लगी.

कोई महीने भर हमारे पास रहने के बाद भैया तो दरभंगा लौट गये, लेकिन अपने लौटने के पूर्व भारत यायावर और हज़ारीबाग का साहित्यिक माहौल आशीर्वाद -स्वरूप मुझे सौंप गये. अब, जब भी मैं फुर्सत में होता, भारत यायावर के सान्निध्य में ही मेरा समय व्यतीत होता. वे मेरे घर आ जाते, वहां से हम दोनों मुद्रक प्रेस पहुंचते, जहां प्राणेश कुमार से भेंट होती, फिर कवि शंकर ताम्बी के पास... इस तरह देर रात्रि तक हम आपस में बतियाते हुए शहर भ्रमण करते रहते. यानी हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल में मैं पूरी तरह घुल मिल गया था. ख़ुद को कवि तो नहीं मानता था, पर गोष्ठियों में कुछ तुकबन्दियां भी सुना दिया करता. गोष्ठियों में मैं महसूस करता कि वहां छंदोबद्ध रचनाओं को कुछ खास महत्व नहीं दिया जाता था. हालांकि प्रसिद्ध शायर ज़हीर ग़ाज़ीपुरी, जो अधिकांश गज़लें, नज़्म, दोहे आदि लिखा करते थे या शंकर ताम्बी, जो गज़लें और गीत लिखा करते थे या फिर प्राणेश कुमार ही, जो छंदमुक्त कविताओं के अलावा ग़ज़ल और गीत भी लिखा करते थे, गीतकार राम नरेश पाठक, इन सभी को गोष्ठियों में अच्छी प्रतिष्ठा मिला करती थी. पसंद मेरी छंदोबद्ध कविताओं को भी किया जाता था, पर थोड़े हल्के तौर पर. कारण शायद यह भी था कि मैं अधिकांशतः रूमानी कविताएं लिखा करता था , जबकि बाकी के कविगण की रचनाएं जनवादी हुआ करती थीं. ख़ैर, जनवादी कवियों के प्रभाव में कुछ छंदमुक्त कविताओं की रचना मुझसे भी हो गयी, जिनका "यात्रा में" शीर्षक से प्राणेश कुमार के प्रोत्साहन पर संग्रह भी प्रकाशित करवा लिया मैंने. मेरी छिटपुट गीत-गज़लें विभिन्न लघु-पत्रिकाओं में प्रकाशित भी होने लगीं. पत्रिकाओं के पते मुझे प्राणेश कुमार और भारत यायावर ही उपलब्ध करवाते. **(क्रमशः)**

जीवन के नवरस की फुहार है – ठलुआ चिन्तन

मधुर कुलश्रेष्ठ

सामाजिक परिवेश में सामान्यतः ठलुआ को नकारात्मक अर्थों में ही लिया जाता है. प्रचलित कहावत में भी ठलुआ दिमाग यानी खाली दिमाग को शैतान का घर कहा जाता है. ठलुआ का शाब्दिक अर्थ भी निठल्ला होता है, निठल्ला यानी जिस पर कोई काम-धाम नहीं होता है. पर जिस प्रकार हर सिक्के का दूसरा पहलू भी होता है, उसी प्रकार खाली दिमाग अर्थात ठलुआपन के दूसरे पहलू में कल्पनाशीलता का ऐसा प्रवाह होता है कि छोटे- से- छोटे घटनाक्रम या छोटी- सी- छोटी हरकत पर मन एकाग्र होकर नए-नए विचारों, नए-नए ख्यालों की उड़ान भरने लगता है, जिससे अद्भुत रचना जन्म लेती है. हमारे मन में ठलुआ शब्द सुनकर एक ओर जहां खीझ उत्पन्न होती है वहीं दूसरी ओर मन के किसी कोने में कुछ गुदगुदी सी भी होने लगती है. मुंशी प्रेमचंद ने भी इस ठलुआपन के दूसरे पहलू के महत्व को समझा और "ठलुआ क्लब" कहानी लिखी थी. प्रसिद्ध साहित्यकार, निबंधकार और व्यंग्यकार बाबू गुलाबराय ने भी सामाजिक प्रश्नों और जटिल समस्याओं की विनोद-पूर्ण शैली में आलोचना कर हास्य रस की एक अपूर्व पुस्तक 'ठलुआ-क्लब' लिख डाली थी. 'ठलुआ-क्लब' का प्रत्येक व्याख्यान एक ठलुए की आत्मकथा है. अंग्रेजी के सबसे बड़े हास्य-रस के लेखक चार्ल्स डिकिंस ने 'पिकविक पेपर्स' नाम की एक हास्य-कथा लिखी थी. राम नगीना मौर्य जी ने भी ठलुआ समय की नकारात्मक शक्तियों को परास्त कर ठलुआ समय के सकारात्मक चिंतन में हास्य तथा विनोदपूर्ण ताजगी को महसूस किया और "ठलुआ चिंतन" के रूप में मन को प्रफुल्लित कर देने वाली रचनाओं को पाठकों के समक्ष गुदगुदाने के लिये प्रस्तुत कर दिया, ताकि जिंदगी की जटिलताओं के बीच पाठक कुछ पल सुकून के महसूस कर सके.

सरकारी दफ्तरों, विभिन्न मंत्रालयों की आन-बान-शान होती हैं मीटिंग्स. काम हो या न हो पर उसकी समीक्षा के लिए नियमित मीटिंग जरूर होनी चाहिए. उच्च अफसर व मंत्री कामकाजी दिन में भले ही अपने चैंबर में खर्राटे मारकर या फील्ड विजिट की आड़ लेकर समय काटते हों पर छुट्टी के दिन मीटिंग करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार होता है.

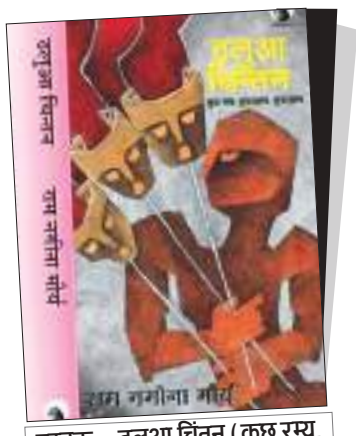

"शायद आपको मालूम नहीं है कि ऐसी हाईलेवल मीटिंग्स के लिए छुट्टी या ऑफीशियल डे कोई मायने नहीं रखते. बल्कि देर तक चलने वाली ऐसी मीटिंग्स अमूमन छुट्टियों के दिन ही रखी जाती हैं." (पेज 17)

पुस्तक – ठलुआ चिंतन (कुछ रम्य, कुछ हास्य, कुछ व्यंग्य)
कथाकार – राम नगीना मौर्य
प्रकाशक – रश्मि प्रकाशन लखनऊ
प्रथम संस्करण – 2024
मूल्य – 300 रुपए , पेज – 188

उस पर ₹हाईलेवल मीटिंग₹ तो सोने पर सुहागा है. कुछ विभागाध्यक्ष इसी बहाने घूमने-फिरने की जुगाड़ कर लेते हैं. वहीं कुछ विभागाध्यक्ष छुट्टी मनाने व मीटिंग की प्रताड़ना से बचने के लिए पतली गली से निकलने की जुगाड़ में अपने मातहतों को चने के झाड़ पर चढ़ाकर या झाड़ का काढ़ा पिलाकर अपनी बला उनके सिर पर टाल देते हैं. "ठलुआ चिंतन" का पहला चिंतन

"हाईलेवल मीटिंग" कार्यालयों की कार्यप्रणाली व बैठकों की ठलुआगीरी पर जबरदस्त कटाक्ष है.

"हां, बस्स इतना ध्यान रखिएगा, यदि अध्यक्ष महोदय कुछ पूछें तो प्रत्युत्तर में जवाब कॉन्फिडेंटली दीजिएगा, जैसे... 'दिखवा लेंगे सर..., आपकी चिट्ठी कल ही मिली है सर..., उसी पर जोर-शोर से काम चल रहा है, वगैरह-वगैरह." (पेज 19)

गलियों व सड़कों यहां तक भारी-भरकम टोल-टैक्स वाले हाई वे तथा एक्सप्रेस वे तक पर गड्ढे पाए जाना देश की संस्कृति तथा घूसखोरी की चिकनी राहों पर चलने वाले नौकरशाहों व नेताओं के कानों की ठेक राष्ट्रीय बीमारी बन गई है. ठलुआगीरी का "गड्ढा" चिंतन इन्हीं गड्ढों से उत्पन्न परेशानियों व चोटिल हुए लोगों व लोगों की मसखरियों का बढ़िया आख्यान है.

"भाई साहब, चिंता न करें. जिस तरह मुख्य मार्ग से इस कॉलोनी की गली में मुड़ते ही मुहाने पर बारोमासी टूटा हुआ सीवर एक लैंडमार्क की तरह है, उसी तरह यह गड्ढा भी आपके घर तक पहुंचने का सटीक दिशासूचक है." (पेज 67)

मौर्य जी स्वयं बड़े अधिकारी हैं. इसलिए कार्यालयीय कार्य प्रणाली व कर्मचारियों की कार्य पद्धति 'नो वर्क, नो रिस्क" से भली-भांति परिचित हैं. "गुरु-मंत्र" में वरिष्ठ सहकर्मी सज्जन बाबू के रिटायरमेंट पर सफल सेवा के गुरु-मंत्र या कहा जाए गुरु-घंटाले का ठलुआ चिंतन है.

"बस्स, इतना ध्यान रखिए, किसी काम में अति उत्साह मत दिखाइए. अन्यथा यह कालांतर में भारी पड़ सकता है. येन-केन-प्रकारेण अपने बॉस की हां- में- हां मिलाते रहिए. आप जो हों, वह दिखें नहीं, जो दिखें, वो हों न." (पेज 109)

मौर्य जी ने अपने आस-पास की बेतरतीब घटनाओं, प्रसंगों, पात्रों को तरतीब से अपनी पुस्तक "ठलुआ चिंतन" में रचा है कि लोग कुछ पल तो खुलकर हंसें जिससे डॉक्टर के यहां जाने से बचें. इनमें आम प्रचलन की बोली-बानी होने से मर्म पाठकों के दिल में सीधे उतर जाता है. लखनउआ व कनपुरिया शब्दों का प्रयोग तथा ठेठ लहजे का छौंक मन को उल्लसित-हुलसित कर देता है. अशोक भौमिक द्वारा चित्रित पुस्तक आवरण विषयानुकूल है.

शंकरानंद की कविताएं

शंकरानंद

खबर नहीं

दूर तक खाली पड़े हैं खेत
जैसे किसी उत्सव के बाद
पंडाल उजाड़ लगता है.

कहीं फसलें कट चुकी हैं
कहीं काटी जा रही हैं
उन्हें हटाने की जल्दी में बहता है पसीना

मौसम का कोई भरोसा नहीं
कभी धूप रहती है सुबह
दोपहर तक बादल घेर लेते हैं आसमान
शाम तक बारिश में भीगता है समय.

अभी सड़क पर पसरा
मकई का दाना भीग गया
उसे सूखने के लिए धूप चाहिए अब
सबकुछ बिखरा हुआ है
दाने, खेत, खलिहान, किसान, सब

जो लोग बाजार में बैठे दानों के भाव तय कर रहे
उन्हें इसकी रत्ती भर खबर नहीं.

बोलने की प्रतीक्षा

सब जिसकी ओर उम्मीद से देख रहे हैं कि
अब बोलेगा
वह न जाने कब से मौन है
उसकी चुप्पी बताती है कि
आवाज भी अब नहीं रही उसकी
वह भी किसी महाजन के यहां बंधक है!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

शिखर धवन को साथी खिलाड़ी गब्बर नाम से पुकारते थे. ये उपनाम धवन को घरेलू मैच के दौरान दिल्ली के उनके साथियों ने दिया था

शिखर धवन ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

गब्बर ने क्रिकेट को कहा अलविदा, दिया भावुक संदेश

मेरे दिल में सुकून है कि देश के लिए बहुत खेला

भाषा। नयी दिल्ली

- आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस ऐसा ही करने जा रहा हूं
- जांघ पर ताली बजाकर जश्न मनाने को अपना ट्रेडमार्क बना लिया था

भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है. दो साल पहले देश के लिए अपना अंतिम मैच खेलने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह तीनों प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद एक संतुष्ट इंसान के तौर पर इस खेल को अलविदा कह रहे हैं. इस 38 साल के खिलाड़ी ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में एकदिवसीय मैच के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को शुरू किया था. उन्होंने देश के लिए अपना आखिरी मैच 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला. धवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं अपनी क्रिकेट यात्रा का यह अध्याय समाप्त कर रहा हूं लेकिन मेरे साथ अनगिनत यादें हैं और मैं बहुत आभारी हूं. प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद. जय हिंद. उन्होंने इस पोस्ट के जारी वीडियो में कहा, नमस्कार सभी को, आज मैं एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं जहां से पीछे देखने पर सिर्फ यादें ही नजर आती हैं और आगे देखने पर पूरी दुनिया. मेरी हमेशा से सिर्फ एक ही मंजिल थी भारत के लिए खेलना और वो हुआ भी जिसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रगुजार हूं.

उन्होंने कहा, वो कहते हैं ना कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस मैं भी ऐसा ही करने जा रहा हूं. मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं. और अब जब मैं अपनी क्रिकेट यात्रा को अलविदा कर रहा हूं तो मेरे दिल में सुकून है कि मैं अपने देश के लिए बहुत खेला. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले हैं. धवन का क्रिकेट सोनेट क्लब में परवान चढ़ा और पश्चिम दिल्ली के इस खिलाड़ी को मैदान पर हर परिस्थिति में संघर्ष करने वाले क्रिकेट के तौर पर जाना जाता है. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भाग लिया.

निजी जीवन उथल-पुथल रहा

धवन का निजी जीवन विवादों से भरा रहा है. उनका पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक भी हो चुका है. शिखर धवन और आयशा की मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी. दोनों को मिलाने का काम टीम इंडिया के अनुभवी गेंदबाज हरभजन सिंह ने किया था. शिखर धवन से आयशा 10 साल बड़ी थीं, लेकिन लोग कहते हैं न मोहब्बत में उम्र की सीमा नहीं देखी जाती, जिसकी मिसाल शिखर ने पेश की. शिखर धवन और आयशा मुखर्जी ने साल 2009 में सगाई की और साल 2012 में दोनों ने शादी कर ली. यह आयशा मुखर्जी की दूसरी शादी थी. पहली शादी से उन्हें दो बेटियां हैं. 2014 में आयशा ने धवन के बेटे जोरावर को जन्म दिया था. धवन और आयशा नौ साल तक साथ रहने के बाद अलग-अलग हो गए. अब कानूनी तौर पर दोनों का तलाक हो चुका है. वैसे धवन की पत्नी आयशा मुखर्जी का जन्म भारत में हुआ है, लेकिन वह बाद में ऑस्ट्रेलिया की ओर रुख कर गईं. आयशा एक किकबॉक्सर हैं. उनके पिता बंगाली और मां ब्रिटेन की हैं.

क्यों हुआ तलाक?

शिखर धवन और **आयशा मुखर्जी** की शादी टूटने से पहले इन दोनों के बीच अनबन की खबरें आती रहीं. एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दोनों ने अलग होने की बात कही थी. दोनों के तलाक की वजह आयशा की पहली शादी थी. उन्होंने अपने पहले पति से वादा किया था कि वह बेटियों का ध्यान रखेंगी और ऑस्ट्रेलिया नहीं छोड़ेंगी. वहीं, धवन से उन्होंने कहा कि उनके साथ रहेंगी. शादी के बाद वह बेटे जोरावर और दोनों बेटियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती थीं. इसी वजह से दोनों के बीच अनबन हुई. आयशा ने कोर्ट में कहा कि वह वास्तव में उनके साथ भारत में रहना चाहती थीं. हालांकि, अपनी पिछली शादी से अपनी बेटियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया में रहना पड़ा, वह भारत में रहने के लिए नहीं आ सकीं

पुराने साथियों को किया याद

धवन उन लोगों को धन्यवाद देना नहीं भूले जिन्होंने भारतीय बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर रोहित शर्मा के साथ बेहतरीन साझेदारी करके उन्हें महान खिलाड़ी बनने में मदद की. उन्होंने कहा, मेरे मन में हमेशा एक लक्ष्य था कि भारत के लिए खेलना और मैंने इसे कई लोगों की बदौलत हासिल किया. सबसे पहले मेरे परिवार, मेरे बचपन के कोच तारक सिन्हा और मदन शर्मा, उनके मार्गदर्शन में मैंने क्रिकेट सीखा. उन्होंने कहा, फिर मेरी पूरी टीम, जिसके साथ मैंने वर्षों तक खेला, इस दौरान मुझे एक और परिवार, प्रसिद्धि और सभी का प्यार और समर्थन मिला. धवन आईपीएल के महान खिलाड़ियों में शामिल हैं. उन्होंने इस लीग में 222 मैचों में 6769 रन बनाये. इसमें दो शतक और 51 अर्धशतक शामिल हैं. टूर्नामेंट में उनके 768 चौके किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक हैं. वह इसमें लगातार दो मैचों में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं. वह 2016 सत्र में खिताब जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा थे. वह दिल्ली, मुंबई और पंजाब की फ्रेंचाइजी टीमें लिए भी खेल चुके हैं. इनमें से उन्होंने विभिन्न चरणों में दिल्ली और पंजाब की फ्रेंचाइजी कप्तानी भी की है.

टीम से बाहर होना पड़ा

वनडे में 44.11 की औसत से 6,793 रन बनाए

शिखर धवन ने 50 ओवर के प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 44.11 की औसत से

6,793 रन बनाए. उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 40.61 की औसत और सात शतक की मदद से 2,315 रन बनाए. धवन ने कहा, मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और डीडीसीए (दिल्ली व जिला क्रिकेट संघ) का, जिन्होंने मुझे मौका दिया और सारे फैन्स का जिन्होंने मुझे इतना सारा प्यार दिया. मैं खुद से यही बात कहता हूं कि तू इस बात से दुखी मत हो कि तू अपने देश के लिए फिर नहीं खेलेगा, पर इस बात की खुशी अपने पास रख कि तू देश के लिए खेला और यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है. दिल्ली में जन्मे इस बल्लेबाज ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार शुरुआत नहीं की और दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए थे. धवन ने शुरुआती संघर्षों के बाद, 2013 में भारतीय टीम में वापसी की और इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विजयी अभियान में प्लेयर-ऑफ-द-टूर्नामेंट बनने सहित कुछ बेहतरीन प्रदर्शन के साथ तीनों प्रारूपों की टीम में अपनी जगह पक्की कर ली. उनके शानदार करियर का एक मुख्य आकर्षण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर मोहाली में खेली गयी 185 रन की शानदार पारी थी, जिसमें उन्होंने केवल 85 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था. धवन हालांकि अपने पहले टेस्ट मैच में भाग्य ने साथ दिया था और उन्होंने शतकीय पारी खेली थी.

प्यार से इन्हें गब्बर भी पुकारा जाता था

शिखर धवन को साथी खिलाड़ी गब्बर नाम से पुकारते थे. ये उपनाम धवन को घरेलू मैच के दौरान दिल्ली के उनके साथियों ने दिया था. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और मैदान पर निडर रवैये ने उनके साथियों को गब्बर सिंह के दबदबे की याद दिलाती थी. यह नाम लोगों के दिलों में बस गया और धवन के क्रिकेट के कारनामे सिनेमाई आइकन के बड़े व्यक्तित्व से मिलते-जुलते रहे. रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलते हुए, धवन अपने उग्र रवैये और विपक्ष को स्लेजिंग करने की आदत के लिए जाने जाते थे. एक खास मैच के दौरान, सिली पॉइंट पर खड़े होकर, धवन लगातार कमेंट्री करते रहे और विपक्षी बल्लेबाजों पर मजाकिया कटाक्ष करते रहे. इन कटाक्षों में अक्सर बहुत याराना है.. सूअर के बच्चों... का वाक्य शामिल होता था. भारतीय क्रिकेट के गब्बर ने जांघ पर ताली बजाकर जश्न मनाने को अपना ट्रेडमार्क बना लिया था.

क्रिकेट जगत ने धवन के करियर के कसीदे गढ़े

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की, जिसके बाद क्रिकेट जगत ने उनके सकारात्मक रवैये और टीम भावना की सराहना की जबकि भावुक प्रशंसकों को उनके मैदान पर जश्न मनाने के अनोखे तरीके की कमी खलेगी. मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली के युग के बाद शीर्ष क्रम टीम को शानदार योगदान देने वाले धवन ने देश के लिए अपना आखिरी एकदिवसीय मैच दो साल पहले खेला था. उन्होंने अपने करियर मे भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले. धवन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में सहवाग की जगह ली थी और नजफगढ़ का नवाब 'एक्स' पर उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में शामिल था. सहवाग ने लिखा, बधाई हो शिखर. जब से आपने मोहाली में मेरी जगह ली, आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पिछले कुछ वर्षों में कुछ शानदार प्रदर्शन किये. आप मौज-मस्ती करते रहें और जिंदगी को पूरी तरह से जिएं. आपको हमेशा के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं.

शुक्रिया गब्बर

भारतीय टीम के उनके पूर्व साथी और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी उन्हें संन्यास लेने पर बधाई दी. गंभीर ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई शिखर. मुझे पता है कि आप भविष्य में जो कुछ भी करेंगे उसके जरिए वही खुशी फैलाएंगे. भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं. हार्दिक पंड्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, आपके लिए सिर्फ शुभकामनाएं शिखर पा. शानदार करियर के लिए बधाई. श्रेयस ने धवन को टैग करते हुए लिखा, बधाई हो शिखर पा. भविष्य में आपके साथ जो भी हो उसके लिए शुभकामनाएं. भारत के पूर्व महान स्पिनर और कोच अनिल कुंबले ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई, शिखर धवन, आपको अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं. आपका संन्यास का जीवन शुभ हो. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी बाएं हाथ के बल्लेबाज को बधाई देते हुए लिखा, शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं, हम उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं देते हैं. वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि धवन न सिर्फ एक महान क्रिकेटर रहे है बल्कि मैदान के बाहर भी एक अच्छे इंसान है.

उन्होंने लिखा, शानदार करियर के लिए शिखर को बहुत-बहुत बधाई. मुझे शिखर के बारे में जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि वह एक शानदार क्रिकेटर है, इसके अलावा वह एक ऐसे व्यक्ति है जो हमेशा मिलनसार रहे हैं और हर स्थिति में सकारात्मक चीजों को देखते थे. आपको आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं. धवन 2004 में भारत की आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीत में टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे. उन्होंने अपने खेल में लगातार प्रगति की और 2010 में एकदिवसीय में पदार्पण किया.

ब्रीफ खबरें

अंडर-17 टीम इंडोनेशिया की चुनौती के लिए तैयार

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष अंडर-17 फुटबॉल टीम रविवार और अगले मंगलवार को बाली में इंडोनेशिया के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए तैयारी में जुटी है. शुक्रवार की रात को टीम ने स्थानीय टीम बाली यूनाइटेड एफसी अंडर-20 के खिलाफ अभ्यास मैच खेला जो 2-2 से ड्रॉ रहा. भारत के लिए मोहम्मद समी और मोहम्मद अरबाश ने गोल किए. कोच इश्फाक अहमद की भारतीय अंडर-17 टीम अगले महीने भूटान में होने वाली सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप और उसके बाद अक्टूबर में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी में जुटी है. इंडोनेशिया जाने से पहले खिलाड़ी डेढ़ महीने से अधिक समय से श्रीनगर में ट्रेनिंग कर रहे थे. अहमद ने कहा, हमने कल के अभ्यास मैच में अपनी पूरी टीम को आजमाया और परखा.

सारा-विशाल ने मिश्रित युगल ओपन जीता

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष रैंकिंग की महिला खिलाड़ी सारा बर ने विशाल मसंद के साथ मिलकर यहां मॉनसून पिकलबॉल चैम्पियनशिप 2.0 का मिश्रित युगल ओपन खिताब जीता. फाइनल कड़ी टक्कर वाला मुकाबला रहा, जिसमें ईशा लखानी और जेसन टेलर ने दबदबा बनाया लेकिन अनुभवी खिलाड़ी सारा शुक्रवार रात को नतीजे में निर्णायक रहीं, जिन्होंने 2-0 से जीत दर्ज की. चैम्पियनशिप के चौथे दिन छह वर्गों में विजेता रहे.

एशियाड के लिए सर्फिंग का कोटा हासिल

भाषा। माले (मालदीव)

भारत ने जापान के एची नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए सर्फिंग स्पर्धा का अपना पहला कोटा यहां चल रही एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के जरिये हासिल किया जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्वालीफाई कर लिया. एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप में सर्फरों द्वारा हासिल किये गये रैंकिंग अंक के आधार पर कोटा प्रदान किया गया. किशोर कुमार शनिवार को सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कड़ी स्पर्धा में करीब से चूक गये, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका शानदार प्रदर्शन भारत को एशियाई खेलों का कोटा दिलाने के लिए काफी था. किशोर सेमीफाइनल की दूसरी हीट में 8.26 के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहे.

इससे वह चीन के चेंगझेंग वांग से पीछे रहे जिन्होंने 10.00 के स्कोर से दूसरा स्थान और जापान के तारो तकाई ने 14.50 के स्कोर से पहला स्थान हासिल किया. एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप एशियाई खेलों की क्वालीफायर प्रतियोगिता है जिसमें आठ भारतीय सर्फर ने चार वर्गों में हिस्सा लिया. हरीश मुथु भी एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने.

मनु के साथ ट्रेनिंग का ज्यादा मौका नहीं मिला

बेंगलुरू । मनु भाकर के साथ मिलकर भारत को मिश्रित निशानेबाजी स्पर्धा में पहला ओलंपिक दिलाने वाले सरबजोत सिंह ने शनिवार को कहा कि उन्हें अपनी स्पर्धा से पहले एक साथ ट्रेनिंग करने का बमुश्किल ही मौका मिला था. मनु और सरबजोत ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया. सरबजोत ने कहा, मेरी ट्रेनिंग नौ बजे होनी थी और उसकी 12 बजे. दोनों की ट्रेनिंग अलग-अलग. मिश्रित ट्रेनिंग सत्र 30 मिनट तक रहा, जिसके पहले वह अलग से ट्रेनिंग करती थीं और मैं अलग से. उन्होंने कहा, हमारी बातचीत आमतौर पर संक्षिप्त रही जिसमें बातें 'अपना शत प्रतिशत देना है' बस यहीं तक सीमित रहती.

बांग्लादेश को लीड, बना लिए 565 रन

एजेंसी। रावलपिंडी

रावलपिंडी में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. शनिवार को मैच का चौथा दिन रहा. पहली पारी में बांग्लादेश की टीम बढ़त हासिल करने में कामयाब रही है. पाकिस्तान ने पहली पारी में 448 रन बनाकर पारी घोषित की थी. बांग्लादेश ने इसके जवाब में अपनी पहली पारी में 565 बनाया और बढ़त हासिल की. दूसरी पारी में पाकिस्तान का पहला विकेट जल्दी गिर गया. बांग्लादेश को पहली पारी में बढ़ाने में मुशफिकुर रहीम का सबसे बड़ा योगदान रहा.

मुशफिकुर रहीम ने 341 गेंदों का सामना करते हुए 191 रन बनाए, हालांकि वह अपने दोहरे शतक से चूक गए. मुशफिकुर रहीम ने अपनी इस पारी में 22 चौके और 1 छक्का जड़ा. वहीं, शादमान इस्लाम ने भी शानदार 93 रन बनाए. मॉमिनुल हक और लिट्टन दास भी अर्धशतक जड़कर आउट हुए. पाकिस्तान की दूसरी पारी जारी है. मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था. ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 6 विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाए और पारी घोषित कर दी. पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद का ये फैसला अब टीम को भारी पड़ रहा है.

पेरिस पैरालंपिक — खेलों में सफलता पाने के लिए निजी जीवन में बहुत त्याग किया

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाई की निगाहें पदक पर

भाषा। नयी दिल्ली

पैरालंपिक खेलों के पिछले चरण में स्वर्ण पदक जीतने में असफल होने के बाद पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाई की निगाहें पेरिस में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल करने पर टिकी हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह अपने परिवार के सदस्यों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने में सफल रहेंगे जिन्होंने काफी बलिदान किया है. सुहास पिछले तीन वर्षों से दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयारी में जुटे हैं. 2007 बैच के आईएएस अधिकारी सुहास ने टोक्यो पैरालंपिक

में एसएल-4 श्रेणी में रजत पदक जीता. उन्होंने कोविड काल के दौरान गौतमबुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के रूप में कार्य किया और प्रयागराज के डीएम भी रहे. अभी यह अर्जुना पुरस्कार विजेता उत्तर प्रदेश सरकार के एक विभाग युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में तैनात हैं. लेकिन सुहास स्वीकार करते हैं कि उनकी यह यात्रा आसान नहीं रही. सुहास ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों से पहले पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, मैंने अपने निजी जीवन का बहुत त्याग किया है. मैंने अपना निजी जीवन खेलों को समर्पित कर दिया है. पिछले छह महीनों में अपनी नौकरी के अलावा मैं अपना काफी समय खेल को दे रहा हूं. आप जीवन में सब कुछ नहीं पा सकते, जब आप देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं तो हर किसी को चीजों को प्राथमिकता देनी होती है. आपको जो भी कर रहे हैं उसका आनंद लेना चाहिए. प्रक्रिया का आनंद लें. उन्होंने कहा, असल राज यही है कि आप जो करते हैं उसका आनंद लें. सुहास की शादी रितु सुहास से हुई है जो पीसीएस अधिकारी हैं और गाजियाबाद में एडीएम (प्रशासन) के पद पर तैनात हैं. उनकी बेटी सान्वी पांच साल की है और बेटा विवान दो साल का है.

सुहास ने कहा कि खेलों में उनकी सफलता के पीछे असली आधार उनके परिवार का समर्थन है. उन्होंने कहा, उनके (परिवार) समर्थन के बिना मैं आज जो हूं, वह नहीं होता. उन्होंने मुझे बैडमिंटन में अपने सपनों को पूरा करने से कभी नहीं रोका. उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मुझे अपने खेल में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित किया. सुहास इस समय अपनी श्रेणी में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी हैं और उनकी निगाहें स्वर्ण पदक जीतने पर लगी हैं लेकिन वह किसी भी तरह का दबाव लेने के मूड में नहीं हैं. उन्होंने कहा, अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है, खेलों की तैयारी अच्छी है. लेकिन मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता. मैं आत्ममुग्ध नहीं हो सकता. मैं आगे बहुत अधिक नहीं सोचना चाहता.

पैरालंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजी दल पेरिस रवाना

भाषा। नयी दिल्ली

पिस्टल निशानेबाज मनीष नरवाल ने आगामी पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजी दल के तोक्यो पैरालंपिक में पदक तालिका को पार करने पर भरोसा जताते हुए शनिवार को कहा कि 'कड़े' अभ्यास के बाद टीम अच्छी स्थिति में है.

राइफल निशानेबाज अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल और नरवाल सहित 10 सदस्यीय निशानेबाजी दल 30 अगस्त से पेरिस के पास शेटराउ में आयोजित होने वाले निशानेबाजी स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगी. भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे. टोक्यो में 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) में स्वर्ण पदक जीतने वाले नरवाल ने शनिवार को टीम के रवाना होने से पहले कहा, हमारी तैयारियां अच्छी हैं और हम पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं. हमारा लक्ष्य अपने पिछले प्रदर्शन को पार करना और अधिक पदक घर लाना है. नरवाल पेरिस खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगे. नरवाल, अवनी और मोना के अलावा टीम के अन्य सदस्य अमीर अहमद भट, रुद्रांश खंडेलवाल, रुबीना फ्रांसिस, स्वरुप उनहालकर, सिद्धार्थ बाबू, श्रीहर्ष देवराड़ी और निहाल सिंह है.

ब्रीफ खबरें

नालंदा में दो पक्षों के बीच गोलीबारी

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के एकंगरसराय थानाक्षेत्र में शनिवार की सुबह पीर बिगहा इलाके में दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पीरबिगहा पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंची और घटना का सत्यापन करने पर पता चला कि यह गोलीबारी पुराने जमीनी विवाद के कारण हुई थी. पुलिस ने बताया कि प्रथम पक्ष के कारू प्रसाद और द्वितीय पक्ष के भूषण कुमार के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था.

सड़क दुर्घटना में किसान की मौत, सड़क जाम

बिहारशरीफ । नालंदा में शनिवार की सुबह सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से एक किसान की मौत हो गयी. घटना के विरोध में मृतक के परिजन और ग्रामीणों नें बिहारशरीफ-बरबाघा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 82 को जाम कर दिया है. जाम से वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है. आक्रोशित लोग जिला प्रशासन को घटनास्थल पर बुलाने की मांग कर रहे थे. घटना की सूचना पाकर बिहारशरीफ के प्रखंड विकास पदाधिकारी मणिष कुमार और बिहारशरीफ थानाध्यक्ष ने घटनास्थल पर जाकर लोगों को समझाकर जाम समाप्त करने की पहल की.

विक्रम हत्याकांड में दो अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के शाहकुंड थाना अंतर्गत बीते 21 अगस्त को गोरगामा गांव के रहने वाले विक्रम कुमार के हत्या मामले में पुलिस ने दो अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. उक्त आशय की जानकारी शनिवार को सिटी एसपी श्रीराज ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी. सिटी एसपी ने बताया कि बीते 21 अगस्त को विक्रम कुमार का शव छत पर पाया गया था. मृतक विक्रम की मां ने थाना में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया थी. इसके बाद घटनास्थल पर एफएसएल की टीम, पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था एवं स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया.

पूर्णिया में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

बाधाएं हुई दूर, एयरपोर्ट बनने का रास्ता हुआ साफ

संवाददाता । पूर्णिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को पूर्णिया एयरपोर्ट पहुंचे और एयरपोर्ट अथॉरिटी, एयरपोर्ट के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन तथा राज्य स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में खाद आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह एवं सदर विधायक विजय खेमका भी मौजूद रहे. बैठक में जो मूलभूत समस्याओं को लेकर एयरपोर्ट निर्माण में समस्याएं आ रही थी उसका समाधान लगभग निकाल लिया गया है. सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट आदेश दिया है कि जल्द से जल्द इन बाधाओं को दूर कर निर्माणकार्य को आगे बढ़ाया जाए. फोरलेन से कनेक्ट कनेक्टिविटी के मामले का भी रास्ता निकाला गया है. सूचना अनुसार एक अंडर पास पुल बनाने का निर्णय लिया गया है. फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्णिया के काझा कोठी पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने बिहार के तीन बार मुख्यमंत्री रहे भोला पासवान शास्त्री के आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की . मुख्यमंत्री दिल्ली हाट के तर्ज पर विकसित किये जा रहे मिथिला हाट का भी निरीक्षण किया . इस दौरान मुख्यमंत्री ने काझा कोठी से पूर्णिया के नवनिर्मित आठ थाना का उद्घाटन किया. मुख्यमंत्री काझा कोठी स्थित तालाब को विकसित करने और पर्यटकों के लिए खोलने का भी निर्देश दिया .

जल्दी एयरपोर्ट का सपना होगा साकार : लेसी सिंह

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर हुई हाई लेवल मीटिंग के बाद कहा कि पूर्णिया के ऐतिहासिक धरती पर बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री, विकास पुरुष नीतीश कुमार का आगमन हुआ . इस अवसर पर चूनापुर सैन्य हवाई अड्डे पर उनका स्वागत अभिनंदन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ . उसके बाद हवाई अड्डे स्थित सभा कक्ष में मुख्यमंत्री के साथ में हवाई अड्डे से संबंधित समीक्षात्मक बैठक में शामिल हुई .

बिहार प्रदेश जदयू की 115 सदस्यीय समिति का गठन

- पिछली कमेटी में 550 सदस्य शामिल थे लेकिन नई कमेटी में संख्या को घटाकर 115 कर दिया गया है

संवाददाता । पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने शनिवार को बिहार प्रदेश कमेटी को भंग करने के एक घंटे के भीतर ही नई प्रदेश कमेटी का एलान कर दिया गया है. पार्टी के 115 नेताओं को अहम जिम्मेवारी सौंपी गई है. जदयू की पुरानी कमेटी को प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने आज ही भंग किया था. अब 115 सदस्यों वाली नई कमेटी की घोषणा कर दी गई है. पिछली कमेटी में 550 सदस्य शामिल थे लेकिन नई कमेटी में संख्या को घटाकर 115 कर दिया गया है. नई कमेटी में 10 उपाध्यक्ष, 49 महासचिव, 46 सचिव, 9 प्रवक्ता समेत एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की गई है. उल्लेखनीय है कि 2023 के मार्च में जदयू की जंबोजेट प्रदेश कमेटी का गठन किया गया था. 21 मार्च, 2023 को जारी जेडीयू की प्रदेश कमेटी में 20 उपाध्यक्ष, 105 महासचिव, 114 प्रदेश सचिव और 11 नेताओं को पार्टी का प्रवक्ता बनाया गया था. इसके अलावा एक कोषाध्यक्ष भी बनाये गये थे. सबसे पहले 251 नेताओं को प्रदेश का पदाधिकारी बनाया गया था. बाद में कुछ और लोग जोड़े गये थे. जदयू की प्रदेश कमेटी लगभग 260 लोगों की थी.

बिहटा के अमहरा स्थित हीरो साइकिल फैक्टरी के पास हुई घटना

ट्रक में लगी आग, चालक की मौत, 16 लाख का नुकसान

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना में बिहटा के अमहरा स्थित हीरो साइकिल फैक्टरी के समीप बिजली के तार के संपर्क में आने से एक कंटेनर ट्रक में आग लग गयी. इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गयी. ट्रक में लुधियाना से साइकिल के पार्ट्स लोडकर लाए जा रहे थे. करीब 16 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है. मृतक चालक बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला जय प्रकाश राम था.

बिहटा हीरो साइकिल फैक्टरी के सिक्योरिटी इंचार्ज जनार्दन तिवारी ने शनिवार को बताया कि बीते शुक्रवार की लगभग रात 01:45 बजे कंटेनर ट्रक लुधियाना से बिहटा हीरो साइकिल फैक्टरी के लिए सामान लेकर पहुंचा था. इस दौरान फैक्टरी के पास पहले से 11 हजार का बिजली का तार टूट कर सड़क पर गिरा हुआ था, जिसके संपर्क में ट्रक चालक ट्रक समेत आ गया. ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई. आग लगने की खबर हीरो साइकिल फैक्टरी के अधिकारियों और कर्मचारी को दी गई. मौके पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस और दमकल को सूचना दी. इसके बाद आग को बुझाया गया.

आईआईटी अमहरा थाना के थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने शनिवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बिजली के संपर्क में आने से आग लग गई. संपर्क में आने से ट्रक का चालक की मौत हो गयी है. उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है. क्षति का भी आंकलन किया जा रहा है. करीब 16 लाख का नुकसान बताया जा रहा है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

छपरा में गरीब रथ ट्रेन में लगी आग, बड़ा हादसा टला

पटना । छपरा-वाराणसी रेल खंड के गौतम स्थान स्टेशन पर शनिवार को डाउन गरीब रथ एक्सप्रेस की दो बोगियों के बीच जॉइंट में आग लग गई. आग देखते ही यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया, जिसके बाद तत्काल गार्ड और ड्राइवर ने ट्रेन को गौतम स्थान स्टेशन पर रोक दिया. मौके पर रेलवे कर्मी जमा हो गए और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे. थोड़ी ही देर की मशक्कत के बाद रेल कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया. ट्रेन जब गौतम स्थान स्टेशन पार कर रही थी तभी लोगों ने दो बोगियों के बीच जॉइंट से धुआं उठते हुए देखा. उसके बाद लोगों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया. बाद में स्टेशन कर्मचारियों ने गार्ड और ड्राइवर को ट्रेन रोकने को कहा. सूचना मिलते ही गार्ड ड्राइवर ने ट्रेन को गौतम स्थान स्टेशन पर रोका.

मोतिहारी पुलिस ने 15 करोड़ का चरस व गांजे का खेप किया बरामद

पूर्वी चंपारण । जिला पुलिस की टीम ने नशे की बड़ी खेप को बरामद किया है. हरसिद्धि थाना पुलिस को यह सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने धवही गांव से करीब 60 किलो चरस व गांजा की बड़ी खेप को बरामद किया है. जिसका अनुमानित कीमत 15 करोड़ बतायी जा रही है. इस दौरान पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है. जिससे पूछताछ की जा रही है. एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली गुप्त सूचना के बाद डीएसपी अरेराज रंजन कुमार के नेतृत्व में हरसिद्धि थाना पुलिस ने उक्त कार्रवाई की है.

पटना में भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, हड़कंप

संवाददाता । पटना

पटना के नौबतपुर में एक तेज रफ्तार वाहन ने दो युवकों को कुचल दिया. इसमें दोनों की मौत मौके पर हो गई. घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और नौबतपुर पटना सड़क को जाम कर जमकर हंगामा शुरू कर दिया. हंगामा कर रहे लोग मुआवजा की मांग कर रहे थे. सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया. नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि एक युवक मोटरसाइकिल से जा रहा था, जबकि एक युवक सड़क पर टहल रहा था. इसी बीच वाजिदपुर के नजदीक तेज रफ्तार से आ रही एक वाहन ने दोनों को कुचल दिया. इस हादसे में दोनों लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. दोनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दी है. बताया जा रहा है कि दियारा के महंगु पुर निवासी नीतीश कुमार (18) अपनी मोटरसाइकिल से नौबतपुर आ रहा था.

बारिश से नेपाली नदियों में उफान

रक्सौल शहर में घुसा बाढ़ का पानी

पूर्वी चंपारण । नेपाल में बीते दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से सभी नेपाली नदिया उफान पर है. नेपाल से निकलकर पूर्वी चंपारण जिले में बहने वाली सरिसवा, तिलावे, बंगरी, गाद दुधौरा व तीयर समेत सभी नदिया खतरे के निशान के ऊपर बह रही है. सरिसवा नदी के जलस्तर के बढ़ने के कारण रक्सौल शहर के सुंदरपुर, इस्लामपुर, गांधी नगर, अहिरवाटोला, छठिया घाट समेत करीब आधा दर्जन मुहल्ले में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है. जिससे लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. स्कूली बच्चे, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिक खासा परेशानी का सामना कर रहे हैं. स्थानीय नागरिकों ने बताया कि अब तक कोई प्रशासनिक सहायता नहीं मिल सका है.

जलजमाव के कारण लोगों ने विरोध में मुख्य सड़क पर रोपे धान

सहरसा : सहरसा में थोड़ी सी बारिश होती है कि शहर के अधिकतर मोहल्लों की सड़कें डूब जाती हैं . नगर निगम जल निकासी की न तो अस्थायी व्यवस्था करता है और न ही स्थायी . इन्हीं हालातों को देखते हुए पॉलिटेक्निक रोड पर घुटने भर जमे पानी में धान रोपकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने विरोध जताया .

कारोबार

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को मिला ठेका

नयी दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को 300 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से ठेका मिला है. कंपनी के बयान के अनुसार, इससे कंपनी की कुल 'लॉक-इन' उत्पादन क्षमता बढ़कर 16.7 गीगावाट हो गई है, जिसमें 2.6 गीगावाट की कुल 'लॉक-इन' हाइब्रिड क्षमता भी शामिल है. बयान में कहा गया, यह परियोजना कंपनी की ऊर्जा समाधान पेशकश को बढ़ाती है. साथ ही यह ऊर्जा उत्पाद व सेवा कंपनी बनने में उसकी मदद करेगी.

बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में भागीदार बने

नयी दिल्ली । ई-वाणिज्य कंपनी मैजिकपिन के सह-संस्थापक बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में पूर्णकालिक भागीदार के रूप में शामिल हो गए हैं. प्रारंभिक चरण की उद्यम पूंजी कंपनी प्राइम वीपी ने कहा कि इस भूमिका में भूषण निवेश दल के प्रमुख सदस्य होंगे. कंपनी के निवेश, खंड प्रबंधन और वित्त पोषण से जुड़े सभी पहलुओं में उनकी अहम भूमिका होगी. प्रबंध साझेदार अमित सोमानी ने कहा, बृज भूषण रणनीतिक विचार, निष्पादन उत्कृष्टता और कंपनी निर्माण के लिए आवश्यक दीर्घकालिक सोच का एक अनूठा संयोजन लेकर आए हैं.

जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट दाखिल किए दस्तावेज

नयी दिल्ली । ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्मम के जरिये 4,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किये हैं. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, निर्गम 1,250 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 2,750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकेश (ओएफएस) का संयोजन है. कंपनी ने नए निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल प्रवर्तक से आईजीआई बेल्जियम समूह और आईजीआई नीदरलैंड समूह के अधिग्रहण के लिए करने का प्रस्ताव किया है.

गोल्ड फेस्टिवल

बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बेंगलुरु गोल्ड फेस्टिवल की घोषणा करतीं अभिनेत्री रचिता राम.

एमजी विंडसर ने अपने नए वीडियो में सेगमेंट के पहले 'इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ' किया प्रदर्शित

भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटीलिटी व्हीकल किया लॉन्च

एजेंसी । गुरुग्राम

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एक नए वीडियो में अपने बहु-प्रतीक्षित वाहन-एमजी विंडसर-भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटीलिटी व्हीकल (सीयूवी), के 'इनफिनिटी ग्लास रूफ' को प्रदर्शित किया. इस इन्नोवेशन में एक शानदार डिजाइन है, जो कार के आलीशान केबिन के साथ आउटडोर वातावरण को उत्कृष्ट बनाता है, जिससे वाहन में बैठने वालों को एक पैनोरैमिक और प्रभावी ड्राइविंग अनुभव मिलता है. इस एक्सपैनसिव ग्लास रूफ के साथ, एमजी विंडसर को खरीदने वाले बाहरी वातावरण, चाहे फिर शहरी लैंडस्कैप हो या मनोरम पर्यटन स्थल, के साथ एक निर्बाध कनेक्शन का आनंद उठा सकेंगे. अपनी तरह का यह अनूठा फीचर न केवल एक लग्जरी टच प्रदान करता है, बल्कि स्पेस की भावना को भी बेहतर बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप एडवांस्ड केबिन के भीरत एक हवादार एहसास महसूस होता है, जिससे हर यात्रा और अधिक आनंददायक बन जाती है.

इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ विंडसर के सुरुचिपूर्ण डिजाइन में चार चांद लगाता है, जो इसे उन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है, जो प्रीमियम स्टाइल और कम्फर्ट दोनों को पसंद करते हैं. यह टीजर सीयूवी के सेगमेंट-फर्स्ट एयरो-लाउंज सीटों के हालिया खुलासा करने के बाद आया है, जिसने पहले ही कम्फर्ट

और लग्जरी के लिए नए मानक स्थापित कर दिए हैं. ये फीचर्स एमजी विंडसर को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पहली पसंद में से एक बनाती है, जो व्यावहारिकता और प्रदर्शन से समझौता किए बिना प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव हासिल करना चाहते हैं. इंटेलिजेंट सीयूवी प्रतिष्ठित वास्तुशिल्प रचना और शाही विरासत के प्रतीक- ब्रिटेन के विंडसर महल से प्रेरित है. ऐतिहासिक महल की तरह, एमजी विंडसर शानदार शिल्प कौशल और उत्कृष्टता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. हर छोटी-छोटी बारीकी पर ध्यान देना दुनिया के इस सबसे बड़े भू-भाग वाले महल की एक और खासियत है.

एमजी विंडसर इस उत्कृष्टता को प्रतिबिंबित करती है, यह सुनिश्चित करती है कि कार के हर पहलू को विंडसर महल के जैसी विशिष्टता और विलासिता को प्रतिबिंबित करने के लिए सटीक रूप से तैयार किया गया है. जैसे-जैसे भारतीय सड़कों का नेटवर्क और बुनियादी ढांचे का विकास निरंतर हो रहा है, इसके कारण सीयूवी की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है. सीयूवी एयरोडायनामिक डिजाइन और स्पेसियस इंटीरियर का एक आदर्श मिश्रण है, जो इसे भीड़भाड़ वाली शहरी सड़कों और छोटे शहरों की सकरी रोड के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है. इसकी बहुमुखी प्रतिभा और अनुकूलन क्षमता के कारण, सीयूवी यह सुनिश्चित करती है कि परिवार पर्याप्त कम्फर्ट के साथ यात्रा करें, चाहे फिर यह दैनिक यात्रा हो या वीकेंड पर घूमना. वाहन का उच्चतम ग्राउंड क्लियरेंस, सड़क पर गड्ढे, स्पीड ब्रेकर और ऊबड़खाबड़ सतह को बेहतर ढंग से देखने में मदद करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक आसान और अधिक आरामदायक ड्राइव अनुभव मिलता है.

हीरो मोटर्स ने आईपीओ के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

हीरो मोटर्स कंपनी (एचएमसी) समूह की वाहन कलपुर्जा फर्म हीरो मोटर्स लिमिटेड ने आईपीओ लाने के लिए शनिवार को बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया. कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है. मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे. इसके अलावा प्रवर्तक 400 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे. ओएफएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स 250 करोड़ रुपये और भाग्योदय इंवेस्टमेंट्स तथा हीरो साइकिल्स 75-75 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश कर रहे हैं. कंपनी आईपीओ से पहले 100 करोड़ रुपये जुटा सकती है, और ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा. नए निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, क्षमता विस्तार और अन्य कार्यों के लिए किया जाएगा.

खरीदेगी जायडस कंपनी

एजेंसी । नयी दिल्ली

जायडस लाइफसाइंसेज ने स्टर्लिंग बायोटेक में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए परफेक्ट डे इंक के साथ समझौता किया है. जायडस लाइफसाइंसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी. इस सौदे के तहत टेमासेक पोर्टफोलियो कंपनी परफेक्ट डे इंक, स्टर्लिंग बायोटेक में अपनी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी अज्ञात राशि में बेचेगी. जायडस लाइफसाइंसेज ने बयान में कहा कि इस सौदे के बाद स्टर्लिंग बायोटेक 50-50 का संयुक्त उद्यम बन जाएगी और निदेशक मंडल में इसका प्रतिनिधित्व बराबर होगा. सौदे के वित्तीय विवरण साझा नहीं किए गए.

बयान के अनुसार, संयुक्त उद्यम वैश्विक बाजारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किण्वित पशु-मुक्त प्रोटीन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण इकाई लगाएगी. गुजरात की इस कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण से जाइयस ने स्वास्थ्य और पोषण के लिए विशेष जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों के क्षेत्र में भी कदम रखा है. यह विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए है जो पशु-मुक्त प्रोटीन पसंद करते हैं.

अमेजन इंडिया की बिक्री शुल्क 12% तक घटाने की घोषणा

मुंबई । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने शनिवार को त्योहारी सत्र से पहले विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में 12 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा की . अमेजन इंडिया ने कहा कि नौ सितंबर से लागू होने वाली शुल्क कटौती से विक्रेताओं को मंच पर अपने उत्पाद खंड का विस्तार करने में मदद मिलेगी और वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा . कंपनी ने कहा, इन बदलावों के साथ अमेजन इंडिया पर विक्रेताओं को विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में तीन से 12 प्रतिशत तक की कमी का लाभ मिलेगा .

लगाया आरोप ट्राइजेटो ने एक अमेरिकी संघीय अदालत में इन्फोसिस के खिलाफ की कार्रवाई

कॉग्निजेंट ने इन्फोसिस के खिलाफ केस दायर किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी कॉग्निजेंट की अनुषंगी कंपनी ट्राइजेटो ने एक अमेरिकी संघीय अदालत में इन्फोसिस के खिलाफ मुकदमा दायर किया है. ट्राइजेटो ने बेंगलुरू स्थित कंपनी पर कारोबारी रहस्य और स्वास्थ्य बीमा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी चुराने का आरोप लगाया है. हालांकि, इन्फोसिस ने एक बयान जारी कर सभी आरोपों को खारिज किया है. कंपनी ने कहा कि उसे मुकदमे की जानकारी है और वह अदालत में अपना पक्ष रखेगी.

कॉग्निजेंट ने टेक्सास संघीय अदालत में दायर मुकदमे में इन्फोसिस पर ट्राइजेटो के सॉफ्टवेयर- फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी से अवैध रूप से आंकड़ा प्राप्त करने तथा उसका उपयोग प्रतिस्पर्धी उत्पाद विकसित करने और विपणन करने के लिए करने का आरोप लगाया है. कॉग्निजेंट की पेशकशों में ट्राइजेटो के फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी शामिल हैं. इनका उपयोग स्वास्थ्य बीमा कंपनियां कार्यों को स्वचालित करने के लिए करती हैं.

न्यू जर्सी के टीनेक में स्थित कॉग्निजेंट के अधिकांश कर्मचारी भारत में हैं. कॉग्निजेंट ने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि इन्फोसिस ने टेस्ट केस फॉर फेसेट्स बनाने के लिए ट्राइजेटो के सॉफ्टवेयर का दुरुपयोग किया. फेसेट्स ने उसके डेटा को इन्फोसिस उत्पाद में पुनः पैक कर दिया. इसके अलावा, इसने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि इन्फोसिस ने क्यूएनएक्सटी से डेटा निकालने के लिए सॉफ्टवेयर बनाया, जिसमें ट्राइजेटो की गोपनीय जानकारी शामिल थी. यह ध्यान देने वाली बात है कि इसी सप्ताह कॉग्निजेंट ने राजेश नांबियार के इस्तीफे के बाद इन्फोसिस के पूर्व कार्यकारी अधिकारी राजेश वारियर को परिचालन का वैश्विक प्रमुख और भारत के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में नियुक्त किया है.

नांबियार नैसकॉम के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं. इसके अलावा, कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एस भी इंफोसिस में काम कर चुके हैं. रवि कुमार ने बेंगलुरु स्थित फर्म इन्फोसिस में 20 साल के करियर में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाई हैं. वे इन्फोसिस में जनवरी, 2016 से अक्टूबर, 2022 तक अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

बलूचिस्तान में विस्फोट तीन की हुई मौत

कराची । पाकिस्तान में अशांत बलूचिस्तान प्रांत के एक बाजार में शनिवार को हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई तथा दो पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल हो गए. समाचार पत्र 'द डॉन' ने पिशिन सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी हताहतों की सूची के हवाले से अपनी खबर में बताया कि यह विस्फोट पिशिन जिले के सुर्खाब चौक के निकट मुख्य बाजार में हुआ, जिसमें दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 14 अन्य घायल हो गए.

पिता बने जस्टिन बीबर हैली ने दिया बेटे को जन्म

लॉस एंजिलिस। जस्टिन बीबर की पत्नी हैली बीबर ने बेटे को जन्म दिया है. दंपति ने शनिवार को यह जानकारी दी. जस्टिन (30) ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में बेटे जैक ब्लूज बीबर के जन्म की जानकारी साझा की. पोस्ट की गई तस्वीर में हैली का हाथ और नवजात शिशु का पैर दिखाई दे रहा है. हैली (27) ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट को फिर से साझा किया. जस्टिन, लव मी, सॉरी, यमी और पीचेज जैसे गानों के लिए जाने जाते हैं, जबकि हैली एक मॉडल हैं. दोनों 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे.

पालघर में झड़प, एक की मौत, चार घायल

पालघर । महाराष्ट्र में पालघर जिले के नालासोपारा में दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये. एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. तुलिंज पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात संतोष भुवन इलाके में हुई. उन्होंने बताया कि झड़प का कारण रंजिश को बताया जा रहा है. उन्होंने कहा, दोनों समूहों ने एक दूसरे पर धारदार हथियारों से हमला किया. इस घटना में दीपक पाल नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई.

28 शिया जायरीन के शव पाक लाए गए

इस्लामाबाद । शिया जायरीन को पाकिस्तान से इराक ले जा रही बस के ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की घटना में मारे गए 28 लोगों के शवों को शुक्रवार को पाकिस्तान लाया गया. अधिकारियों ने बताया कि हादसे में घायल हुए 23 जायरीन को भी एक पाकिस्तानी सैन्य विमान से स्वदेश लाया गया. शिया जायरीन को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 28 जायरीन की मौत हो गई और 23 घायल हो गए थे. इससे पहले, ईरान के अधिकारियों ने दुर्घटना का शिकार हुए लोगों के शव पाकिस्तानी राजनयिकों को सौंप दिए.

पुणे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चार घायल

पुणे । मुंबई से हैदराबाद जा रहा एक हेलीकॉप्टर शनिवार दोपहर पुणे की मुलशी तहसील में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पौड के निकट हुई दुर्घटना में सभी चार लोग बच गए, हालांकि वे घायल हो गए हैं. उन्होंने कहा, हेलीकॉप्टर के कैप्टन को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि अन्य तीन की हालत स्थिर है. हेलीकॉप्टर ग्लोबल वेक्टरा कंपनी का था. दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है.

जन्माष्टमी उत्सव

अमृतसर : शनिवार को श्रीअमृतसर में जन्माष्टमी उत्सव से पहले छात्र दही हांडी का प्रदर्शन करते हुए.

पीडीपी घोषणापत्र में बड़े वादे

गरीब लोगों को फ्री बिजली और 12 सिलेंडर दिया जाएगा

एजेंसी । जम्मू

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अगले महीने तीन चरणों में वोटिंग है. चुनाव की तैयारियां सभी राजनीतिक दल कर रहे हैं. चुनावी माहौल के बीच जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी ने महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया. महबूबा मुफ्ती ने वादा किया है कि गरीब लोगों को 12 महीने में 12 सिलेंडर दिए जाएंगे.

इस दौरान पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि गठबंधन और सीट शेयरिंग बहुत दूर की बात है. अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारा एजेंडा अपनाने के लिए तैयार हैं, तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए, हम उनके पीछे चलेंगे क्योंकि मेरे लिए कश्मीर की समस्या को सुलझाना किसी भी चीज से ज़्यादा महत्वपूर्ण है. जब हमने पहले भी गठबंधन किया, तो हमारा एक एजेंडा था, जब हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया, तो हमारा एक एजेंडा था जिस पर वे सहमत थे लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन एजेंडे पर नहीं हो रहा है, यह सीट शेयरिंग पर हो रहा है. हम ऐसा कोई गठबंधन नहीं करेंगे जिसमें केवल सीट शेयरिंग की बात हो. गठबंधन एजेंडे पर होना चाहिए.

बदलापुर यौन उत्पीड़न : पुणे में मौन प्रदर्शन में शामिल हुए पवार, बोले-

बदलापुर की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई

एजेंसी । पुणे (महाराष्ट्र)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि बदलापुर के एक स्कूल में केजी में पढ़ने वाली दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई है. पवार ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह यह भूल गई है कि महिलाओं की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है.

पुणे में मौन प्रदर्शन में शामिल हुए पवार ने कहा कि यदि सरकार सोचती है कि विपक्ष बदलापुर की घटना पर राजनीति कर रहा है तो वह असंवेदनशील है. राकांपा (एसपी) प्रमुख पवार ने कहा, बदलापुर की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई है. राकांपा (एसपी) एमवीए का एक घटक दल है, जिसमें यूबीटी भी शामिल है. शरद पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी की भूमि पर ऐसी घटना हुई है, जो महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधियों के हाथ काट देते थे. पुणे रेलवे स्टेशन पर हो रहे मौन प्रदर्शन में पवार, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस नेताओं के साथ बारामती की सांसद सुप्रिया सुले भी शामिल हुईं.

सुले ने कहा कि राज्य में बदलापुर यौन शोषण मामले जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं. उन्होंने आरोप लगाया, सरकार संवेदनहीन है. क्या ऐसी घटना का विरोध करना गलत है? पुणे में मादक पदार्थ मामले का आरोपी हिरासत से बच रहा है, खून के सैंपल बदले जा रहे हैं, कोयटा गैंग सक्रिय है. इस बीच, भाजपा ने भी यहां एमवीए के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया. भाजपा नेताओं ने मुंह पर काली पट्टी बांधकर शहर में प्रदर्शन किया.

भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे ने कहा, उच्च न्यायालय के आदेश ने बदलापुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के विरोध में महाराष्ट्र बंद करने के एमवीए के आह्वान को विफल कर दिया. उन्होंने कहा कि भाजपा एमवीए के पाखंड को उजागर करने के लिए प्रदर्शन कर रही है. ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में एक सफाईकर्मी ने चार साल की दो बच्चियों का कथित यौन उत्पीड़न किया था, जिसके विरोध में मंगलवार को वहां बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ था. हजारों लोगों ने सड़कों और रेल की पटरियों को अवरुद्ध कर दिया था तथा इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई थी.

सरकार अपराध करने वालों के साथ खड़ी है : उद्धव

मुंबई । शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि यह दुख की बात है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महाराष्ट्र सरकार उनके साथ खड़ी है .ठाकरे ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों और बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर एक प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महायुति' सरकार को हटाना जरूरी है . ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, यह दुख की बात है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय वह उनके साथ खड़ी है . विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में 24 अगस्त को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया था . हालांकि, बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों या व्यक्तियों को 24 अगस्त या आगे की किसी तारीख पर प्रस्तावित महाराष्ट्र बंद का आह्वान करने से रोक दिया था . ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से 'बहन सुरक्षित तो घर सुरक्षित' नारे के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाने के लिए कहा, जिसे बाद में बंबई उच्च न्यायालय में पेश किया जाएगा .

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामला

सात लोगों का हुआ पॉलीग्राफ टेस्ट पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता रेप कांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी सीबीआई जांच के लिए हर तरीके को आजमा रही है. मुख्य आरोपी से लेकर पूर्व प्रिंसिपल तक दर्जनों घंटों की पूछताछ के बाद पॉलीग्राफ टेस्ट की अब बारी है. शनिवार को सात लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया. दिल्ली से खास तौर पर सीएफएसल की टीम कोलकाता गई और पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया. जिन लोगों का टेस्ट किया गया, उनमें मुख्य आरोपी संजय रॉय, पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उस रात नाइट ड्यूटी पर मौजूद चार जूनियर डॉक्टर और एक वॉलन्टियर का नाम शामिल है. मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट जेल में ही किया गया, जहां वो 14 दिन की न्यायिक हिरासत में है. बाकी छह लोगों का टेस्ट सीबीआई के दफ्तर में किया गया. संजय का पॉलीग्राफ टेस्ट इसलिए जरूरी था, क्योंकि वो इस केस का मुख्य आरोपी है. उससे जानना है कि शक के मुताबिक कब कैसे वारदात को अंजाम दिया, क्या उसके साथ कोई और भी शामिल था. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष शुरू से शक के घेरे में है. उनसे नौवें दिन भी सवाल हो रहे हैं.

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ केस दर्ज

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से सवाल इसलिए क्योंकि वो अस्पताल के मुखिया थे . उनके बर्ताव और फैसले शक के घेर में हैं . तीन सवाल अहम हैं . कब और कैसे उनको वारदात का पता चला, रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी क्यों हुई और सबूतों की रक्षा में लापरवाही क्यों की गई . उनके खिलाफ करप्शन की जांच भी शुरू कर दी गई है . इस मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर लिया है . कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई अफसरों ने उनके खिलाफ अलीपुर कोर्ट में एफआईआर की प्रति प्रस्तुत की है .

किशोरी के यौन उत्पीड़न के आरोप में शिक्षक सहित सात गिरफ्तार

पुणे । पुणे के पिंपरी-चिंचवड में एक निजी स्कूल में 12 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक शिक्षक और सात अन्य को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने शनिवार को बताया कि किशोरी के परिजनों द्वारा निगडी पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि शिक्षक (पीटी टीचर) छेड़छाड़ के आरोप में पहले भी जेल जा चुका है लेकिन रिहा होने के बाद स्कूल ने उसे फिर से नियुक्त कर लिया था. अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार शिक्षक पिछले दो वर्षों से छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न कर रहा था. अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये अन्य लोगों में स्कूल के प्रधानाचार्य, कुछ न्यासी और बोर्ड के सदस्य शामिल हैं.

राजस्थान में जयपुर सहित कई जगह हुई भारी बारिश

एजेंसी । जयपुर

मानसून की सक्रियता से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है और यहां बीते 24 घंटे में जयपुर, धौलपुर, उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़ और पाली, बांसवाड़ा और सिरोही जिले में कई जगह भारी बारिश दर्ज की गई.

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार सुबह 8.30 बजे तक के 24 घंटे में सबसे अधिक 131.0 मिलीमीटर बारिश भूंगरा (भीलवाड़ा) में दर्ज की गई. इसके अलावा माउंट आबू तहसील में 120 मिलीमीटर, खुशालगढ़ में 110 मिलीमीटर, प्रतापगढ़ में 100 मिलीमीटर, कपासन और धौलपुर तहसील में 90-90 मिलीमीटर और रामगंजमंडी में 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. इसके अनुसार एक मौसमी तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में आगामी 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा जयपुर, भरतपुर व, कोटा, अजमेर, उदयपुर संभाग के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश की प्रबल संभावना है.

कोटा, उदयपुर संभाग में 25-26 अगस्त को कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है. मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश व जोधपुर संभाग में 23-26 अगस्त को कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है.

उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा

प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर एक ठग गिरफ्तार

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने शनिवार को आरक्षी (सिपाही) भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को यहां गिरफ्तार किया. एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी. इस बीच पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने राज्य की राजधानी लखनऊ में कुछ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. एसटीएफ की ओर से बताया कि परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य अनिरुद्ध मोदनवाल को यहां गाजीपुर थाना क्षेत्र में राजकीय पॉलिटेक्निक गेट के पास शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया. मोदनवाल भदोही जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के सुरियावां बाजार का निवासी है. बयान के मुताबिक आरोपी के पास से मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड, पेटीएम से अभ्यर्थियों से पैसा लेने का स्क्रीन शॉट आदि बरामद किये गये हैं.

एसटीएफ ने कहा है कि जांच में सामने आया है कि टेलीग्राम पर पुलिस आरक्षी 'पेपर लीक चैनल' के माध्यम से यह गिरोह परीक्षा तिथि से पहले एक-एक लाख रुपये में अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दे रहा था और समूह में क्यूआर कोड एवं फोन-पे नंबर उपलब्ध कराकर उनसे पैसे मांग रहा था.

एसआईटी ने रेवन्ना व प्रज्वल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

बेंगलुरु । अपराध जांच विभाग के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म मामले और उनके पिता एवं विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है.

प्रज्वल के खिलाफ चार मामलों की जांच कर रही एसआईटी ने कहा कि 2,000 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में करीब 150 गवाहों के बयान दर्ज हैं. एक विशेष अदालत में जो आरोपपत्र दाखिल किया गया है उसमें रेवन्ना परिवार की एक घरेलू सहायिका के कथित यौन शोषण से जुड़े आरोप भी शामिल हैं. आरोपपत्र में घटनास्थल का निरीक्षण, जैविक, भौतिक, वैज्ञानिक, मोबाइल, डिजिटल तथा अन्य प्रासंगिक साक्ष्य शामिल हैं.

असम दुष्कर्म मामले के मुख्य आरोपी की मौत

क्राइम सीन पर ले जाते वक्त भागने के दौरान तालाब में कूदा, ग्रामीण नहीं होंगे जनाजे में शामिल

एजेंसी । गुवाहाटी

असम में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का मुख्य आरोपी शुक्रवार देर रात पुलिस हिरासत से कथित रूप से फरार हो गया और उसने नगांव जिले के धींग में एक तालाब में छलांग लगा दी जिससे उसकी मौत हो गई. आरोपी के गांव बोरभेटी के लोगों ने उसके जनाजे में शामिल नहीं होने और गांव के कब्रिस्तान में उसे दफनाने की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया है.

नगांव के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वप्निल डेका ने संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए आरोपी को हथकड़ी लगाकर देर रात करीब साढ़े तीन बजे उस स्थान पर ले जाया गया जहां कथित तौर पर अपराध हुआ था ताकि 'क्राइम सीन' (अपराध के क्रम) का पता लगाया जा सके. डेका ने कहा, आरोपी एक पुलिसकर्मी पर हमला कर पुलिस हिरासत से भाग गया और तालाब में कूद गया. उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को तुरंत सूचित किया गया, तलाश अभियान शुरू किया गया और लगभग दो घंटे के बाद उसका शव बरामद किया गया.

एसपी ने बताया कि इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात लगभग आठ बजे ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रही नाबालिग पर तीन लोगों ने हमला कर दिया और उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया. तीन लोग बाइक पर आए और नाबालिग को घेर लिया. पुलिस ने बताया कि उन्होंने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया और उसे घायल एवं बेहोशी की हालत में एक तालाब के निकट सड़क के किनारे छोड़ दिया. कक्षा 10वीं की छात्रा को बाद में स्थानीय लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी. इस बीच बोरभेटी के ग्रामीणों ने शनिवार सुबह बैठक कर युवक द्वारा किये गये अपराध को लेकर तीन निर्णय लिए. गांव के एक बुजुर्ग ने बताया कि, हमने गांव के कब्रिस्तान में उसे दफनाने की अनुमति नहीं देने, उसके जनाजे में शामिल नहीं होने और उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का फैसला किया है.

अमेरिका में चुनाव | राष्ट्रपति चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट जूनियर ने लिया बड़ा फैसला

कैनेडी ने वापस ली उम्मीदवारी, ट्रंप को समर्थन देंगे

- राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कड़े कंपटीशन में हैं

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते खुद को चुनावी रेस से बाहर कर लिया. साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना समर्थन देने का ऐलान भी कर दिया है. उन्होंने फीनिक्स में एक भाषण के दौरान अपनी योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि वह मतदान से अपना नाम वापस ले रहे हैं.

इस दौरान उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी पर लोकतंत्र खत्म करने, उनके और ट्रम्प के खिलाफ लगातार कानूनी लड़ाई में शामिल होने का आरोप लगाया. रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के मुताबिक, उन्हें डर है कि उनके राष्ट्रपति पद की रेस में होने से पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से समर्थन छिन जाएगा, जो पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कड़े कंपटीशन में हैं. कैनेडी ने कहा कि ट्रंप को नुकसान पहुंचाकर डेमोक्रेटिक कैंडिडेट कमला हैरिस की मदद नहीं करना चाहते.

उन्होंने एरिजोना और पेंसिल्वेनिया में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए कदम उठाए है. कैनेडी जूनियर कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है.जीत का कोई रास्ता नहींजूनियर ने एक भाषण में कहा कि मैं राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान खत्म कर रहा हूं. मेरे पास जीत का कोई रास्ता नहीं है. इसलिए मैं अपने समर्थकों से लंबे समय तक काम करते रहने या अपने डोनर्स से डोनेशन देते रहने के लिए नहीं कह सकता. उन्होंने कहा कि मैं ईमानदारी से यह नहीं कह सकता कि मेरे पास व्हाइट हाउस तक पहुंचने का कोई रास्ता है.

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थनकैनेडी ने कहा कि दिया कि राष्ट्रपति पद की रेस में उनके रहने से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए समर्थन बंट सकता है. बता दें कि अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहा है. इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है.

अमृतसर : एनआरआई को मारी गोली

अमृतसर । पंजाब में अमृतसर के बाहरी इलाके में स्थित दबुर्जी गांव में एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) को उसके घर पर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी. पुलिस ने बताया कि हाल ही में अमेरिका से लौटे सुखचैन सिंह को उनकी पत्नी और उनकी पहली शादी से हुए दो बच्चे के सामने गोली मार दी गई. पुलिस के अनुसार सिंह सुबह की सैर के लिए जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उन्हें उनके घर के बाहर रोक लिया. वे उन्हें उनके घर के अंदर ले गए और उनसे उनकी लग्जरी कार के रजिस्ट्रेशन के कागजात मांगे. पुलिस ने बताया कि विवाद के बाद हमलावरों ने सिंह के साथ मारपीट की, उन पर तीन गोलियां चलाईं और मौके से भाग गए. दो गोलियां सिंह के सिर और सीने के पास लगीं.

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने कहा

233 नये न्यायाधीश नियुक्त किए जाएंगे कई अदालतों में

एजेंसी । इरोड (तमिलनाडु)

मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु की विभिन्न अदालतों में शीघ्र ही 233 न्यायाधीश नियुक्त किये जायेंगे. न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने यहां इरोड के जिलाधिकारी कार्यालय में हुए कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मोडाकुरिची तालुक के इलूमाथुर में जिला मुंशिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत का उद्घाटन किया.

उन्होंने कहा, हमने तमिलनाडु सरकार से राज्य में चल रहे विभिन्न न्यायालयों के लिए 300 से अधिक नए न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की अपील की है और सरकार ने 233 न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. न्यायाधीशों की नियुक्ति जल्द ही कर दी जाएगी. न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने कहा कि फिलहाल इरोड में 41 अदालतें चल रही हैं. उन्होंने कनिष्ठ अधिवक्ताओं से वरिष्ठ वकीलों का सम्मान करने तथा जटिल मामलों में सुझाव लेने का अनुरोध किया. इससे पहले, वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोडुमुडी में एक उपन्यायालय का उद्घाटन करते हुए याधीश एम एम सुंदरेश ने कहा कि न्यायिक अदालतें वादियों के फायदे के लिए बनायी गयी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)